શુભ લાભ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | गुरुवार, 10 जुलाई, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-7 | अंक-189

नामीबिया पहुंचने पर पीएम मोदी को 21 तोपों की भव्य सलामी

राष्ट्रपति नंदी से मिले, कई अहम समझौतों पर हुए हस्ताक्षर

भारत का मूल्यवान और विश्वसनीय पार्टनर है नामीबिया : मोदी

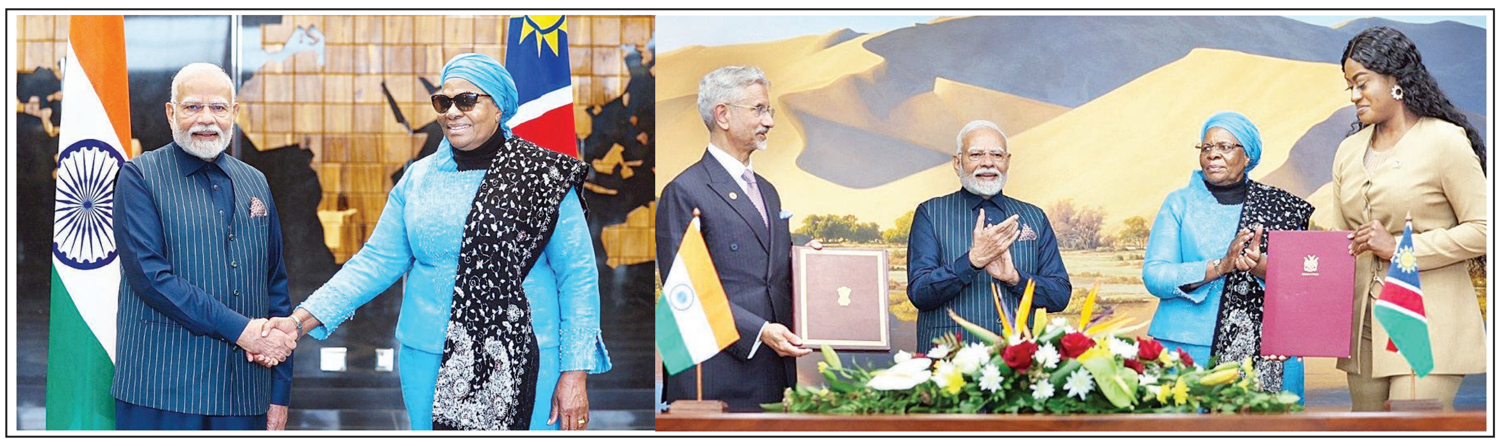

विंडहोक (नामीबिया), 09 जुलाई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को नामीबिया की राजधानी विंडहोक पहुंचे। यहां उनका भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी को औपचारिक स्वागत में 21 तोपों की सलामी दी गई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नामीबिया की राष्ट्रपति नेटुम्बो नंदी-नदैतवा से मुलाकात की और बैठक के बाद दोनों देशों ने ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा, यूरेनियम निर्यात, रक्षा उपकरण खरीद और तेल और गैस के क्षेत्र में सहयोग जैसे कई अहम समझौतों पर हस्ताक्षर किए। प्रधानमंत्री मोदी की यह नामीबिया की पहली यात्रा थी। किसी भारतीय प्रधानमंत्री की नामीबिया की यह तीसरी यात्रा थी। राष्ट्रपति नंदी-नदैतवा के निमंत्रण पर यहां पहुंचे। पीएम मोदी ने नामीबिया को अफ्रीका में एक मूल्यवान और विश्वसनीय साझेदार बताया। इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी का स्टेट हाउस में औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। उन्हें 21 तोपों की सलामी भी दी गई।

खनिज संसाधनों से भरे देश से भारत के रिश्ते और मजबूत हुए

प्रधानमंत्री मोदी ने नामीबिया की राजधानी विंडहॉक में भारतीय समुदाय से भी मुलाकात की। पीएम मोदी जिस होटल में ठहरे हैं, उसमें प्रधानमंत्री से मिलने बड़ी संख्या में भारतीय और भारतवंशी लोग पहुंचे थे। भारतीय समुदाय में शामिल एक महिला ने कहा, पीएम मोदी के नामीबिया दौरे को लेकर हम रोमांचित हैं। हम प्रधानमंत्री के स्वागत में गरबा नृत्य करेंगे। एक अन्य महिला ने कहा, यह पहली बार होगा, जब मैं पीएम मोदी से मिलूंगी। मैं इसे लेकर बेहद उत्साहित हूं।

नामीबिया में भारत के उच्चायुक्त राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि भारत में नामीबिया के चीते अच्छी तरह से रह रहे हैं, लेकिन उनकी संख्या पर्यावरण संतुलन के लिए अभी भी पर्याप्त नहीं है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नामीबिया यात्रा के बाद प्रोजेक्ट चीता-2 की शुरुआत हो सकती है, जिससे भारत को और ज्यादा चीते मिल सकें। ग्लोबल साउथ (दक्षिणी देशों) में भारत की नेतृत्व भूमिका को दुनिया मानती है।

▶10पर

चुनाव आयोग के खिलाफ इंडी नेताओं ने बिहार में किया प्रदर्शन

कार्यकर्ता तपती सड़क पर घिसटे तेजस्वी-राहुल भाषण देकर खिसके

कोई नेता चुनाव आयोग नहीं पहुंचा, अफसर इंतजार करते रह गए

पटना, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

चुनाव आयोग के खिलाफ जिन मुद्दों पर इंडी गठबंधन ने पटना में बंद का आयोजन किया था, वह मुद्दा आज हुए प्रदर्शन या नेताओं के भाषण में कहीं नहीं था। यहां तक कि चुनाव आयोग के अधिकारियों के मिलने की विपक्षी नेताओं ने जो घोषणा की थी, वह भी फर्जी ही साबित हुई। चुनाव आयोग के अधिकारी नेताओं का इंतजार करते रहे, लेकिन नेता अपना अपना भाषण देकर चंपत हो गए। भीषण गर्मी में विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तपती सड़क पर घिसटते रहे और नेता ग्रमी से राहत पाने के लिए खिसकते रहे।

बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर आयोजित बंद और प्रदर्शन में विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर खूब बवाल मचाया और सड़कों पर खूब लोटे। नेताओं ने भी खूब भाषण ठेले। राजद नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पटना में खुले ट्रक पर चढ़कर भाषण दिया। लेकिन उस ट्रक पर कन्हैया कुमार को चढ़ने नहीं दिया गया। तेजस्वी ने कहा, यह भाजपा की चाल है, गरीबों-दलितों का वोट छीनने की। राहुल ने महाराष्ट्र के वोट-चोरी वाला आरोप-फार्मूला बिहार में भी जड़ा और चुनाव आयोग पर निशाना साधा। राहुल गांधी और तेजस्वी यादव, दोनों ने कार्यकर्ताओं को भड़काया और मार्च की शुरुआत की, लेकिन शहीद स्मारक के पास पुलिस ने रोक लिया। वहीं नेताओं ने भाषण दिया, फोटो खिंचवाए और गायब हो गए। राहुल दिल्ली लौट गए और तेजस्वी अपने घर। गर्मी और उमस भी काफी थी। चुनाव आयोग के दफ्तर में अफसर इंतजार करते रह गए कि शायद कोई प्रतिनिधिमंडल आए, उनकी शिकायत सुने। लेकिन वहां कोई नहीं पहुंचा। विपक्ष का कहना है कि मतदाता सूची के लिए मांगे गए 11 दस्तावेजों में आधार कार्ड जैसी चीजें शामिल नहीं, जिससे गरीबों के नाम कट सकते हैं। आयोग का कहना है कि यह काम संविधान और कानून के तहत हो रहा है। ईसी का कहना है कि किसी वैध वोटर का नाम नहीं कटेगा, सिर्फ घुसपैठियों और फर्जी नाम हटाए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट में इस मसले पर 10 जुलाई को सुनवाई है, लेकिन उससे पहले बिहार की सड़कों पर सियासत गरमा गई है।

चुनाव आयोग ने बताया कि तेजस्वी के दावे भ्रामक हैं। राष्ट्रीय जनता दल ने खुद स्पेशल इंटेसिव रिवीज़न (एसआईआर) के काम के लिए 47,504 बूथ लेवल एजेंट्स तैनात किए हैं, जो एसआईआर के लिए जमीनी स्तर पर तत्परता से कार्य कर रहे हैं। जबकि दूसरी तरफ तेजस्वी यादव चुनाव आयोग पर आरोप भी लगा रहे हैं।

बिहार में वोटर लिस्ट के रिवीजन को लेकर विपक्ष का बेमानी बवाल चालू है। राजद नेता तेजस्वी यादव से लेकर टीएमसी की सागरिका घोष तक लगातार चुनाव प्रक्रिया को लेकर फर्जी दावे कर रही हैं। चुनाव आयोग ने इन नेताओं के दावों को तथ्यात्मक रूप से फर्जी बताया है। ▶10पर

आर्थिक अपराधी के अमेरिका से प्रत्यर्पण में मिली कामयाबी

फरार मोनिका कपूर को भारत ला रही सीबीआई

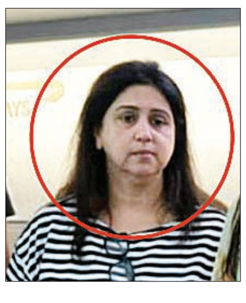

वाशिंगटन, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

आर्थिक अपराध के मामले में वांटेड मोनिका कपूर को अमेरिका से प्रत्यर्पित कराने में सीबीआई को कामयाबी मिली है। सीबीआई मोनिका कपूर को अमेरिका से भारत ला रही है। अपनी 25 साल से भी ज्यादा लंबी फरारी के बाद मोनिका कपूर अब भारतीय एजेंसियों की हिरासत में है। इसे केंद्रीय जांच ब्यूरो की एक बड़ी सफलता मानी जा रही है।

केंद्रीय एजेंसी अमेरिका से मोनिका कपूर को हिरासत में लेकर एक अमेरिकी एयरलाइंस की फ्लाइट से भारत रवाना हो चुकी है। सीबीआई की इस टीम के बुधवार देर रात तक भारत पहुंचने की संभावना है। अधिकारियों ने बताया कि न्यूयॉर्क स्थित यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट (ईस्टर्न डिस्ट्रिक्ट) ने भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय प्रत्यर्पण संधि के तहत उनके प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी। अमेरिकी विदेश मंत्री ने मोनिका कपूर के उस दावे को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर उन्हें भारत वापस लाया गया तो उन्हें प्रताड़ित किया जा सकता है, इसलिए उनका प्रत्यर्पण 1998 के विदेश मामलों के सुधार और पुनर्गठन अधिनियम द्वारा लागू किए गए संयुक्त राष्ट्र यातना विरोधी कन्वेंशन का उल्लंघन होगा।

मोनिका कपूर 1999 में धोखाधड़ी करने के बाद अमेरिका भाग गई थी। आरोप है कि उन्होंने अपने दो भाइयों के साथ मिलकर ज्वेलरी व्यवसाय के लिए फर्जी दस्तावेज बनाए, जिनका इस्तेमाल भारतीय सरकार से कच्चे माल के शुल्क-मुक्त आयात के लाइसेंस लेने में किया गया। इस धोखाधड़ी से भारतीय राजस्व को 6.79 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 5.7 करोड़ रुपए) से अधिक का नुकसान हुआ था। भारत ने अक्टूबर 2010 में अमेरिका से मोनिका कपूर के प्रत्यर्पण का अनुरोध किया था, जो दोनों देशों के बीच प्रत्यर्पण संधि के तहत किया गया था। मोनिका कपूर दिल्ली की ओवरसीज नाम की फर्म की मालकिन है। सीबीआई का कहना है कि मोनिका ने अपने भाइयों राजन खन्ना और राजीव खन्ना के साथ मिलकर नकली एक्सपोर्ट दस्तावेज, जैसे शिपिंग बिल, चालान (इनवॉइस) और बैंक सर्टिफिकेट बनवाए। ▶10पर

नेशनल हेराल्ड घोटाला केस में ईडी ने कोर्ट से कहा

कोर्ट को गुमराह कर रहे हैं सोनिया और राहुल गांधी

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

नेशनल हेराल्ड से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोर्ट में कहा है कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी न्यायालय को गुमराह कर रहे हैं। करोड़ों रुपए के इस घोटाले की सुनवाई राउज एवेन्यू कोर्ट में हो रही है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने ईडी की आगे की जवाबी दलीलें 12 जुलाई को सुनने का आदेश दिया।

ईडी की तरफ अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने कहा कि सोनिया और राहुल गांधी ने शेयरधारकों को परिसंपत्तियों का हकदार नहीं होने के बारे में गलत बयान दिया है। उन्होंने कंपनी अधिनियम की धारा 25 का हवाला दिया। ईडी ने गांधी परिवार के उस दावे को भ्रामक बताया, जिसमें उनके पास संपत्तियों पर कोई नियंत्रण नहीं होने की बात कही गई थी। मंगलवार को सुनवाई के ▶10पर

वडोदरा में पुल गिरने से 10 की मौत कई घायल

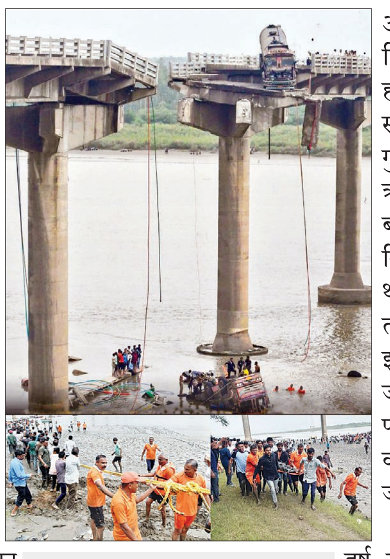

वडोदरा, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

गुजरात के वडोदरा में महिसागर नदी पर बने पुल के गिरने से अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है। महिसागर नदी पर गंभीरा पुल का निर्माण 43 साल पहले किया गया था। यह पुल मुजपुर को आणंद जिले के गंभीरा से जोड़ता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के लिए दो लाख रुपए की आर्थिक मदद का ऐलान किया गया है। इससे पहले वडोदरा ग्रामीण ग्रामीण के एसपी रोहन आनंद ने बताया कि गंभीरा पुल का एक स्लैब ढह जाने से पांच वाहन महिसागर नदी में गिर गए। महिसागर नदी पर स्थित गंभीरा पुल मध्य गुजरात और राज्य के सौराष्ट्र क्षेत्र को जोड़ता है। पादरा के पुलिस निरीक्षक विजय चरण ने बताया कि कम से कम पांच लोगों को बचाया गया है और उनका उपचार किया जा रहा है। यह हादसा सुबह करीब साढ़े सात बजे हुआ। गुजरात के मंत्री ऋषिकेश पटेल ने बताया कि पुल का निर्माण 1985 में हुआ था और समय समय पर तथा जरूरत के अनुसार इसका रखरखाव किया जाता था। ऋषिकेश पटेल ने कहा, घटना के वास्तविक कारण की जांच की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने किया आर्थिक मदद देने का ऐलान

गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने बताया 10 शव बरामद कर लिए गए हैं और 6 लोगों को बचा लिया गया है। सीएम ने सुबह ही एक उच्च समिति को घटनास्थल पर भेजा और उन्होंने जल्द से जल्द रिपोर्ट मांगी है। इसे बेहद गंभीरता से लेते हुए सीएम ने सड़क एवं भवन विभाग की एक टीम और अन्य टीमों को वहां जाकर ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए हैं। वडोदरा के जिला कलेक्टर अनिल धमेलिया ने कहा, हमने 6 लोगों को बचाया है जिन्हें मामूली चोटें आई हैं ▶10पर

उदयपुर फाइल्स की रिलीज रोकने से सुप्रीम कोर्ट का इन्कार

फिल्म दिखाएगी कन्हैयालाल की हत्या का सच

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने उदयपुर फाइल्स फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने से इन्कार कर दिया है। यह फिल्म राजस्थान के उदयपुर में दर्जी कन्हैयालाल की हत्या पर आधारित है। फिल्म की रिलीज को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। अदालत ने याचिका पर तत्काल सुनवाई से इन्कार कर दिया।

जस्टिस सुधांशु धूलिया और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि इस मामले में गर्मी की छुट्टियों के बाद जब 14 जुलाई को अदालत खुलेगी तो संबंधित बेंच के सामने सुनवाई के लिए रखा जा सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि इस बीच फिल्म को रिलीज किया जा सकता है। यह फिल्म 11 जुलाई को रिलीज होगी। कन्हैया लाल हत्याकांड के एक आरोपी मोहम्मद जावेद ने अपने वकील के ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलुरू

अधिकतम : 28^0

न्यूनतम : 21^0

प्यू रिसर्च सेंटर ने आठ साल के शोध के बाद जारी की रिपोर्ट

एक दशक में भारत का लोकतंत्र मजबूत हुआ है

राजनीतिक पूर्वाग्रह से भरी व्याख्याओं (नैरेटिव) से दूर रहने वाली शोध संस्था प्यू रिसर्च सेंटर ने आठ साल तक किए अपने शोध और सर्वेक्षण में पाया है कि भारत में लोकतंत्र बहुत मजबूत है। प्यू रिसर्च ने उन देशों को लोकतांत्रिक दृषिट से कमजोर बताया है जो अपने को सबसे अधिक उच्च आय का मानते हैं। यह रिपोर्ट सोनिया गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे तमाम नेताओं के मुंह पर करारे तमाचे की तरह है जो दुनियाभर में गाते फिरते हैं कि पिछले एक दशक में भारत का लोकतंत्र कमजोर हुआ है। अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव हो रहा है और अनुसूचित जाति एवं जनजाति के साथ अत्याचार हो रहा है।

प्यू रिसर्च सेंटर द्वारा 2017 से अब तक लगातार किए गए सर्वेक्षणों के अनुसार, 12 उच्च आय वाले देशों में लोकतंत्र के प्रति जनता संतुष्ट नहीं है, इन देशों में जनता के असंतोष का ग्राफ कहीं ऊंचा है। जहां पर 64 प्रतिशत वयस्क अपने देश की लोकतंत्र प्रणाली में काम करने के तरीके से असंतुष्ट नजर आते हैं। इन देशों में प्रमुखता से कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, इटली, जापान, नीदरलैंड, दक्षिण कोरिया, स्पेन, स्वीडन, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। प्यू रिसर्च सेंटर के स्प्रिंग 2025 ग्लोबल एटीट्यूड सर्वे में यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि एक ऐसे समय में जब अधिकांश उन्नत अर्थव्यवस्थाएं लोकतांत्रिक शासन के प्रति बढ़ते सार्वजनिक असंतोष से जूझ रही हैं, भारत वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक संतुष्टि के उच्चतम स्तरों के साथ उभर कर सामने आया है।

न संविधान खतरे में, न लोकतंत्र

भारत का निंदा-गान करने वालों के मुंह पर करारा तमाचा

भारत के 74 प्रतिशत से अधिक लोग भारतीय लोकतंत्र से संतुष्ट हैं। 74 प्रतिशत भारतीय नागरिकों ने कहा कि वे अपने देश में लोकतंत्र के कामकाज के तरीके से संतुष्ट हैं, जबकि केवल 23 प्रतिशत ने असंतोष व्यक्त किया। इस प्रकार भारत स्वीडन (75 प्रतिशत) से थोड़ा पीछे है और जर्मनी (61 प्रतिशत), इंडोनेशिया (66 प्रतिशत) और ऑस्ट्रेलिया (61 प्रतिशत) जैसे अन्य लोकतंत्रों से काफी आगे है। वस्तुत: भारत में लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान भी ये नैरेटिव सेट करने का प्रयास हुआ था कि यहां लोकतंत्र और संविधान खतरे में है। जब चुनाव परिणाम आ गए तब भी विपक्ष यह मानने को तैयार नहीं कि केंद्र की मोदी सरकार बिना किसी भेदभाव के सभी के कल्याण के लिए बराबर से काम कर रही है। कहना होगा कि यदि अधिकांश भारतीय मानते हैं कि ▶10पर

शेयर मार्केट

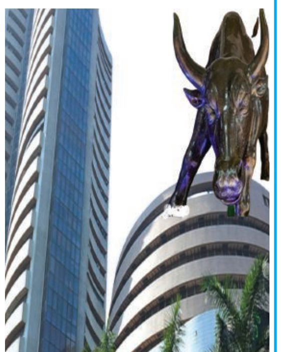

बीएसई : 83,536.08

-176.43 -0.21% ↓

एनएसई :25,476.10

-46.40 (-0.18%) ↓

जीतो बेंगलूरु साउथ और ईआईएमआर बिजनेस स्कूल ने लॉन्च किया व्यापार 2.0

उद्यमियों के लिए 4 महीने का बिजनेस मॉडल ट्रेनिंग प्रोग्राम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो बेंगलूरु साउथ और यूथ विंग ने ईआईएमआर बिजनेस स्कूल के साथ मिलकर व्यापार 2.0 की शुरुआत की घोषणा की है, जो सितंबर 2025 से शुरू होने वाला 4 महीने का बिजनेस मॉडल ट्रेनिंग सत्र है। यह पहल जेबीएन और सीएफई वर्टिकल्स के अंतर्गत आती है। जीतो बेंगलूरु साउथ और ईआईएमआर बिजनेस स्कूल के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जो युवाओं के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। व्यापार 2.0 एक संरचित, पखवाड़े में एक बार होने वाला जुड़ाव कार्यक्रम है, जो जेबीएन और सीएफई के मॉडल के अनुरूप है। इस कार्यक्रम में 18 वर्ष और उससे अधिक आयु के 40 60 प्रतिभागियों को शामिल किया जाएगा, जो व्यवसाय वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करेगा। सहकर्मी से सहकर्मी नेटवर्किंग, रेफरल और मेंटरशिप के माध्यम से, व्यापार 2.0 उद्यमियों का एक घनिष्ठ समुदाय बनाने का प्रयास करता है, जो सहयोग और पारिस्थितिकी तंत्र निर्माण को प्रोत्साहित करता है। कार्यक्रम विशेषज्ञ मेंटरशिप, बाजार पहुंच और अपने समूह मॉडल के माध्यम से मजबूत व्यावसायिक बंधन बनाने का अवसर प्रदान करेगा। सदस्यों को ढांचे, उपकरण और मार्गदर्शन से लैस करके, व्यापार 2.0 उन्हें अधिक आत्मविश्वास से रेफरल उत्पन्न करने और स्थायी रूप से विकास के लिए तैयार करेगा। हस्ताक्षर समारोह की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई, जिसके बाद जीतो के गणमान्य व्यक्तियों और ईआईएमआर टीम द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया। जीतो बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन, रणजीत सोलंकी ने सदस्यों का स्वागत किया और युवा उद्यमियों के लिए कार्यक्रम के महत्व पर जोर दिया। ईआईएमआर बिजनेस स्कूल के संस्थापक दीपक श्रीश्रीमल ने मेंटरशिप, बाजार पहुंच और दीर्घकालिक व्यावसायिक गठबंधन सहित कार्यक्रम के लाभों पर प्रकाश डाला। ईआईएमआर प्रोफेसर मंजुनाथ ने कार्यक्रम की संरचना और प्रवाह के बारे में विस्तृत जानकारी दी। जीतो बेंगलूरु साउथ के मुख्य सचिव नितिन लुनिया और जेएलडब्ल्यू चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने यूथ विंग को इस पहल के आयोजन के लिए बधाई दी, जिसका उद्देश्य पहली और दूसरी पीढ़ी के उद्यमियों के बीच संचार अंतर को पाटना है। जीतो यूथ विंग के चेयरमैन मेहुल श्रीश्रीमाल ने कहा कि व्यापार 2.0 परिवार के व्यवसाय नेताओं की क्षमता और स्पष्टता को बढ़ाकर आर्थिक सशक्तिकरण के जेबीएन के मिशन को पूरा करता है। सत्र में जेबीएन संयोजक विजय मेहता, जेबीएन सह संयोजक ललित बागरेचा, सीएफई संयोजक हितेंद्र जैन, यूथ विंग उपाध्यक्ष कुणाल मकाना और मुख्य सचिव ऋषभ चोपड़ा सहित प्रमुख सदस्य उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की मेजबानी अवधी चौहान ने की।

जैन संस्कार विधि से किया दायित्व बोध ग्रहण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर का दायित्व बोध ग्रहण समारोह जैन संस्कार विधि से तेरापंथ सभा भवन गांधीनगर में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनि डॉ. पुलकितकुमारजी के सानिध्य में आयोजित हुआ। जैन संस्कार विधि का शुभारंभ पंच परमेष्ठि नमस्कार महामंत्र के सामूहिक उच्चारण से हुआ। जैन संस्कारक सतीश पोरवाड़ ने विभिन्न मंगल मंत्रोंचार द्वारा विधि को संपन्न करवाया। दायित्व बोध ग्रहण समारोह के दूसरे सत्र में तेयुप राजाजीनगर द्वारा संचालित भिक्षु श्रद्धा स्वर सदस्यों ने विजय गीत का संगान किया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन अभातेयुप अभुतपूर्व अध्यक्ष युवा गौरव विमल कटारिया द्वारा किया गया। निवर्तमान अध्यक्ष कमलेश चौरडिया ने सभी का स्वागत करते हुए नवमनोनित अध्यक्ष जितेश दक को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। जितेश दक ने टीम की घोषणा करते हुए उपाध्यक्ष प्रथम जयंतीलाल गांधी, उपाध्यक्ष द्वितीय सुनील मेहता, मंत्री अनिमेष चौधरी, सहमंत्री प्रथम रवि चौधरी, सहमंत्री द्वितीय राहुल चावत, संगठनमंत्री पंकज बोहरा, कोषाध्यक्ष कुनाल गन्ना, प्रचार प्रसार मीडिया प्रभारी जितेन्द्र कोठारी एवं कार्यसमिति सदस्यों को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। मुनि डॉ. पुलकितकुमारजी ने मंगल उद्बोधन प्रदान करते हुए अध्यक्ष के दायित्व को कैसे निर्वाह करना एवं कैसे संघ-संगठन के प्रति अपनी मर्यादाओं का पालन करते हुए गुरु इंगित द्वारा बताए गए पद् चिन्हों पर चलते हुए कार्य करने है, ऐसी प्रेरणा प्रदान की एवं नवमनोनित अध्यक्ष के उज्ज्वल कार्यकाल की मंगलकामनाएँ संप्रेषित की। तेयुप राजाजीनगर अध्यक्ष जितेश दक ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संगठन को मजबूत करने एवं अभातेयूप के त्रि आयामी सूत्र सेवा, संस्कार, संगठन के सभी आयामों को संपादित करने का लक्ष्य रखा और सभी को एकजुट होकर संघ के लिए कार्य करने का आह्वान किया। राजाजीनगर सभा अध्यक्ष अशोक चौधरी, महिलामंडल कार्यवाहक अध्यक्षा उषा चौधरी, शाखा प्रभारी दिनेश मरोठी, अभातेयुप अभुतपूर्व अध्यक्ष युवा गौरव विमल कटारिया, अभातेयुप वरिष्ठ उपाध्यक्ष पवन मांडोत ने अपने विचार व्यक्त करते हुए परिषद को एक नई ऊंचाइयों पर लेकर जाने के लिए प्रेरणा प्रदान करते हुए आगामी कार्यकाल हेतु शुभकामनाएं संप्रेषित की। इस अवसर पर संस्थापक अध्यक्ष सुनील बाफना, सीपीएस राष्ट्रीय सलाहकार सतीश पोरवाड़, अभातेयुप कार्यसमिति सदस्य कमलेश गन्ना एवं श्रावक समाज की अच्छी उपस्थिति रही। मंच संचालन जयंतीलाल गांधी ने किया।

श्री राणीसती दादी के संगीतमय मंगलपाठ में झूमे श्रद्धालु

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री नारायणी दादी परिवार के तत्वावधान में रविवार को श्री दादी जी के संगीतमय मंगलपाठ का आयोजन सलारपुरिया दिवनिटी के सभागार में दादी भक्तों की गरिमामयी उपस्थिति से शानदार ढंग से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर दादी भक्तों ने झूम झूम कर आनन्द लिया। सर्वप्रथम अध्यक्ष मेहश अग्रवाल व संजय सिद्धार्थ नोपानी परिवार ने विधि विधान से पूजन कर अखंड ज्योत प्रज्वलित की। ज्योत प्रज्वलित होने पर सभी भक्तों ने जय राणी सती दादीजी के जयघोष लगाकर जयकारे लगाए। तत्पश्चात सिद्धार्थ नोपानी टीम ने संगीतमय पाठ का वाचन कर सभी भक्तों को थिरकने पर मजबूर कर दिया। इस अवसर पर नारायणी दादी परिवार के ट्रस्टीगण चैयरमेन मुरलीधर भाऊवाला, अध्यक्ष महेश अग्रवाल, सचिव सिद्धार्थ

नोपानी, कोशाध्यक्ष पंकज जालान, विनोद माखरिया, रमेश भाऊवाला, रवि सिंघानिया राजकमल गनेरीवाल, रमाकांत सर्राफ, शंकरलाल मोदी, सचिन भारपीलानिया, राजकुमार सर्राफ, अनिल केडिया, आनंद अग्रवाल, गणेश जालान, प्रदीप पंसारी, वतन बंसल, संजीव अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, मंजू भाऊवाला, प्रदीप पौदार, संजय जाजोदिया, रवि टाईंवाला, गोपाल गनेरीवाल, शालिनी गुप्ता, संगीता केडिया, शशि शर्मा के अलावा समाज के गणमान्य चन्द्रप्रकाश रामसीसरिया, विपिनराम अग्रवाल, शिवकुमार टेकरीवाल, संजय नोपानी, संजय चौधरी, प्रकाश चौधरी सहित सभी ने बहुत ही समर्पण भक्ति भाव से भाग लेकर दर्शन किये। श्री नारायणी दादीजी के मंगल पाठ का सफल आयोजन श्री नारायणी दादी परिवार के सभी परिजनों एवं पधारें श्रद्धालूओं की समर्पित सेवा, सहयोग, सच्ची श्रद्धा, सहभागिता और प्रेमपूर्ण सहयोग ने हुआ। इस अवसर पर संस्था द्वारा प्रस्तावित सेवा रूपी प्रकल्प अन्नपूर्णा दिवस पर जरूरतमंद लोगों की सेवा भाऊवाला फाउंडेशन के संस्थापक सीता भाऊवाला द्वारा लवलाविका वृद्धाश्रम विजयनगर एवं तारा वृद्धाश्रम राजराजेश्वरी नगर में किया गया।

राजराजेश्वरी नगर में भिक्षु चेतना वर्ष का आगाज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ के आद्य प्रणेता आचार्य श्री भिक्षु के 300वें जन्म वर्ष के शुभारंभ के अवसर पर साध्वी श्री पुण्ययशाजी के पावन सान्निध्य में तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आचार्य भिक्षु के जीवन के मार्मिक घटना प्रसंगों का उल्लेख करते हुए साध्वी पुण्ययशाजी ने कहा- विचक्षण, बुद्धि, अडोल धैर्य, असीम आचार निष्ठा का नाम है आचार्य भिक्षु। वे एक विलक्षण और उच्च कोटि के संत थे। उनकी उत्कृष्टता का मूल कारण था आचार और विचार विषयक विशुद्धि की पूर्ण जागरूकता। तेरापंथ जिनका पोर्टफोलियो ही नहीं प्राण तत्व था। आचार्य भिक्षु के अशेष बलिदान ने तेरापंथ को युगों-युगों तक अमर बना दिया। त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष में साध-वीश्रीजी की प्रेरणा से प्रवचन में भाई-बहनों ने 300 सामायिक कर कार्यक्रम को रचनात्मकता दी। साध्वीजी के सान्निध्य में तेरह कोटि जाप से त्रिशताब्दी वर्ष का शुभारंभ हुआ। सामूहिक में सात तारीख को सवालाख जाप अनुष्ठान करवाया गया। इस अवसर पर तेले व अनेक प्रकार के त्याग प्रत्याख्यान करवाये गये। तीन दिन का अखण्ड जप चल रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ साध्वी द्वारा महामंत्र के उच्चारण से हुआ। साध्वी विनितयशाजी, साध्वी वर्धमानयशाजी, साध्वी बोधिप्रभाजी ने भिक्षु म्हारे प्रगट्याजी भरत क्षेत्र में गीतिका से मंगलाचरण किया। अहमदाबाद में विराजित आचार्य महाश्रमणजी के मंगल उद्बोधन का सीधा प्रसारण द्वारा उपस्थित श्रावक समाज ने श्रद्धा से श्रवण किया। मंच का कुशल संचालन साध्वी वर्धमानयशा जी ने किया। तेरापंथी सभा के अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे महत्वपूर्ण आयोजन में साध्वीवृन्द का सान्निध्य हम सबको आध्यात्मिकता से सराबोर कर रहा है। युवक परिषद द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। सामायिक ग्रुप की बहनों द्वारा भिक्षु अष्टकम का सामूहिक संगान किया गया। आचार्य भिक्षु की अभिनव संपाद-ाओं को महिला मंडल द्वारा एक रोचक प्रस्तुति के रूप में प्रस्तुत किया गया।

हमारे द्वारा प्रतिदिन किए गए पापों की आलोचना ही प्रतिक्रमण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास हेतु विराजित साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी ने अपने प्रवचन में फरमाया कि हमें चातुर्मास काल में छह आवश्यकों से आराधना करनी है। श्रावकों के छह आवश्यक में पहले आवश्यक में सामायिक आती है। सम, आय और इक की संधि करने से सामायिक शब्द बनता है। एक सामायिक करने से पल्योपम वर्ष की देवगति का बंध होता है। हमारी आत्मा को शीतल करने वाली जिनवाणी श्रवण करने से हमारी आत्मा के कषाय दूर होते हैं। बीता हुआ समय एक बार व्यतीत होने के पश्चात वापस नहीं आएगा। हमें इस समय का सदुपयोग अभी कर लेना है। दूसरे आवश्यक में चौबीस तीर्थंकरों की वन्दना है। जिसमें परमात्मा की सेवा पूजा, वन्दना करना है। सिर्फ जैन दर्शन में ही परमात्मा का स्पर्श कर सकते हैं। परमात्मा के स्पर्श से हमारी आत्मा में स्पंदन होना चाहिए। उसी क्षण में हमारे अनन्त कर्मों से छुटकारा मिल जाता है। परमात्मा की स्पर्शना से राग द्वैष रुपी मल से छुटकारा पाकर हमारी आत्मा विमल बन जाती है। हमनें अपने कर्मों के द्वारा आत्मा को मैली कर दी है। हमारे अन्तर के मल को दूर करने के लिए परमात्मा की उपासना करनी है।

आचारांग सूत्र के अनुसार हमारी आत्मा ही परमात्मा है, तीसरे आवश्यक में पंच महाव्रत धारी साधु संतों को वन्दना करना है। एक बार का विधिवत गुरु वन्दन हमारे पापों का नाश करता है। श्री कृष्ण महाराजा ने अठारह हजार साधुओं को वन्दना करके तीर्थंकर नाम गौत्र का बंध किया था। चतुर्थ आवश्यक में प्रतिक्रमण है। हमारे द्वारा प्रतिदिन किए गए पापों की आलोचना ही प्रतिक्रमण है। पंचम आवश्यक में कायोत्सर्ग है, कायोत्सर्ग में हमारी आत्मा का ध्यान करना है और काया के राग को छोड़ना है। छठे आवश्यक में प्रत्याख्यान है। हमारी आत्मा को तप प्रत्याख्यान के माध्यम से हमें अभाव दशा से स्वभाव दशा में लाना है। दादावाड़ी ट्रस्ट के द्वारा निगोद निवारण तप का प्रारम्भ दिनांक 12 जुलाई से प्रारम्भ होगा। साधना के मार्ग में एक क्षण के प्रमाद से हम पुनः बादर व्यवहार राशि निगोद में पहुंच सकते हैं। आगामी प्रथम रविवार को 'सद्गुणों की सिद्धि वही परम शुद्धि' विषय पर विशेष प्रवचन होगा और दादा गुरुदेव इक्तीसा पर एक कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। गुरुवर्या श्री चातुर्मास में ज्ञानसार सूत्र ग्रंथ का वांचन करेंगी जिसे गुरुवर्या जी को बोहराने का लाभ धर्मीदेवी छगनलाल भन्साली द्वारा लिया गया। साथ ही गुरुवर्या श्री जी द्वारा समरादित्य चारित्र का वांचन किया जाएगा जिसे वोहराने का लाभ पन्नालाल गौतमचंद कवाड परिवार द्वारा लिया गया।

हम जीवन में बड़ी सफलताओं के पीछे भागते हैं, लेकिन खेल असली जैकपॉट: बबीता रायसोनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने एक बार फिर साबित कर दिया कि महिलाएं केवल नेतृत्व में ही नहीं, खेल के मैदान में भी पीछे नहीं हैं। सोमवार को फोरम साउथ मॉल में रोमांच से भरपूर खेल का आयोजन किया गया। जैकपॉट ट्रेजर हंट, जिसमें 9 टीमों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और मॉल को स्पोर्ट्स एरीना बना दिया। जैकपॉट ट्रेजर हंट ने मचाया धमाल, बना खेल और जोश का मेला। यह आयोजन जीतो स्पोर्ट्स विंग के तहत आयोजित किया गया, जिसमें 150 से अधिक सदस्य उपस्थित रहे और पूरा माहौल जोश, प्रतिस्पर्धा और तालमेल से भर गया। कार्यक्रम की शुरुआत नवकार महामंत्र के उच्चारण से हुई, जिसने सभी को मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा से भर दिया। इसके बाद चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने स्वागत भाषण में कहा, हम सब जीवन में बड़ी सफलताओं के पीछे भागते हैं, लेकिन आज हम यहां उन छोटे खजानों की तलाश में हैं, हँसी, टीम वर्क, और वो जुनून जो खेल में होता है। यही असली जैकपॉट है। हर टीम को अलग अलग रंग की टी शर्ट दी गई। नेवी ब्लू, पिंक, मैरून, इम्पीरियल ब्लू, रेड, मस्टर्ड येलो, लाइट ब्लू, ऑरेंज और ग्रे स्टॉर्म, जिसने पूरे मॉल को एक रंग बिरंगे खेल मैदान में बदल दिया। स्पोर्ट्स कन्वीनर साक्षी नाहर, जो इवेंट की होस्ट भी थी, ने कहा खेल केवल जीतने का जरिया नहीं होता, यह हमारी ऊर्जा, सोच, और साथ मिलकर आगे बढ़ने की क्षमता को दर्शाता है। आज हम एक टीम के रूप में खेलेंगे, हँसेंगे और दौड़ेंगे। नीतू गुलेचा और अवधी चौहान ने खेल के नियम समझाए, जबकि कोकन्वीनर तरुणा मेहता ने प्रायोजक के रूप में कुशल्स फैशन ज्वेलरी का परिचय कराया। विशेष अतिथि और स्पॉन्सर मनीष गुलेचा ने भी अपनी उपस्थिति से सबका मनोबल बढ़ाया। उन्होंने कहा ऐसे आयोजनों से आत्मविश्वास बढ़ता है और समाज में एकता आती है। जीतो महिला विंग की ऊर्जा देखकर गर्व होता है। इसके बाद शुरू हुई 10 राउंड की जबरदस्त ट्रेजर हंट, जिसमें हर टीम ने पूरे मॉल में दौड़ लगाई, पहेलियाँ सुलझाईं, और चुनौतियों का सामना किया। खेल में एक ट्विस्ट आया जब पावर कार्ड्स का उपयोग दो टीमों को मिला, जिससे गेम और भी रोमांचक हो गया। अंत में, शानदार प्रदर्शन करते हुए टीम 7, नेवी ब्लू पावर गर्ल्स ने जैकपॉट जीत लिया, और टीम 2, पिंक टीम बनी रनर अप। बाकी सभी टीमों, मैरून, इम्पीरियल ब्लू, रेड, मस्टर्ड येलो, लाइट ब्लू, ऑरेंज और ग्रे स्टॉर्म ने भी जबरदस्त जोश और खेल भावना दिखाई। हर प्रतिभागी को गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया, ताकि कोई भी खाली हाथ न लौटे, बल्कि मुस्कान और यादों के साथ। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ का यह आयोजन केवल एक ट्रेजर हंट नहीं था, यह था एक असली स्पोर्टिंग इवेंट, जहाँ देखा गया महिला शक्ति का उत्साह, नेतृत्व, और खेल भावना। पूरे कार्यक्रम की सफलता का श्रेय जाता है आयोजन समिति को, उपाध्यक्ष लता बोहरा, सोमना सिसोदिया, अश्मिता चौहान, प्रिया गांधी, राशी जैन, वनीता बचावत, अंगिका बाफना, संगीता सियाल, चंद्रा जैन, और निशा कोठारी। अवधी चौहान की भी मेहनत ने इस कार्यक्रम को एक खेल महोत्सव बना दिया। बेंगलूरु साउथ के चेयरमैन रणजीत सोलंकी, मुख्य सचिव नितिन लुनिया और महिला विंग की मुख्य सचिव निधी पालरेचा ने शुभकामनायें प्रेषित की।

एक शाम बाबा भिक्षु के नाम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
तेरापंथ युवक परिषद राजराजेश्वरी नगर द्वारा एक शाम बाबा भिक्षु के नाम तेरस री है रात बाबा आज थाने आणो है भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी वर्ष एवं 268वां बोधि दिवस का आयोजन तेरापंथ भवन राजराजेश्वरी नगर में साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में किया गया। निमांशु सहलोत ने नमस्कार महामंत्र कर कार्यक्रम की शुरुआत की। सभी का स्वागत उपाध्यक्ष प्रथम विपुल पितलिया ने किया। साध्वी जी के निर्देशानुसार आचार्य भिक्षु को परिवार संग सुमधुर गीतों के द्वारा भावपूर्ण वंदना अर्पित की गई।

साध्वी श्री वर्धमान यशाजी एवं तुलसी संगीत सुधा की मंडली द्वारा गीतिका गाकर बाबा भिक्षु को याद किया गया। साध्वी पुण्ययशाजी ने तीन दिवसीय ओम भिक्षु जय भिक्षु अखंड जाप तपस्या एवं सामायिक करने का आह्वान किया। सफल संचालन प्रवीण बैद ने किया।

गोवा हमें नोटिस जारी करने वाला कौन होता है?

राज्य सरकार महादयी नदी पर कलसा बंदूरी बांध के निर्माण का काम शुरू करेगी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि राज्य सरकार महादयी नदी पर कलसा बंदूरी बांध के निर्माण का काम शुरू करेगी। एक संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने कहा कि उन्होंने मंगलवार को दिल्ली में केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव, जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना से मुलाकात की और चर्चा की। उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से कलसा बंदूरी, मेकेदातु और कृष्णा ट्रिब्यूनल के मुद्दों पर चर्चा हुई और 11 हजार करोड़ रुपये के नए प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए हैं।

येत्तिनाहोले परियोजना के तहत तुमकुरु और हासन में काम चल रहा है। राजस्व विभाग द्वारा 40 साल पहले स्वीकृत भूमि अधिग्रहण और मुआवजा देकर काम जारी रखने के चरण में, वन विभाग ने दावा किया है कि यह उसकी जमीन है। हमने वैकल्पिक भूमि के तहत विवाद को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने की कोशिश की है क्योंकि हम नहीं चाहते कि विवाद जारी रहे। केंद्र सरकार ने इसे मंजूरी नहीं दी है। वह छोटे-मोटे विवाद उठाकर हमारे काम में बाधा डाल रही है। हमने कई बार यह अनुरोध किया है। पिछली भाजपा सरकार में कहा गया था कि कलसा बंदूरी बांध के निर्माण की अनुमति दे दी गई है। निविदाएँ भी आमंत्रित की गई थीं। इस बीच, जब गोवा सरकार ने 9 जनवरी, 2023 को कर्नाटक को कारण बताओ नोटिस जारी किया, तो हमारी सरकार ने इसका कड़ा जवाब दिया। अगर कोई गलती है, तो केंद्र सरकार हमें मार्गदर्शन दे सकती है। यह स्पष्ट किया गया है कि एक राज्य को दूसरे राज्य को कारण बताओ नोटिस जारी करने का अधिकार नहीं है। गोवा हमें नोटिस जारी करने वाला कौन होता है? हमने नोटिस का विरोध करते हुए सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। अब हम उस मामले को वापस ले रहे हैं और कलसा बंदूरी बांध पर काम शुरू कर रहे हैं। इसी वजह से कानूनी विशेषज्ञों से राय मांगी गई है। एक हफ्ते के भीतर रिपोर्ट मिल जाएगी, जिसके बाद काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वह केंद्र सरकार से पेयजल प्राथमिकता के आधार पर इस परियोजना पर विचार करने और अनुमति देने का आग्रह करेंगे। मेकेदातु बांध के निर्माण से तमिलनाडु को अधिक लाभ होगा। केंद्र सरकार को इस मुद्दे पर एक मूल्यांकन रिपोर्ट प्रस्तुत करनी है। अगर इसे जल्द ही केंद्रीय सिंचाई समिति को सौंप दिया जाए तो इससे राज्य को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को सुप्रीम कोर्ट के अगले मामले में अपनी राय रखनी है और अगर कुछ कहना है तो उन्होंने अनुरोध किया है कि मूल्यांकन रिपोर्ट के जरिए हमें सुविधा प्रदान की जाए। उन्होंने कहा कि मेकेदातु परियोजना से 7 जिलों, 29 तालुकों, 6,657 गाँवों और 38 शहरी क्षेत्रों सहित 75 लाख लोगों को लाभ होगा। कृष्णा ट्रिब्यूनल का फैसला सुनाए हुए दस साल हो गए हैं। अभी तक कोई अधिसूचना जारी नहीं हुई है। राज्य सरकार ने 1.40 लाख एकड़ जमीन को सिंचाई प्रदान करने के लिए परियोजनाएँ शुरू की हैं। हमारा पानी हमारा अधिकार है। इसलिए हम काम शुरू करेंगे। उन्होंने केंद्र सरकार से आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र के साथ बातचीत करके उन्हें सुविधा प्रदान करने का अनुरोध किया। इसके अलावा, भद्रा अपर नदी परियोजना के लिए 5,400 करोड़ रुपये जारी किए जाने चाहिए, जैसा कि पहले केंद्रीय बजट में वादा किया गया था। केंद्रीय मंत्री ने आंशिक धनराशि उपलब्ध कराने का वादा किया है। हमें आश्वासन तभी मिलेगा जब यह पूरी तरह से पूरा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने केंद्र सरकार द्वारा मांगे गए सभी दस्तावेज उपलब्ध करा दिए हैं।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों को लागू करने के लिए अस्पतालों के लिए लक्ष्य निर्धारित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानकों (एनक्यूएएस) को लागू करने के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हुए, राज्य स्वास्थ्य विभाग ने सभी सरकारी अस्पतालों के प्रमुखों को तीन महीने के भीतर अपेक्षित लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया है।

एनक्यूएएस, सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा विकसित एक व्यापक ढाँचा है। स्वास्थ्य सेवा के विभिन्न स्तरों (जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र) पर लागू ये मानक सेवा प्रावधान, रोगी अधिकार, इनपुट, सहायक सेवाएँ, नैदानिक देखभाल, संक्रमण नियंत्रण, गुणवत्ता प्रबंधन और परिणामों जैसे क्षेत्रों पर केंद्रित हैं। इसका लक्ष्य गुणवत्ता सुधार और मूल्यांकन के लिए एक संरचित दृष्टिकोण प्रदान करके पूरे देश में निरंतर, उच्च-गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है।

कर्नाटक सरकार द्वारा 8 जुलाई को जारी एक आदेश में कहा गया है कि समय सीमा का पालन न करने वाली सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाएँ आयुष्मान भारत आरोग्य कर्नाटक (एबी-एआरके) योजना के तहत प्रदान किए जाने वाले प्रोत्साहनों से वंचित कर दी जाएँगी। शासनादेश में कहा गया है कि यदि छह महीने बाद भी मानकों का पालन नहीं किया जाता है, तो अस्पतालों के चिकित्सा, अर्धचिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों की वार्षिक कार्य निष्पादन रिपोर्ट में टिप्पणी दर्ज की जाएगी और उनके स्थानांतरण की कार्रवाई की जाएगी। शासनादेश में कहा गया है कि यदि नौ महीने बाद भी कोई प्रगति नहीं होती है, तो ऐसे स्वास्थ्य संस्थानों में कार्यरत सभी मुख्य चिकित्सा, अर्धचिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि रोक दी जाएगी। आदेश के अनुसार, इन सभी उपायों के बावजूद कोई प्रगति नहीं करने वाले स्वास्थ्य केंद्रों के पर्यवेक्षकों और कर्मचारियों को खराब गुणवत्ता वाली देखभाल और उपचार के लिए जिम्मेदार ठहराया जाएगा।

सोनिया गांधी के सामने हाथ जोड़कर खड़े होने वाले आप जैसे सभी चुनाव समर्थक अर्धनारीश्वर हैं या पुरुष?सुनील कुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधायक सुनील कुमार ने विधान परिषद सदस्य बी.के. हरिप्रसाद से पूछा कि क्या इंदिरा गांधी और सोनिया गांधी के सामने हाथ जोड़कर खड़े होने वाले आप जैसे सभी चुनाव समर्थक अर्धनारीश्वर हैं या पुरुष? इस बारे में कई पोस्ट करने वाले सुनील कुमार ने कहा कि सबसे पहले तो हरिप्रसाद खुद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अध्यक्ष चुनने के लिए भाजपा के अपने नियम और प्रक्रियाएँ हैं और यह प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में पहुँच गई है। मैं आपको, जो दशकों से एआईसीसी के अखाड़े में भटक रहे हैं, बधाई देता हूँ कि आपको प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल के अध्यक्ष की चयन प्रक्रिया के बारे में सामान्य ज्ञान की कमी है। दूसरी बात, भाजपा की आलोचना के जोश में आपने यह कहकर भारतीय दर्शन के एक महान विचार का मजाक उड़ाया है कि अर्धनारीश्वर किसी को भी अध्यक्ष बना सकते हैं। उन्होंने पलटवार करते हुए कहा कि हमें आपको अर्धनारीश्वर का अर्थ सिखाने की जरूरत नहीं है। लेकिन इस शब्द का व्यंग्यात्मक प्रयोग करके आपने नारी शक्ति और नारी विचारधारा का अपमान किया है। हम नहीं चाहते कि आपकी पार्टी, जो हाल के दिनों में महिलाओं के प्रति गहरी चिंता व्यक्त करती रही है, इस मुद्दे पर अपनी राय स्पष्ट करे। आपको केवल अपने तरीके से जवाब देना चाहिए। एक अन्य पोस्ट में, सुनील कुमार ने कहा कि बिगड़ती कानून व्यवस्था इस बात का संकेत है कि राज्य अविकसितता के गर्त में डूब रहा है। मंगलवार देर रात राज्य में एनआईए की छापेमारी ने कानून-व्यवस्था की निम्नतम स्थिति और गृह विभाग की कार्यकुशलता को उजागर कर दिया है। उन्होंने इस बात की आलोचना की कि सरकारी कर्मचारी, विशेष रूप से पुलिस विभाग के सहायक उप-निरीक्षक और जेल कर्मचारी, अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादियों से हाथ मिला रहे हैं और चुपचाप आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहे हैं, जो न केवल चिंताजनक है, बल्कि सरकार की आतंकवाद के प्रति नरम रुख वाली नीति का भी परिचायक है। उन्होंने सवाल किया कि क्या राज्य का आतंकवाद निरोधी दस्ता कदलेपुरी खा रहा था, जबकि गृह विभाग के कर्मचारी लश्कर के आतंकवादी जुनैद पाशा के साथ सहयोग कर रहे थे, जो परप्पना अग्रहारा सेंट्रल जेल में बंद है। यह शर्मनाक है कि मुख्यमंत्री और गृह मंत्री की आँखों के सामने ऐसी घटना होने के बावजूद राज्य पुलिस हाथ पर हाथ धरे बैठी है। मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए चल रहे संघर्ष में राज्य का भविष्य बर्बाद न करें। कम से कम थोड़ी जिम्मेदारी तो दिखाएँ।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष के चुनाव से हाईकमान असमंजस में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा में अंतहीन मतभेदों के चलते प्रदेश अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर उठे असंतोष के धुएं को आलाकमान साफ नहीं कर पा रहा है। येदियुरप्पा ही वो शख्स हैं जिन्होंने कर्नाटक में पार्टी को खड़ा किया और बढ़ाया। उन्होंने राज्य में शून्य से भाजपा को सत्ता तक पहुँचाया। शिवमोग्गा में, येदियुरप्पा और ईश्वरप्पा ने संघ के निर्देशानुसार पूरे राज्य का दौरा किया। जिन दिनों पार्टी आर्थिक तंगी से जूझ रही थी, उन्होंने स्कूटर पर घूमकर धनाढ्यों से सहयोग प्राप्त किया और लोटस पार्टी की स्थापना की। इसलिए, राज्य भाजपा में येदियुरप्पा का अपना महत्व है। राज्य विधानसभा में भाजपा की संख्या केवल 2 थी। लेकिन येदियुरप्पा ही थे जिन्होंने उस संख्या को बढ़ाया और भाजपा को राज्य में सत्ता में लाया। पहले उन्होंने जेडीएस के साथ गठबंधन किया और उपमुख्यमंत्री बने। बाद में, भाजपा ने गठबंधन सरकार के पतन का फायदा उठाया। बीएस येदियुरप्पा राज्य के मुख्यमंत्री बने। इस प्रकार, बीएस येदियुरप्पा ने राज्य की राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई है।

येदियुरप्पा के पास लिंगायत समुदाय की ताकत है। बीएस येदियुरप्पा लिंगायत समुदाय को अपनी ओर आकर्षित करने में सफल रहे, जो शुरुआत में कांग्रेस के साथ था। इस कारण लिंगायत समुदाय की ताकत भाजपा के पास चली गई। बीएसवाई ने इसे और मजबूत किया। उन्होंने पार्टी को केवल हिंदुत्व के आधार पर संगठित नहीं किया, बल्कि कुछ मौकों पर उससे भी आगे बढ़कर पार्टी को मजबूत करने की कोशिश की। पार्टी में आंतरिक मतभेदों के कारण उन्होंने भाजपा छोड़कर केजेपी का गठन किया। लेकिन बाद में वे पार्टी में वापस आ गए। इस प्रकार, बीएस येदियुरप्पा भाजपा के लिए एक अपरिहार्य नेता के रूप में उभरे। इस बीच, पार्टी में उनके खिलाफ एक आंतरिक गुट सक्रिय होने लगा। परिणामस्वरूप, बीएसवाई ने पिछले विधानसभा चुनावों में नेतृत्व की जिम्मेदारी नहीं छोड़ी। पार्टी के कुछ नेताओं ने येदियुरप्पा और उनके परिवार पर आरोप लगाने शुरू कर दिए। खासकर, बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने बीएसवाई परिवार पर सीधे गंभीर आरोप लगाने शुरू कर दिए। 2023 के विधानसभा चुनावों में येदियुरप्पा को दरकिनार कर दिया गया। बी.एल. संतोष ने चुनावी रणनीति का जिम्मा संभाला था। लेकिन चुनावों में यह कारगर नहीं रहा। राज्य में भाजपा को अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। कई कारणों में से एक कारण बीएसवाई की उपेक्षा भी थी। 2023 का चुनाव हारने वाली भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने एक बार फिर येदियुरप्पा परिवार को बख्शा। बीएसवाई के बेटे बीवाई विजयेंद्र को विरोध के बावजूद प्रदेश अध्यक्ष पद दे दिया गया। विपक्षी खेमे के लिए यह पहला झटका था। लेकिन विपक्षी खेमा विजयेंद्र के खिलाफ सुगबुगाहट कर रहा था। खासकर, यतनाल के नेतृत्व वाले विद्रोही गुट ने विजयेंद्र के नेतृत्व का टुकड़ों-टुकड़ों में विरोध करना शुरू कर दिया। वे एक के बाद एक आर-ोप लगाने लगे। हालांकि, भाजपा आलाकमान ने तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की। लगातार शिकायतों और विजयेंद्र गुट के शोर मचाने के बाद, आलाकमान के नेताओं ने यतनाल को निष्कासित कर दिया। यह विजयेंद्र के लिए शुरुआती जीत थी। यतनाल का निष्कासन विजयेंद्र के लिए शुरुआती बढ़त है। लेकिन आलाकमान के नेता विजयेंद्र के पक्ष में पूरी तरह से फैसला नहीं ले पाए हैं। विजयेंद्र के नेतृत्व के खिलाफ भाजपा में फिर से असंतोष भड़क उठा है। जीएम सिद्धेश्वर के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में, अरविंद लिंबावली समेत बीएसवाई परिवार के विरोधी गुट ने एक बार फिर विजयेंद्र पर हमला बोला है। उन्होंने सवाल उठाया है कि केजेपी में गए बीएसवाई भाजपा में क्यों लौटे? बागी गुट ने अलग-अलग बैठकें कर विचार-विमर्श भी किया है। इन तमाम घटनाक्रमों के बावजूद, भाजपा के वरिष्ठ नेता कोई स्पष्ट कदम नहीं उठा रहे हैं। वे अभी भी प्रतीक्षा करो और देखो की रणनीति अपना रहे हैं। हालाँकि विजयेंद्र को अध्यक्ष पद मिलने की उम्मीद है, लेकिन भाजपा का एक अन्य गुट इसका विरोध कर रहा है। अगर वे विरोध के आगे झुकते हैं और अध्यक्ष पद किसी और को देते हैं, तो इसका असर भाजपा पर पड़ेगा। अगर विजयेंद्र आगे बढ़ते हैं, तो विभिन्न गुटों का विरोध और तेज होगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि आलाकमान के नेता क्या कदम उठाते हैं।

बेलगावी में व्यापारी, बहन और माँ घर पर मृत पाए गए

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले में बुधवार को एक परिवार के तीन सदस्य मृत पाए गए। 44 वर्षीय व्यापारी संतोष कुर्देकर, उनकी 65 वर्षीय माँ सुवर्णा और 25 वर्षीय बहन मंगला पुराने शहर के जोशीमल स्थित अपने घर में मृत पाए गए। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी।

पुलिस ने बताया कि परिवार लंबे समय से चल रहे आर्थिक विवाद के परिणाम को लेकर चिंतित था। परिवार की सबसे छोटी बेटी सुनंदा को अस्प-ताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने बताया कि जहर खाने से उसे कुछ जटिलताएँ हो रही थीं। वे उसे बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

शाहपुर पुलिस स्टेशन के अधिकारियों ने घटनास्थल का दौरा किया। मामला दर्ज किया जा रहा है।

53 प्रतिशत भारतीय कार्यबल के पास कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं: सुरजेवाला

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक और मध्य प्रदेश के प्रभारी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि भारत का 80 प्रतिशत कार्यबल असंगठित क्षेत्र में है जबकि 60 प्रतिशत श्रमिकों के पास कोई लिखित अनुबंध नहीं है। सरकार की मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और राष्ट्र-विरोधी, कॉर्पोरेट-समर्थक नीतियों का विरोध करने के लिए ट्रेड यूनियनों द्वारा बुधवार को भारत बंद के आह्वान का समर्थन करते हुए, उन्होंने दावा किया कि '53 प्रतिशत भारतीय कार्यबल के पास कोई सामाजिक सुरक्षा नहीं है, यानी न बीमा है और न ही पेंशन। एक सर्वेक्षण का हवाला देते हुए, उन्होंने कहा कि मजदूरी में 0.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जबकि मुद्रास्फीति में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, और

मजदूरी मुद्रास्फीति दर के अनुसार नहीं बढ़ी है। उन्होंने कहा इसीलिए यूनियनें और 25 करोड़ कर्मचारी हड़ताल पर हैं। उन्होंने नरेंद्र मोदी सरकार से आँखें खोलने और समस्याओं को देखने का आग्रह किया। उन्होंने दावा किया कि 10 प्रतिशत से ज्यादा स्नातक और स्नातकोत्तर बेरोज-गार हैं। भारत में बेरोजगारी 45 साल के उच्चतम स्तर पर है। नौकरियाँ नहीं हैं, और इसीलिए ट्रेड यूनियन आज भारत बंद का आह्वान करके मोदी सरकार का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहे हैं। सुरजेवाला ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा कि जहाँ एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एससी/एसटी/ओबीसी श्रेणियों पर हमला कर रहे हैं, वहीं 'उनकी सरकार का मनरेगा बजट लगभग 86,000 करोड़ रुपये पर स्थिर है। एआईसीसी नेता ने आरोप लगाया हमने (यूपीए सरकार) हर साल 100 दिनों के काम की वैधानिक गारंटी दी थी, लेकिन मोदी सरकार ने केवल 44 दिनों का काम दिया है।

सुरजेवाला ने विधायकों की राय ली

विधायकों से रायशुमारी ने मंत्रियों की धड़कनें बढ़ा दी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दिसंबर में मंत्रिमंडल में फेरबदल होगा और एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला द्वारा विधायकों से चर्चा के बाद एकत्रित की गई राय इसमें अहम भूमिका निभाएगी। सुरजेवाला ने पिछले और इस हफ्ते तीन-तीन दिन लगभग सभी विधायकों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की और उनकी राय ली।

सुरजेवाला ने मंत्री के प्रदर्शन, विधायकों की प्रतिक्रिया, विभाग के विकास संबंधी विचारों, जनता की प्रतिक्रिया और पार्टी संगठन सहित कई मुद्दों पर राय ली। इस दौरान, विधायकों की क्षमताओं और संगठनात्मक ताकत पर विस्तृत जानकारी एकत्र की गई। सुरजेवाला इसे एक रिपोर्ट के रूप में आलाकमान को सौंपेंगे। राज्य सरकार अगले 5 महीनों में ढाई साल पूरे कर रही है और मंत्रिमंडल में फेरबदल किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि आलाकमान उस समय विधायकों की राय के आधार पर किसी मंत्री को मंत्रिमंडल में बनाए रखने या हटाने का फैसला लेगा। चूँकि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक से हैं, इसलिए राजनीतिक प्रभाव आसानी से काम करेगा। सूत्रों ने बताया कि आलाकमान ने रायशुमारी इसलिए की है क्योंकि अनावश्यक दबाव बढ़ेगा और मतभेद पैदा होंगे। यहाँ यह बात अप्रासंगिक होगी कि मंत्री को सिद्धरामैया, डी.के. शिवकुमार, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत किसी भी नेता का समर्थक है या नहीं। बताया जा रहा है कि विभाग में मंत्री के प्रदर्शन, विधायकों से मित्रता और पार्टी संगठन में उनकी सक्रिय भागीद-ारी को ध्यान में रखकर पदों का निर्धारण किया जाएगा। विधायकों का स्थानीय स्तर पर जनता से सीधा संबंध होता है। सरकारी मुद्दों पर वे जो जानकारी एकत्र करते हैं, वह तथ्यों के करीब होगी, और सुरजेवाला की बैठक का मुख्य उद्देश्य आलाकमान को यह समझाना है कि सरकार के बारे में जनता की क्या राय है। गारंटी योजनाओं पर सालाना 50 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च किए जा रहे हैं।

क्या यह लोगों के लिए फायदेमंद है? या सरकारी योजनाएँ पानी में आग की तरह बर्बाद हो रही हैं? सुरजेवाला ने विधायकों से इस संबंध में भी राय ली है। इन सभी मुद्दों को ध्यान में रखते हुए, वह मुख्यमंत्री सिद्धरामैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक करेंगे। इसके बाद, बताया जा रहा है कि वह मंत्रियों से सीधी बातचीत करेंगे और उनके कामकाज में सुधार के लिए सुझाव देंगे। अगर मंत्री खुद को नहीं सुधारते हैं, तो दिसंबर में होने वाले कैबिनेट फेरबदल में उनके निशाने पर आने की प्रबल संभावना है। आरोप हैं कि कई मंत्री अहंकार में हैं और आलाकमान के निर्देश के बिना अनावश्यक विवाद पैदा कर रहे हैं, जिससे आम लोगों में भ्रम की स्थिति पैदा हो रही है और सरकार की छवि को नुकसान पहुँच रहा है। ऐसे में सुरजेवाला की यह बैठक और भी महत्वपूर्ण हो गई है। विधायकों से रायशुमारी ने मंत्रियों की धड़कनें बढ़ा दी हैं।

प्रबंध और प्रबंधन से खुश हैं अमरनाथ यात्रा के श्रद्धालु

कश्मीरी आतिथ्य से भाव विभोर हो रहे श्रद्धालु

जम्मू, 09 जुलाई (ब्यूरो)। पवित्र अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले तीर्थयात्रियों ने कश्मीरी लोगों के गर्मजोशी भरे आतिथ्य और प्रशासन द्वारा की गई कुशल व्यवस्थाओं के लिए आभार व्यक्त किया है। देशभर से आए तीर्थयात्रियों ने अपनी यात्रा को सुरक्षित, सुचारू और आध्यात्मिक रूप से परिपूर्ण बताया। भोपाल के 23 वर्षीय मोहन मिश्रा ने इसे अपने जीवन के सर्वश्रेष्ठ अनुभवों में से एक बताया।

उन्होंने कहा, व्यवस्था उत्कृष्ट है, और लोग बहुत सहयोगी हैं। मैं देशभर में कई तीर्थ स्थलों पर गया, लेकिन यहां की सुविधाएं बेजोड़ हैं। हम जहां भी गए, हमारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। लोगों और प्रशासन ने यात्रा को बहुत ही सुगम और आरामदायक बना दिया। ये यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी।पश्चिम बंगाल की 30 वर्षीया आरती शर्मा कहती हैं, कश्मीर में स्वास्थ्य विभाग ने बेहतरीन व्यवस्था की है।

हमारे पहुंचने के बाद मेरी मां की तबियत ठीक नहीं थी। हम उन्हें पास के एक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, और डाक्टरों ने उनका बहुत ध्यान से इलाज किया। वे बहुत विनम्र और मददगार थे। कश्मीर सभी के लिए शांतिपूर्ण और सुरक्षित है। देश भर के लोगों को यहां आना चाहिए। यहां कोई डर नहीं है। घाटी भारत के किसी भी अन्य हिस्से की तरह ही शांतिपूर्ण है। अपने परिवार के साथ दर्शन के लिए जा रही पटना की दीपिका कुमारी ने कहा, स्थानीय लोगों का समर्थन यात्रा को संपूर्ण बनाता है। मैं पहली बार कश्मीर आ रही हूं। साफ-सफाई से लेकर प्रसाद, टट्टू की सवारी से लेकर पालकी तक स्थानीय लोग हर चीज में हमारी मदद करते हैं। यहां का भाईचारा और दयालुता वास्तविक है।

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की भी प्रशंसा की। वे कहती हैं कि पुलिस और सेना बहुत सहायक है। वे हमें हर बिंदु पर मार्गदर्शन करते हैं। जम्मू से पवित्र गुफा तक, सब कुछ अच्छी तरह से व्यवस्थित है। भोलेनाथ के आशीर्वाद से, हम कश्मीर आते रहेंगे। 3 जुलाई को शुरू होने के बाद से पहले 6 दिनों में लगभग एक लाख 11 हजार तीर्थयात्री अमरनाथ यात्रा कर चुके हैं। इनमें से, 21,512 भक्तों ने अकेले रविवार को पवित्र गुफा में दर्शन किए थे।

रिटायरमेंट के बाद वेद-उपनिषद और प्राकृतिक खेती के प्रति समर्पित करूंगा अपना जीवन : अमित शाह

अहमदाबाद, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजनीति के बाद अपनी सेवानिवृत्ति योजना को लेकर बड़ा बयान दिया है। अहमदाबाद में 'सहकार संवाद' कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि सार्वजनिक जीवन से दूर होने के बाद वह प्राकृतिक खेती पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं और वेदों और उपनिषदों जैसे हिंदू ग्रंथों को पढ़ने में अधिक समय बिताना चाहते हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती को एक वैज्ञानिक पद्धति बताया जो स्वास्थ्य और पर्यावरण दोनों के लिए बेहद फायदेमंद है।

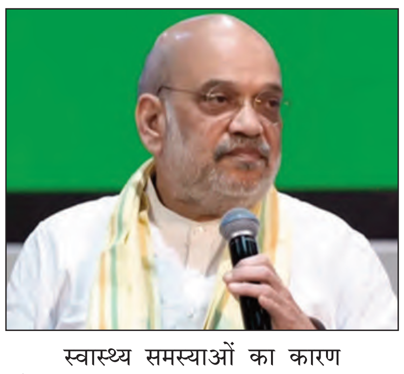

अमित शाह ने कहा कि रिटायर होने के बाद मैं अपना शेष जीवन वेदों, उपनिषदों और प्राकृतिक खेती को समर्पित करूँगा। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों से उगाया गया गेहूं अक्सर कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बनता है। प्राकृतिक खेती न केवल शरीर को रोगों से मुक्त रखती है, बल्कि कृषि उत्पादकता को भी बढ़ाती है। शाह ने बताया कि रासायनिक उर्वरकों से उगाए गए खाद्य पदार्थ, जैसे गेहूँ, रक्तचाप, मधुमेह, थायरॉइड विकार और यहाँ तक कि कैंसर जैसी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकते हैं।

अमित शाह ने कहा कि मैं जब देश का गृहमंत्री बना, तब सभी लोग मुझसे कहते थे कि आपको तो बड़ा महत्वपूर्ण विभाग मिल गया है। लेकिन जिस दिन मुझे सहकारिता मंत्री बनाया गया, उस दिन मुझे लगा कि गृह मंत्रालय से भी बड़ा डिपार्टमेंट मुझे मिल गया है, जो देश के किसानों, गरीबों, गांवों व पशुओं के लिए काम करता है। शाह ने अपना व्यक्तिगत अनुभव भी साझा करते हुए कहा कि अपने खेत में प्राकृतिक तरीकों को अपनाने के बाद से उनकी फसल की पैदावार 1.5 गुना बढ़ गई है।

उन्होंने कहा कि वे खेती की इस पद्धति के प्रति बहुत भावुक हैं और राजनीति से संन्यास लेने के बाद आध्यात्मिक ग्रंथों का अध्ययन करने के साथ-साथ अपना पूरा समय इसी में लगाना चाहते हैं। कुछ महीने पहले, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने स्वास्थ्य परिवर्तन के बारे में बात की थी, और बताया था कि कैसे सरल और स्वस्थ आदतों के माध्यम से उनकी जीवनशैली बेहतर हुई है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के बंगले के रेनोवेशन से जुड़ा टेंडर रद्द

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बंगले के रेनोवेशन का टेंडर रद्द कर दिया गया है। दिल्ली सरकार के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने टेंडर को रद्द करने की सूचना जारी की है।

दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता के आधिकारिक आवास राज निवास मार्ग पर बंगला नंबर-1 के नवीनीकरण के लिए टेंडर जारी किया गया था। इस बीच दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी विभाग ने 7 जुलाई को निकले टेंडर को रद्द करने की सूचना दी। पीडब्ल्यूडी विभाग ने पत्र जारी कर कहा कि प्रशासनिक कारणों की वजह से सीएम के बंगले का टेंडर कैंसिल किया गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के बंगले के इलेक्ट्रिकल काम के लिए 60 लाख का टेंडर निकाला गया था, जिसमें 14 एसी, 9 लाख की टीवी, 6 लाख की लाइटिंग समेत कई चीजें शामिल थीं। टेंडर जारी होने के 60 दिनों के अंदर काम पूरा होना था।

बता दें कि रेखा गुप्ता को बंगला नंबर-1 और बंगला नंबर-2 के नाम से दो बंगले अलॉट हुए हैं। वह बंगला नंबर-1 में रहेंगी और बंगला नंबर-2 का इस्तेमाल कैंप कार्यालय के रूप में करेंगी।

दिल्ली में इस साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव हुए थे, जिसमें शीशमहल का मुद्दा खूब छाया था। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री रहने के दौरान जिस सरकारी बंगले में रहते थे, भाजपा ने उसका नाम शीशमहल रखा था और आरोप लगाया था कि अरविंद केजरीवाल ने जनता के पैसों को लूटकर शीशमहल बना लिया।

दिल्ली विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी को बंपर जीत मिली और रेखा गुप्ता ने दिल्ली की कमान संभाली। दिल्ली की मुख्यमंत्री बनने के बाद रेखा गुप्ता ने अरविंद केजरीवाल के शीशमहल में रहने से इनकार कर दिया। इसी क्रम में उन्हें अलग बंगला आवंटित किया गया है।

तिरुपति बोर्ड ने चर्च जाने पर अधिकारी को किया सस्पेंड

तिरुपति, 09 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्रप्रदेश के श्री वेंकटेश्वर मंदिर के बोर्ड ने मंगलवार को सहायक अधिकारी ए राजशेखर बाबू को निलंबित कर दिया। तिरुपति बोर्ड ने कहा कि अधिकारी अपने गृहनगर पुत्तुर में रविवार को चर्च जाती थी। यह तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम बोर्ड के नियमों का उल्लंघन है क्योंकि उन्होंने आचार संहिता का पालन नहीं किया है। इसके अलावा एक हिंदू धार्मिक संगठन का प्रतिनिधित्व करने वाले कर्मचारी के तौर पर गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार दिखाया है।बोर्ड ने कहा कि अधिकारी के संबंध में टीटीडी सतर्कता विभाग की ओर से प्रस्तुत रिपोर्ट और साक्ष्यों की जांच की गई। जांच में दोषी पाए जाने पर अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई कर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के अनुसार अधिकारी ने टीटीडी को बताया कि वह अपने कुछ दोस्तों से मिलने के लिए चर्च गए थे न कि प्रार्थना करने।

रिपोर्ट के अनुसार अधिकारी ने बताया कि उसने पूरी ईमानदारी से टीटीडी की परंपराओं का पालन किया। बोर्ड का वरिष्ठ सदस्य होने के नाते अगर कोई मुझे मंदिर या चर्च में आमंत्रित करता तो भी मैं जाता। इससे मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं किस धर्म का हूं। मैंने हमेशा देवस्थानम बोर्ड के नियमों का पालन किया है। वहीं बोर्ड सूत्रों की मानें तो यह फैसला बोर्ड के नियमों के अनुरूप ही लिया गया है जिसमें किसी भी गैर हिंदू को देवस्थानम बोर्ड में काम करने की अनुमति नहीं है।बता दें कि जून 2024 में जब से टीडीपी की अगुवाई वाली एनडीए सरकार सत्ता में आई है देवस्थानम बोर्ड ने कई गैर-हिंदू कर्मचारियों को हटा दिया था। इसके अलावा बोर्ड ने 18 ऐसे कर्मचारियों का भी तबादला कर दिया जोकि गैर-हिंदू गतिविधियों से जुड़े थे।

गगनयान मिशन : प्रोपल्शन सिस्टम में इसरो को बड़ी कामयाबी

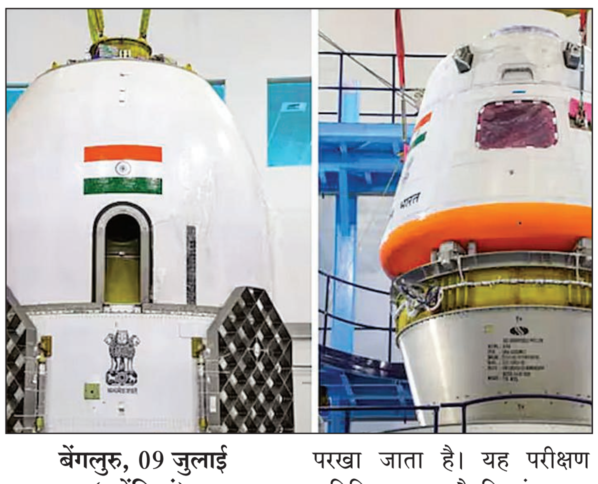

बेंगलुरु, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने तीन जुलाई को महेंद्रगिरि में अपने प्रणोदन परिसर में गगनयान सेवा मॉड्यूल प्रणोदन प्रणाली (एसएमपीएस) के दो 'हॉट टेस्ट' (तप्त परीक्षण) सफलतापूर्वक पूरे किए। 'हॉट टेस्ट' एक प्रकार का परीक्षण होता है जिसमें रॉकेट या अंतरिक्ष यान की प्रणोदन प्रणाली को वास्तविक स्थितियों में चलाकर परखा जाता है। यह परीक्षण सुनिश्चित करता है कि इंजन या थ्रस्टर अंतरिक्ष में अपेक्षित परिस्थितियों में सही काम करेंगे या नहीं।

इसरो ने बुधवार को एक बयान में कहा कि ये परीक्षण बेहद कम समय क्रमशः 30 सेकंड और 100 सेकंड तक चले, जिनका उद्देश्य नमूना विन्यास (टेस्ट आर्टिकल कन्फीग्यूरेशन) को सत्यापित करना था। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा, इन 'हॉट टेस्ट' के दौरान प्रणोदन प्रणाली का कुल प्रदर्शन परीक्षण पूर्वानुमानों के अनुसार सामान्य रहा। 100 सेकंड के परीक्षण के दौरान सभी प्रतिक्रिया नियंत्रण प्रणाली (आरसीएस) थ्रस्टर्स का विभिन्न मोड (स्थिर अवस्था, पल्स मोड) में एक साथ संचालन किया गया। साथ ही सभी 'लिक्विड एपोजी मोटर' (एलएएम) इंजनों का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।

'लिक्विड एपोजी मोटर' (एलएएम) एक तरल ईंधन आधारित रॉकेट इंजन होता है, जिसका उपयोग उपग्रह को उसकी अंतिम कक्षा में पहुंचाने के लिए किया जाता है। इसरो के अनुसार, गगनयान कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की यह क्षमता प्रदर्शित करना है कि वह एक मानवयुक्त अंतरिक्ष यान को पृथ्वी की निचली कक्षा में प्रक्षेपित कर सकता है और इस मिशन से प्राप्त अनुभव और ज्ञान इसकी सफलता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

स्टारलिंक को मिला भारत में सर्विस शुरू करने का लाइसेंस

बिना नेटवर्क के भी होगी कॉलिंग, चलेगा इंटरनेट

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

स्टारलिंक को आखिरकार इंतजार का फल मिल ही गया। भारतीय स्पेस कम्युनिकेशन सर्विस रेगुलेटर इंस्पेस ने एलन मस्क की कंपनी को भारत में सर्विस शुरू करने का लाइसेंस दे दिया है। जियो, एयरटेल और अनंथ टेक्नोलॉजी के बाद एलन मस्क की कंपनी को इंस्पेस की तरफ से सैटेलाइट सर्विस शुरू करने का लाइसेंस मिला है।

एलन मस्क 2022 से ही भारत में अपनी स्टारलिंक सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सर्विस को लॉन्च करने की तैयारी में था। हालांकि, अभी स्टारलिंक अपनी कमर्शियल सर्विस भारत में लॉन्च नहीं करेगा।

कंपनी को इसके लिए स्पेक्ट्रम अलोकेशन का इंतजार करना होगा।रिपोर्ट के मुताबिक, एलन मस्क की कंपनी को स्पेस-बेस्ड इंटरनेट सर्विस को भारत में शुरू करने का लाइसेंस मिला है। स्टारलिंक जन 1 कैपेसिटी वाले लियो सैटेलाइट के जरिए भारत में ब्रॉडबैंड सर्विस मुहैया कराएगा। कंपनी को रेगुलेटर की तरफ से 5 साल का लाइसेंस दिया गया है।पिछले दिनों ही केंद्रीय टेलीकॉम मिनिस्टर ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा था कि सरकार की तरफ से स्टारलिंक के अफोर्डेबल सैटेलाइट बेस्ड सर्विस की एंट्री को लेकर सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली गई हैं।

इसके अलावा इंस्पेस के चेयरमैन पवन गोयनका ने भी कंफर्म किया है कि स्टारलिंक के सभी लाइसेंस से जुड़ी जरूरतों को अड्रेस किया गया है।स्टारलिंक सैटेलाइट सर्विस शुरू होने से इमरजेंसी की स्थिति में बिना मोबाइल नेटवर्क के भी कॉलिंग की जा सकेगी। साथ ही साथ यूजर्स को हाई स्पीड इंटरनेट की भी सुविधा मिलेगा। पिछले दिनों आई रिपोर्ट्स के मुताबिक, स्टारलिंक की सर्विस के लिए हर महीने करीब 3,300 रुपये तक का खर्च आ सकता है।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के लोअर अर्थ ऑर्बिट में स्थापित सैटेलाइट्स के माध्यम से इंटरनेट सर्विस मुहैया कराएगी। कंपनी को अब केवल स्पेक्ट्रम अलोकेशन का इंतजार है। साथ ही, बेस स्टेशन तैयार होते ही कंपनी भारत में अपनी ब्रॉडबैड सेवाएं शुरू कर सकती है।

अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्कर गिरोह का पर्दाफाश

पाकिस्तानी कनेक्शन मिला, 280 करोड़ की हेरोइन बरामद

बठिंडा, 09 जुलाई (एजेंसियां)। बठिंडा पुलिस ने विदेशी तस्करों द्वारा चलाए जा रहे एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए छह प्रमुख ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने 40 किलोग्राम हेरोइन जब्त की है। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान श्री मुक्तसर साहिब और मलोट के रहने वाले लखवीर सिंह उर्फ लक्खा (33), प्रभजोत सिंह (26), रणजोध सिंह (27), आकाश मारवाह (21), रोहित कुमार (25) और गुरचरण सिंह उर्फ गुरी (27) के रूप में हुई है।

लखवीर सिंह और प्रभजोत सिंह का पिछला आपराधिक रिकॉर्ड है और उनके खिलाफ क्रमशः आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तहत मामले दर्ज हैं। यह सफलता अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस द्वारा पाकिस्तान स्थित तस्कर तनवीर शाह और कनाडा स्थित हैंडलर जोबन कलेर द्वारा चलाए जा रहे एक ड्रग कार्टेल का भंडाफोड़ करने, नौ ड्रग तस्करों को गिरफ्तार करने और राजस्थान के बाड़मेर में अंतर्राष्ट्रीय सीमा के पास 60.302 किलोग्राम हेरोइन की एक बड़ी खेप जब्त करने के कुछ ही समय बाद मिली है।डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह खेप पाकिस्तान स्थित संचालकों द्वारा पंजाब में आगे वितरण के लिए भेजी गई थी। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में अगले-पिछले संबंधों का पता लगाने के लिए और जांच जारी है जिससे सरहद-पार संपर्कों का पता लगाते हुये ड्रग सप्लाई चेन का पूरी तरह पर्दाफाश किया जा सके। अन्य विवरण साझा करते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) बठिंडा अमनीत कौंडल ने कहा कि क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में ठोस जानकारी मिलने के बाद अभियान शुरू किया गया था। उन्होंने बताया कि सीआईए स्टाफ-1 बठिंडा की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए विशेष अभियान चलाया और उनकी फॉर्च्यूनर कार, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर पीबी-53ई-6771 है, से 40 किलो हेरोइन बरामद कर उपरोक्त छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 280 करोड़ रुपए बताई गई है।एसएसपी ने कहा कि जांच में यह भी पता चला है कि नशीले पदार्थों की तस्करी भारत-पाकिस्तान सीमा के पार की जा रही थी, जिसे बाद में स्थानीय तस्करों द्वारा पंजाब में वितरित किया जाता था। उन्होंने आगे कहा कि पाकिस्तान स्थित संचालकों से जुड़े अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है और उन्हें पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। इस संबंध में बठिंडा के कोतवाली थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21सी के तहत एफआईआर संख्या 132 दर्ज की गई है।

2019 से 2025 के बीच जनता की 1.15 करोड़ से अधिक शिकायतों का निवारण किया गया : केंद्र

नई दिल्ली, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्र सरकार ने बुधवार को कहा कि 2019 से 2025 के बीच जनता की 1.15 करोड़ से अधिक शिकायतों का निवारण किया गया है, जो नागरिकों द्वारा सरकार पर दिखाए जा रहे विश्वास को दर्शाता है।कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह ने लोक शिकायतों के प्रभावी निवारण, नेक्स्टजेन सीपीजीआरएएमएस और प्रगति समीक्षा विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए भारत की शिकायत निवारण प्रक्रिया की प्रगति के बारे में बताया।केंद्रीय राज्य मंत्री ने कहा कि 2014 में प्रति वर्ष लगभग दो लाख शिकायतें दर्ज की जाती थीं, जो अब बढ़कर 26 लाख हो गई हैं, इससे पता चलता है कि नागरिक सरकार से फिर से जुड़ रहे हैं।उन्होंने आगे कहा, आज प्रत्येक वर्ष 26 लाख से ज्यादा शिकायतें दर्ज की जाती हैं। यह जनता के विश्वास और व्यवस्था की जवाबदेही में आए बदलाव को दर्शाता है।उन्होंने इस बदलाव का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नागरिक-केंद्रित डिजिटल शासन को बढ़ावा देने वाली सरकार को दिया।केंद्रीय राज्य मंत्री ने शिकायत निवारण को प्रधानमंत्री के अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार के दृष्टिकोण का अभिन्न अंग बताया और इस बात पर जोर दिया कि जवाबदेही, पारदर्शिता और समय पर प्रतिक्रिया नागरिकों के लिए जीवन को आसान बनाने की कुंजी हैं।

इस कार्यशाला में प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) के सचिव वी. श्रीनिवास ने कहा कि सरकार ने सीपीजीआरएएमएस 7.0 के माध्यम से प्रौद्योगिकी अपनाने और प्रक्रियात्मक सुधारों में बड़ी प्रगति की है।उन्होंने कहा, शिकायत निवारण का समय अब घटकर 15 दिन रह गया है और नागरिक संतुष्टि का स्तर 62 प्रतिशत तक पहुंच गया है।

बिहार में 15 दिनों में 57.48 प्रतिशत एसआईआर फॉर्म जमा, सीईसी बोले- सशक्त जनतंत्र के लिए शुद्ध मतदाता सूची अनिवार्य

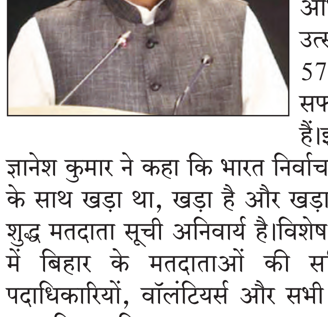

पटना, 09 जुलाई (एजेंसियां)।बिहार में मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान प्रगति पर है। राज्य में चल रहे एसआईआर अभियान के तहत मतदाताओं की उत्साहपूर्ण भागीदारी से अब तक 57 प्रतिशत से भी अधिक फॉर्म सफलतापूर्वक जमा किए जा चुके हैं।इसे लेकर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग हमेशा से मतदाताओं के साथ खड़ा था, खड़ा है और खड़ा रहेगा। सशक्त जनतंत्र के लिए शुद्ध मतदाता सूची अनिवार्य है।विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) में बिहार के मतदाताओं की सक्रिय भागीदारी और चुनाव पदाधिकारियों, वॉलंटियर्स और सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त किए गए 1.56 लाख अति सक्रिय बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) के अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप इस कार्य के पहले 15 दिनों में ही 57.48 प्रतिशत गणना फॉर्म एकत्र किए जा चुके हैं, जबकि अभी भी 16 दिन शेष बचे हैं।

बुधवार की शाम 6 बजे तक 4,53,89,881 गणना फॉर्म एकत्र किए जा चुके हैं, जो बिहार के कुल 7,89,69,844 (लगभग 7.90 करोड़) मौजूदा मतदाताओं के गणना फॉर्म का 57.48 प्रतिशत है।

जेपी नड्डा ने मंडी के आपदा प्रभावित क्षेत्रों का किया दौरा

मंडी, 09 जुलाई (एजेंसियां)। मंडी। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा मंडी जिले के उन क्षेत्रों में गए, जहां भारी बारिश के कारण बहुत बड़ा नुकसान हुआ। इसमें नाचन, बागा, सैंज, थुनाग जैसे इलाके महत्वपूर्ण हैं।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों के दौरे के दौरान जेपी नड्डा ने उन लोगों से मुलाकात की, जो अपना 100 प्रतिशत घर-जमीन खो चुके हैं और ऐसे लोग जिन्होंने इस त्रासदी के दौरान अपने माता-पिता को खो दिए।

इस दौरान वह उन कैंपों में भी गए, जहां पर बाढ़ से प्रभावित लोग रह रहे हैं।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अगर सबसे पहले किसी राजनीतिक दल ने जनता को राहत पहुंचाने का काम किया तो वह भाजपा है।

सारे प्रदेश ने मिलकर इस राहत कार्य में अपना अंशदान दिया है। जनता के सहयोग से विभिन्न सेवा केंद्र चल रहे हैं और भाजपा ने अग्रिम भूमिका में रहते हुए अन्न, ठहराव और रोजमर्रा की वस्तुओं का तीव्र गति से एकत्रीकरण कर प्रभावितों को पहुंचाने का कार्य किया।

कैबिनेट मंत्री ने अराजक नौकरशाही के खिलाफ खोला मोर्चा

सीएम योगी से कहा नौकरशाह काम नहीं करने दे रहे

स्मार्टफोन के बजाय टैबलेट खरीदने पर उठाए सवाल

लखनऊ, 09 जुलाई (ब्यूरो)।

यूपी सरकार में कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल नंदी ने उत्तर प्रदेश की अराजक नौकरशाही के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नंदी ने सीएम योगी को पत्र लिख कर बताया है कि प्रदेश के शीर्ष नौकरशाह मंत्रियों के काम में रोड़े डालते हैं और अपनी मनमानी करते हैं। मंत्री ने टैबलेट खरीदे जाने पर भी सवाल उठाए और कहा कि जब स्मार्टफोन खरीदे जाने थे तो टैबलेट कैसे खरीद लिए गए?

प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने अफसरशाही की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। पत्र में लगाए गए आरोपों के पक्ष में उन्होंने स्मार्टफोन की जगह टैबलेट्स की खरीद, लीडा के मास्टरप्लान में बदलाव और एक कंपनी को एफडीआई नीति के तहत दी गई सब्सिडी पर सवाल उठाए हैं। नंदी के पत्र के मुताबिक वित्त वर्ष 22 जनवरी को कुंभ कैबिनेट में मंत्रिपरिषद ने फैसला लिया कि 25 लाख स्मार्टफोन छात्रों को दिए जाएंगे लेकिन पांच महीने बाद अचानक स्मार्टफोन की जगह टैबलेट खरीदे जाने का प्रस्ताव विभाग ने रख दिया। जबकि उस समय 7.18 लाख स्मार्टफोन अवितरित थे और स्मार्टफोन महज 1.04 लाख बचे थे। स्मार्टफोन की मांग 27 लाख और टैबलेट्स की 7 लाख है। 24-25 के अंतिम महीने में बदलाव से 3100 करोड़ का बजट लैप्स हो गया। हालांकि विभागीय सूत्रों के मुताबिक स्मार्टफोन की जगह टैबलेट्स बांटने का फैसला शीर्ष स्तर पर लिया गया है कि फोन में रील बनाने की लत से बचने के लिए बच्चों को टैबलेट्स दिया जाए।

नंदी के पत्र के मुताबिक लखनऊ औद्योगिक विकास प्राधिकरण (लीडा) का नया मास्टर प्लान-2041 के ड्राफ्ट की आपत्तियां दूर करने के लिए यूपीसीडा के पास भेजा गया था। कुछ परिवर्तन के बाद फाइल विभाग भेजी गई। पत्र के मुताबिक अफसरशाही ने ग्रीन बेल्ट में गलतियों में सुधार के नाम पर बदलाव कर दिया। कहीं ग्रीन बेल्ट बढ़ा दी तो कहीं ग्रीन बेल्ट के बीच जमीन एक इंस्टीट्यूट को दे दी गई। बदलाव किया था तो दोबारा यूपीसीडा के जरिये आना चाहिए था। नंदी ने एफडीआई (फॉरेन डायरेक्ट इन्वेस्टमेंट) नीति के तहत फूजी सिल्वरटेक कंपनी को बैकडेट से लाभ देने का आरोप लगाते हुए कहा है कि कंपनी को बीम कालम बनाने के लिए यमुना एक्सप्रेस वे के पास करीब 79000 वर्गमीटर जमीन दी गई। एफडीआई नीति के तहत जमीन पर 75 फीसदी सब्सिडी की मंजूरी दी गई लेकिन कंपनी ने 100 करोड़ की अर्हता के सापेक्ष 15 करोड़ निवेश किए। बाद में मंत्रिपरिषद ने इस नीति में संशोधन कर एफसीआई यानी फिक्स्ड कैपिटल इन्वेस्टमेंट को भी एफडीआई पालिसी में शामिल कर दिया। आरोप है कि कंपनी को 75 फीसदी सब्सिडी का फायदा नीति में संशोधन की तारीख से पहले यानी बैकडेट से दिया गया जबकि ऐसे ही मामले में कैनपेक इंडिया को लाभ नहीं दिया गया।

उल्लेखनीय है कि औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अफसरशाही पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने अधिकारियों पर कोई निर्देश नहीं मानने और अपने लोगों को अनुचित लाभ देने का आरोप लगाया है। वह नीतियों को ताक पर रखकर अपने स्तर से फैसले ले रहे हैं और पत्रावलियों को ही गायब कर रहे हैं। नंदी ने अपने पत्र में कुछ मामलों में बरती गईं अनियमितताओं का जिक्र भी किया गया है, जिसकी उच्चस्तरीय जांच के निर्देश दिए गए हैं। नंदी के लगाए गए आरोपों की जांच के निर्देश के साथ मामले की पूरी रिपोर्ट तलब की गई है। मंत्री के आरोपों के ठोस जवाब शीर्ष स्तर के अधिकारी तैयार कर रहे हैं। सीएम को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि काम में अड़ंगा डालने के लिए अफसरशाही अपने स्तर पर फाइलें मंगाकर डंप कर रही है। साथ ही कई पत्रावलियों में ऐसे प्रस्ताव हैं, जो नियम विरुद्ध होने के बावजूद अपने स्तर से अधिकारी पारित कर रहे हैं। कुछ लोगों को अनुचित लाभ देने के लिए नीतियों के विरुद्ध जाकर प्रस्ताव पारित किए गए हैं।

नंदी के पत्र के मुताबिक दो साल से तमाम फाइलें बार-बार मांगने के बाद भी अफसरों ने नहीं दी। आखिर क्यों? इस जवाब में विभाग में तैनात एक पूर्व अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों ने मना किया है। इस पर मंत्री ने पिछले वर्ष 7 अक्टूबर को ऐसे मामलों की सूची सीएम ऑफिस भेजी। 29 अक्टूबर को एक हफ्ते के अंदर सभी फाइलों को पेश करने के निर्देश दिए गए, लेकिन छह महीने बाद भी फाइलें नहीं दी गईं। इसी तरह विभाग में कामकाज का बंटवारा सक्षम स्तर से कराने के निर्देश तीन साल पहले दिए थे, लेकिन मामले की फाइल ही लापता हो गई। अफसरों पर मनमानेपन का आरोप लगाते लगाते हुए लिखा है कि कई मामले ऐसे हैं, जिनमें एक जैसी परिस्थितियों में किसी को फायदा पहुंचाया गया और किसी का केस खारिज कर दिया गया है। ऐसे ही एक केस में इलाहाबाद हाईकोर्ट की टिप्पणी के बाद एक वरिष्ठ अधिकारी को हटाया जा चुका है।

लुलु मॉल का बलात्कारी मैनेजर फरहाज गिरफ्तार

हिंदू महिला को इस्लाम कबूल करने की दे रहा था धमकी

लखनऊ, 09 जुलाई (ब्यूरो)।

लखनऊ के लुलु मॉल की एक हिंदू महिला कर्मचारी ने मैनेजर फरहाज उर्फ फराज पर रेप, ब्लैकमेल और जबरन धर्म परिवर्तन का दबाव डालने का आरोप लगाया है। पुलिस ने आरोपी मैनेजर फरहाज उर्फ फराज को गिरफ्तार कर लिया है।

पीड़िता ने आरोप लगाया है कि आरोपी फरहाज उर्फ फराज ने उसे कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाकर दिया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी ने दुष्कर्म का वीडियो भी बना लिया, जिसका इस्तेमाल वह उसे ब्लैकमेल करने और पैसे ऐंठने के लिए कर रहा था। जब महिला ने इसका विरोध किया तो उसे सिगरेट से जलाया गया, गालियां दीं और मारपीट की। शिकायत में यह भी बताया गया है कि फरहाज लगातार महिला पर इस्लाम कबूल करने का दबाव डाल रहा था। वह कहता था कि अगर उसे मॉल में नौकरी करनी है तो उसे इस्लाम कबूल करना होगा।

उसने कई बार हिंदू धर्म और देवी-देवताओं का अपमान भी किया, जिससे पीड़िता की आस्था को ठेस पहुंची। शुरुआती जांच से पता चला है कि आरोपी फरहाज के लिंग संदिग्ध सोशल मीडिया अकाउंट्स और धर्मांतरण नेटवर्क से हैं। पुलिस अब इस मामले की साइबर फॉरेंसिक जांच कर रही है ताकि यह पता चल सके कि आरोपी किसी बड़े नेटवर्क का हिस्सा तो नहीं है। पुलिस मॉल के अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ कर रही है।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित फरहाज को गिरफ्तार कर लिया है। डीसीपी नॉर्थ ने बताया कि आरोपी पर बलात्कार, जान से मारने की धमकी और जबरन धर्म परिवर्तन की कोशिश सहित कई गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। उसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर भेज दिया गया है। लुलु मॉल प्रबंधन की ओर से अभी तक इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

प्रशासन को जगाने के लिए जल समाधि लेने की कोशिश

समाजसेवी गहरे पानी में उतरीं तो सात घंटे में हो गया समाधान

आगरा, 09 जुलाई (ब्यूरो)।

मनकेंड़ा गांव में जलभराव की समस्या को लेकर जब सुनवाई नहीं हुई, तो समाजसेवी सावित्री चाहर जल समाधि लेने गहरे तालाब में उतर गईं। वो जल समाधि ले रही थीं, उसी समय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। सात घंटे बाद जिला प्रशासन जागा। दो पंप सेट लगाकर जलभराव निकासी शुरू कराई। तब समाज-सेवी तालाब से बाहर निकलीं।

बरसात में मनकेंड़ा में नारकीय हालात हो गए है। सफाई नहीं होने से तालाब ओ-वरफ्लो हो गया। रास्ते और गालियों में घुटनों तक जलभराव हो गया है। विद्यालय और मंदिर जाने वालों को गंदे पानी में होकर गुजरना पड़ रहा था। जलभराव के कारण कई बच्चों ने स्कूल जाना बंद कर दिया। आक्रोशित ग्रामीणों ने मंगलवार को धरना-प्रदर्शन शुरू किया लेकिन ग्रामीणों की सुनवाई के लिए कोई अधिकारी नहीं पहुंचा। समाजसेवी सावित्री चाहर तालाब में जल समाधि लेने के लिए उतर गईं। गर्दन तक पानी में खड़ी सावित्री की फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए। तब जिला प्रशासन की नींद टूटी।

डीएम अरविंद मल्लप्पा बंगारी के निर्देश पर शाम 4 बजे पुलिस, नायब तहसीलदार रजनीश कुमार रंधावा, बीडीओ वीरेंद्र सिंह आदि मौके पर पहुंचे। काफी समझाने के बाद सावित्री चाहर तालाब से बाहर नहीं आईं। जल निकासी को पंप सेट लगा दिए गए। करीब 7 घंटे बाद सावित्री तालाब से बाहर निकलीं। सीएचसी अधीक्षक डॉ. केके शर्मा ने सावित्री चाहर का स्वास्थ्य परीक्षण किया। सावित्री चाहर का आरोप है कि अधिकारियों के गैर जिम्मेदार रवैये और अभद्र व्यवहार से आहत होकर वह जल समाधि के लिए उतरीं थीं। वहीं, डीएम अरविंद बंगारी का कहना है कि जल निकासी की व्यवस्था करा दी गई है।

राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष ने नागरिकों से कहा, सतर्क रहें

लड़कियों के धर्मांतरण की रेट लिस्ट और 40 देश से फंडिंग

लखनऊ/आगरा, 09 जुलाई (ब्यूरो)।

अवैध धर्मांतरण कराने के आरोप में यूपी एटीएस द्वारा गिरफ्तार किए गए जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर शिकंजा कसता जा रहा है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने छांगुर बाबा को सख्त सजा देने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि ऐसे अपराधियों को फांसी की सजा दी जानी चाहिए।

डॉ. बबीता चौहान ने कहा कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा पर कई समुदायों की लड़कियों को निशाना बनाने और धर्म परिवर्तन के लिए बाकायदा रेट लिस्ट बनाने का आरोप है। यह जानकर पूरे राज्य के लोगों में आक्रोश है। उन्होंने कहा, हमारी बेटियां जबरन धर्म परिवर्तन की जहरीली विचारधारा का परीक्षण करने की प्रयोगशाला नहीं हैं। यह चौंकाने वाला खुलासा उस मानसिकता को दर्शाता है, जो समाज में जहर घोलने का काम कर रही है। उन्होंने बताया कि जलालुद्दीन का 100 करोड़ का लेनदेन मिला है। उसके 40 देशों में सम्पर्क हैं, जहां से उसे फंडिंग मिलती थी। यह धर्म परिवर्तन कराने के बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की ओर इशारा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में इस तरह के अन्य अपराधी भी जल्द ही कानून के शिकंजे में होंगे।

उन्होंने अभिभावकों से भी जागरूक रहने की अपील करते हुए कहा कि वह अपनी बच्चियों पर ध्यान दें कि वह कहां जा रही हैं, किसके साथ है और क्या कर रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की घटनाएं रोकने के लिए महिला आयोग की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

धर्मांतरण गिरोह के सरगना की आलीशान कोठी ध्वस्त

अतिक्रमण हटाने में लगी 10 जेसीबी मशीनों ने भूमिसात कर दी कोठी

बलरामपुर, 09 जुलाई (एजेंसियां)।

बलरामपुर में धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के अड्डे ध्वस्त करने की कार्रवाई जारी है। छांगुर के आशियाने के सामने नीतू उर्फ नसरीन के नाम से दो बीघे में 40 कमरों की आलीशान कोठी बनाई गई थी। छांगुर की कोठी पर दूसरे दिन भी अतिक्रमण हटाने का अभियान जारी रहा। बारिश थमते ही बुधवार को सुबह 11 बजे से बुलडोजर गरजने लगे।

एक साथ पांच बुलडोजर लगाए गए, इसके बाद फिर पांच और बुलडोजर बुलाए गए। एसडीएम राजेंद्र बहादुर ने बताया कि 10 बुलडोजर लगाए गए हैं। पोकलैंड न मिलने से बुलडोजर की संख्या बढ़ाई गई है। इससे पहले, हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के आलीशान अड्डे पर मंगलवार सुबह 11 बजे बुलडोजर गरजा। छांगुर ने इसे नीतू से नसरीन बनी मुंबई निवासी सिंधी महिला के नाम पर जमीन लेकर करीब 12 करोड़ रुपए में बनवाया था। निर्माण के दौरान ही दो बिस्वा सरकारी जमीन भी कब्जा ली। इसपर तहसील प्रशासन ने कोठी के उस हिस्से को अवैध घोषित कर ध्वस्तीकरण शुरू कर दिया। सोमवार को नोटिस चस्पा करने के बाद कार्रवाई की भनक लगते ही कोठी में रहने वाले लोग गेट पर ताला जड़ बाहर चले गए थे।

मंगलवार सुबह 11 बजे पुलिस व प्रशासन की टीम पहुंची। गैस कटर से ताला कटवाया और फिर तीन बुलडोजर परिसर में दाखिल हुए। गेट के बाएं तरफ बनवाई गई 40 कमरों की कोठी को गिराने की कार्रवाई शुरू हुई। पिलर पर बनी कोठी काफी मजबूत थी, जिसे ढहाने के लिए दो बुलडोजर और मंगवाए गए। इसके बाद दोपहर से ध्वस्तीकरण का अभियान तेज हुआ। शाम तक आधा हिस्सा ही गिराया जा सका। एसडीएम उतरौला राजेंद्र बहादुर ने बताया कि बुधवार सुबह फिर अतिक्रमण हटाया जाएगा।

धर्मांतरण के आरोप में एटीएस ने अगस्त 2024 में एफआईआर दर्ज करके जांच शुरू की। 10 आरोपी बनाए गए, जिसमें जलालुद्दीन उर्फ छांगुर के बेटे महबूब और नवीन रोहरा उर्फ जलालुद्दीन को बीते 08 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया। उसी दिन से छांगुर और नीतू उर्फ नसरीन भूमिगत हो गए। एटीएस ने छांगुर और नीतू को पांच जुलाई को लखनऊ से गिरफ्तार कर लिया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल ने कहा, धर्म परिवर्तन के आरोपी छांगुर की ओर से किए गए अवैध निर्माण को ढहाया गया है। मामले में शामिल आरोपियों की जांच हो रही है। अतिक्रमण कहीं भी मिला, उसे सख्ती के साथ हटाया जाएगा।

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने धर्म परिवर्तन के लिए मधपुर में आलीशान ठिकाना बनाया था। आ-लीशान कोठी की सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता थी। 10 सीसीटीवी कैमरों से पूरे परिसर व बाहर की गतिविधियों की निगरानी की जाती थी। हिंदू परिवारों का धर्म परिवर्तन कराने के आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने बलरामपुर के रेहरामाफी गांव से उतरौला के मधुपुर आकर अपना ठिकाना बनाया था। धर्म परिवर्तन की मुहिम को यहीं से तेज किया और एक डिग्री कॉलेज खोलने का खाका भी तैयार किया। आलीशान आशियाना बनाने के साथ ही चारों तरफ मजबूत बाउंड्री बनवाई। करंट के तार भी दौड़ाए और पूरे क्षेत्र को कैमरों से भी सुरक्षित किया। छांगुर की कोठी को बिजली देने के लिए विशेष लाइन खींची गई थी। एक खंभा कोठी के अंदर ही लगा था।

इसके साथ ही 10 सीसीटीवी कैमरों से पूरे परिसर व बाहर की गतिविधियों की निगरानी की जा रही थी। ध्वस्तीकरण शुरू करने से पहले बिजली की लाइन हटाई गई। कोठी पर पुलिस टीम तैनात की गई। कमरों में कोई नही था। इससे ध्वस्तीकरण में कोई व्यवधान नहीं हुआ। कोठी गिराने से पहले पुलिस ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में सर्च अभियान चलाया। कोठी से मिले घरेलू व अन्य सामग्री को सुरक्षित निकाला गया। उतरौला सीओ राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि किसी तरह से कोई नुकसान न हो, इसका पूरा ध्यान रखा गया।

उत्तर प्रदेश में चला 37 करोड़ पौधे लगाने का महाभियान

लूट और भ्रष्टाचार उजागर होने से बौखला गए हैं बबुआ : योगी

गोरखपुर, 09 जुलाई (ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को जहां एक दिन में प्रदेश में 37 करोड़ पौधरोपण के विशिष्ट महाभियान में तीन स्थानों पर खुद शामिल होकर इसे गतिमान किया तो वहीं प्रदेश सरकार की योजनाओं पर सवाल उठाने वाले विपक्ष, खासकर समाजवादी पार्टी पर खासे आक्रामक रहे। उन्होंने पूर्ववर्ती सपा सरकार के कार्यकाल की कुछ योजनाओं के आंकड़ों के साथ पोल खोली। गोरखपुर के पौधरोपण कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने सपा सरकार के कार्यकाल में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के टेंडर और जेपीएनआईसी से जुड़े आकंड़ों का हवाला देते हुए सीधा हमला बोला और बिना किसी नेता का नाम लिए कहा कि लूट और भ्रष्टाचार उजागर होने से बबुआ बौखला गए हैं।

सीएम योगी बुधवार को पौधरोपण महाभियान 2025 के अंतर्गत चिलुआताल के किनारे पौधरोपण करने के पूर्व जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम थीम पर खाद कारखाना से सटे चिलुआताल के किनारे हरिशंकरी (पीपल, बरगद, पाकड़) का पौधरोपण कर पवित्र धारा वन की स्थापना का शुभारंभ किया। इसके पूर्व खाद कारखाना परिसर में उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 के पूर्व प्रदेश में योजनाओं में लूट और भ्रष्टाचार का तांडव मचा हुआ था। सपा सरकार में 341 किलोमीटर लंबे और 110 मीटर चौड़े पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के लिए जो टेंडर निकाला गया था उसकी लागत 15200 करोड़ रुपए थी। जबकि भाजपा की डबल इंजन सरकार ने इसकी चौड़ाई बढ़ाकर 120 मीटर की और दोबारा टेंडर निकाला तो लागत आई 11800 करोड़ रुपए। उन्होंने इस अंतर धनराशि को लूट करार देते हुए कहा कि यह रकम कहां जा रही थी। उन्होंने कहा कि लूट और भ्रष्टाचार करने वाले वही लोग आज हमें उपदेश दे रहे हैं। पूर्ववर्ती सरकार की पोल खोलने के सिलसिले को जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने जय प्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) के आकंड़े भी जनता के सामने रखे। सीएम योगी ने कहा कि जेपी, मूल्यपरक राजनीति और परिवारवाद की मुखालफत के लिए जाने जाते हैं। पर, सपा सरकार ने उनके नाम को भी बदनाम किया। जेपीएनआईसी की लागत सिर्फ 200 करोड़ रुपए थी लेकिन मार्च 2017 तक इस पर 860 करोड़ रुपए खर्च कर दिए गए और काम भी पूरा नहीं हुआ था। इसकी सीबीआई के हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नैतिकता की बात करने वाले बबुआ लूट और भ्रष्टाचार उजागर होने से बौखला गए हैं।मुख्यमंत्री ने डबल इंजन सरकार पर सवाल उठाने वालों को कठघरे में खड़ा किया। कहा कि वे एक दिन में 37 करोड़ पौधरोपण के अभियान पर भी सवाल उठाते हैं जबकि इन प्रश्न करने वालों को जब अवसर मिला तो उन्होंने कुछ नहीं किया। योजनाओं को लूटपाट और भ्रष्टाचार का केंद्र बनाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ने वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट दिया, वन डिस्ट्रिक्ट वन क्रॉप दिया जबकि सपा, कांग्रेस और बसपा की सरकारों ने वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया दिया। परिवारवाद के नाम पर समाज में जहर घोलने का काम किया। रामभक्तों पर गोलियां चलवाई। उन्होंने कहा कि पूर्व की सरकारों में वन माफिया जंगलों की अवैध कटान कराते थे, खनन माफिया अवैध खनन कराते थे और भू माफिया गरीबों की जमीनों पर कब्जा करते थे। प्रदेश में अराजकता का तांडव था। उन्होंने कहा कि आज सरकार ने प्रदेशभर में जीरो टॉलरेंस नीति लागू कर माफिया को ठिकाने लगा दिया है। 2017 के पहले प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान का संकट था। युवा बाहर अपनी पहचान नहीं बता पाता था। आज जब यूपी का युवा बाहर जाता है तो प्रदेश से जुड़ी उसकी पहचान जानते ही सामने वाले के चेहरे पर चमक आ जाती है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पौधरोपण अभियान सिर्फ पौधरोपण करने का ही कार्य नहीं है बल्कि यह वर्तमान को संजोने और भविष्य को बचाने का अभियान है। अपनी इस बात को विस्तार से समझाते हुए उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन के भीषण संकट से जूझ रही है।

इसके कारण अनेक चुनौतियां सामने आ रही हैं। मुख्यमंत्री ने अमेरिका के टेक्सास में हाल ही में हुई एक घटना का भी उल्लेख किया, जहां अचानक आई बाढ़ में सैकड़ों बच्चे लापता हो गए। सीएम ने कहा कि अतिवृष्टि, अनावृष्टि, आकाशीय बिजली और गर्मी की समस्या चरम पर है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सॉफ्ट और टेस्टी ड्रैगन फ्रूट...

ड्रैगन फ्रूट हकीकत में धरती पर पाया जाता है। नाम से भले ही ये फ्रूट डरावना लग रहा हो, लेकिन अंदर से बेहद सॉफ्ट और टेस्टी होता है। इसे पिताया या स्ट्रॉबेरी पीयर के नाम से जाना जाता है। यह एक बेहद खूबसूरत फल होता है। इसके फूल का आकार और रंग सबको हैरान कर देता है। कैक्टस की किस्म वाले पौधों से निकलने वाला फूल तीन हफ्तों में ड्रैगन फ्रूट में बदल जाता है। यह रात को ही बढ़ता है, इसलिए इसके फूल को क्वीन ऑफ द नाइट भी कहते हैं। कैक्टस का पेड़ 40 डिग्री से ज्यादा तापमान वाले इलाकों में भी तेजी से बढ़ता है। ड्रैगन फ्रूट लाल, गुलाबी और पीले रंग का होता है। इसका इस्तेमाल वाइन बनाने में भी किया जाता है। यह मैक्सिको, साउथ अमेरिका, कंबोडिया, थाईलैंड, मलेशिया, इंडोनेशिया और चीन के अलावा भी कुछ देशों में पाया जाता है। ज्यादातर ड्रैगन फ्रूट गाढ़े लाल रंग का होता है, लेकिन कुछ पीले और गुलाबी रंग के भी पाए जाते हैं। इस फल का छिलका काफी पतला होता है और चारों तरफ से स्केल्स से ढका होता है। इस फल के बीच का हिस्सा लाल या सफेद रंग का होता है, जिसमें काले रंग के बीज होते हैं। ये खाने में काफी स्वादिष्ट होता है। इसमें कई तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। एक ड्रैगन फ्रूट में करीब 60 कैलोरीज होती है। इसके अलावा विटामिन सी, बी1, बी2, बी3, आयरन, कैल्शियम और फॉस्फोरस भी ज्यादा मात्रा में पाया जाता है। इतनी सारी खूबियों की वजह से इसे 'सुपर फ्रूट' भी कहा जाने लगा है। ड्रैगन फ्रूट में काफी कम मात्रा में कोलेस्ट्रॉल पाया जाता है। यही वजह है कि इसे खाने से हार्ट की कोई समस्या पैदा नहीं होती है। अमेरिका में कार्डियोवेसकुलर से जुड़ी बीमारियां लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में वहां के लोग ड्रैगन फ्रूट खाकर खुद को हार्ट प्रॉब्लम्स से दूर रख रहे हैं। यह फ्रूट शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल कम करने में भी मदद करता है। ड्रैगन फ्रूट मोनोसैचुरेटेड फैट्स का सबसे बढ़िया स्रोत है, जिससे हार्ट अच्छी कंडीशन में बना रहता है। इतना ही नहीं ये बॉडी ब्रेक डाउन को भी बहुत जल्दी रिकवर करता है। इसे खाने से वजन और दांत दोनों स्वस्थ रहते हैं।

यहां नहीं डूबता सूरज...

दिन की शुरुआत सूरज उगने से होती है। इससे दिनों को हफ्ते, महीनों और सालों में बांटा जाता है, लेकिन दुनिया में कुछ ऐसे भी देश हैं जहां पर कई-कई महीनों या दिनों तक सूरज ही नहीं छिपता। इन देशों में 24 घंटे उजाला ही रहता है। नार्वे के एक इलाके को लैंड ऑफ द मिड नाइट सन कहा जाता है। इस देश में मई से जुलाई तक सूरज ही नहीं छिपता। इसकी खूबसूरती को देखने के लिए लोग दूर-दूर से यहां घूमने आते हैं। स्वीडन में आधी रात तक भी सूरज की रोशनी जैसे की तैसी रहती है। यहां पर मई की शुरुआत से अगस्त के अंत तक देर रात तक सूरज नहीं छिपता। आइसलैंड का नजारा बहुत ही खूबसूरत है। कुदरती रोशनी का मजा आप यहा आधी रात को भी ले सकते है। झरने, ज्वालामुखी,ग्लेशियर यहां के खास एटरेक्शन है। कनाडा में भी बदलते मौसम के चलते 50-50 दिनों तक सूरज ही नहीं डूबता। इस कारण यहां पर आधी रात को भी अंधेरा नहीं होता।

ऐसा सिर्फ चीन में होता है...

चीन दुनिया में बहुत सी ऐसी अजीबो-गरीब चीजें होती हैं,जो कहीं और नहीं होती। चीन के बीजिंग में पॉल्यूशन इतना ज्यादा है कि यहां पर एक दिन सांस लेने का हेल्थ पर उतना ही खराब असर पड़ता है, जितना कि एक पैकेट सिगरेट पीने से होता है। आपको जानकर हैरानी होगी कि हांगकांग पॉलिटेक्निक यूनिवर्सिटी ब्रा स्टडीज में डिग्री देती है। यहा पर इनरवेयर बनाने की बारीकियां सीखाई जाती है। चीन की जेलों में इतने कैदी हैं कि मौत की सजा देने के लिए यहां 'मोबाइल एग्जीक्यूशन' गाड़ियां हैं। चीन की आर्मी दुनिया की सबसे बड़ी आर्मी है। चीन की आर्मी सख्त मिलिट्री ट्रेनिंग और एग्रेसिव नेचर के लिए दुनियाभर में चर्चित है। ट्रेनिंग के दौरान नए सोल्जर्स के कॉलर में पिन लगा दी जाती हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है ताकि उनकी गर्दन सीधी रहे और वे अनुशासित रहें।चीन के शांक्सी प्रांत के यन्नान में करीब 4 करोड़ लोग आज भी अंडरग्राउंड गुफाओं में रहते हैं, जो कि ऑस्ट्रेलिया की आबादी से भी ज्यादा है। इन गुफाओ को 'फार्मर्स केव्स' या 'याओडोंग्स' भी कहा जाता है। चीन के गुआंग्झी प्रांत के यूलिन शहर में हर साल जून में डॉग मीट फेस्टिवल मनाया जाता है। इस त्योहार में ही 10 हजार से ज्यादा डॉग्स मार दिए जाते हैं। चीन में इंटरनेट और वीडियो गेम के जबरदस्त एडिक्शन के कारण इस पर बैन लगाया गया था। चीन में इस एडिक्शन से बाहर निकालने के लिए कई रिहैब सेंटर्स चलाए जा रहे हैं। यहां बच्चों के फिजिकल एक्टिविटीज की ट्रेनिंग दी जाती है, ताकि वो गेमिंग की दुनिया से बाहर निकल सकें।

गुस्से पर काबू करेंगे ये फूड्स...

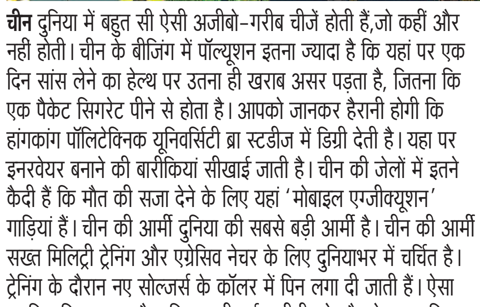

गुस्सा एक ऐसी चीज है जिस पर काबू पाना बड़ा मुश्किल होता है। लोगों को समझ में ही नहीं आता कि गुस्से के समय आखिर क्या किया जाए। डॉक्टरों के अनुसार न्यूट्रिएंट्स, मैग्निशियम, विटामिन सी और बी की कमी के चलते लोगों को ज्यादा गुस्सा आता है। ऐसे में कुछ चीजें हैं जो आपके गुस्से पर काबू पाने में मदद करती हैं। नारियल पानी या कोकोनट मिल्क पीने से तुरंत गुस्से पर काबू पाया जा सकता है। इसके अलावा कच्चा नारियल खाने से भी गुस्सा काफी कम होता है। बादाम दिमाग की नसों पर तेजी से काम करती है। ऐसे में गुस्सा आने पर बादाम खाने से उस पर कुछ ही पल में काबू पाया जा सकता है। जब आप किसी बात पर बहुत गुस्सा हो रहे हों और उस पर काबू पाना चाहें तो तुरंत डार्क चॉकलेट खाने से गुस्सा ठंडा हो जाता है। हरी सब्जियों में बहुत अधिक कैल्शियम और मैग्नेशियम होता है जो कि मांसपेशियों को आराम पहुंचाता है और दिमाग के एंग्जाइटी को भी कम करता है। अगर आपको गुस्सा आता है तो तुरंत कोई हरी सब्जी खाएं वो आपके गुस्से को कम करने में मदद करेगी।

भारत में मिनी अफ्रीका...?

हमारे देश में अफ्रीकी लोगों के खिलाफ हुई हाल की कुछ घटनाओं को छोड़ दें तो पता चलता है कि अफ्रीकियों को भारत से बहुत लगाव है। यहां घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से खासतौर से पढ़ाई के लिए आने वाले कई लोग यहीं बस जाना चाहते हैं। अफ्रीकियों का भारत से यह लगाव आज से नहीं है, अफ्रीकी मूल के कई लोग सदियों से हमारे यहां रह रहे हैं और वे यहीं के नागरिक भी हैं। सदियों से गुजरात में बसे अफ्रीकियों ने तो पूरी तरह से भारतीय लाइफस्टाइल अपना ली है। इतना ही नहीं उन्हें अब सिर्फ गुजराती भाषा ही आती है। देश में कई जगह उनकी संख्या और बसाहट को देखकर लगता है कि हमारे देश में बसता है मिनी अफ्रीका।

भारत में बसता है मिनी अफ्रीका। दिल्ली में ही इतने अफ्रीकी हैं कि उनके अपने रेस्तरां, सलून और दुकानें खूब चल रही हैं। हाल की कुछ घटनाओं को छोड़े तो इससे पहले इनको लेकर कोई विवाद नहीं रहा है। भारत में नए अफ्रीकियों की संख्या धीरे-धीरे बढ़ रही है। भारत में घाना, नाइजीरिया, दक्षिण अफ्रीका, लीबिया, कॉन्गो, कीनिया से लोग पढ़ाई, बिजनेस और मेडिकल सुविधाओं के लिए बड़ी संख्या में आ रहे हैं। उनका भारतीयों और यहां की संस्कृति से खासा लगाव रहा है। दिल्ली के कृष्णा नगर, खिड़की एक्सटेंशन, मालवीय नगर, अर्जुन नगर और राजपुर खुर्द में अफ्रीकी नागरिकों की तादाद अच्छी खासी है। सरकारी आकंड़ों की मानें तो साल 2012 में 40 हजार नाइजीरियाई लोगों ने भारतीय वीजा लिया था और तथ्य यह है कि अभी भी 5000 से 6000 नाइजीरियाई दिल्ली में रह रहे हैं। कई ऐसे हैं जो यहीं बस जाना चाहते हैं। यह तो हुई हाल ही में भारत आने वाले अफ्रीकियों की बात। सच तो यह है कि हमारे यहां सदियों से अफ्रीकी लोग रह रहे हैं। भारतीय इतिहास के अबीसीनीयाई लड़ाके और आधुनिक भारत के अफ्रो इंडियन सदियों से भारत में रह रहे हैं। मूल से अफ्रीकी, राष्ट्रीयता से भारतीय और भाषा से कन्नड़, मराठी और गुजराती। इतनी विविधताओं को अपने में समेटे हैं ये सच्चे भारतीय। कुछ इतिहासकारों का मानना है कि लाखों अफ्रीकी लोगों ने समुद्र पार कर इधर का रुख किया था, अफ्रीकी-भारतीय लोग सिद्दी या शीदि या सिदी कहलाते हैं, गुलाम के रूप में अफ्रीकी लोगों के बारे में तो शायद सबको जानकारी हो लेकिन भारत में रहने वाले अफ्रीकी लोगों के बारे में लोगों को कम ही जानकारी है सो उनकी ही जानकारी निकालने की कोशिश है यह आलेख।

तीनों धर्मों के अफ्रीकी

ये लोग भारत की अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में भी हैं और तीनों धर्मों में बंटे हुए भी हैं। यानी अधिसंख्य लोग मुस्लिम हैं, कुछ रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और बहुत कम लोग हिंदू हैं। सबसे मजेदार बात मुगल साम्राज्य में इनका अपना झंडा और मनसबदारी थी, लेकिन अंडमान निकोबार द्वीप समूह के पाषाणकालीन समय में जमे अफ्रीकी मूल के सेंटीनेल, जारवा, सिर्का, ग्रेट अंडमानी, जांगिल, ओंगे आदि कबीलों से अलग हैं ये लोग। सिद्दी या सिदी भारत और पाकिस्तान का एक जातीय समूह है जिसका मूल अफ्रीका है भारत में ये मुख्यतः गुजरात में रहते हैं कर्नाटक तथा आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र में भी इनका अस्तित्व है तथा वहां इन्हे सिद्धि, हब्शी या मकरानी के रूप में जाना जाता है। ये कबीलाई सदस्य हैं जो दक्षिण पूर्व अफ्रीका से संबंध रखती बंटू जनजाति के लोग हैं इनमें से कुछ के पूर्वज व्यापारी, नाविक और भाडे के गुलाम सैनिक कारिंदे थे और बहुतों के पूर्वज दूसरों के सेवक या गिरमिटिया गुलाम थे। आज की तारीख में पाकिस्तान के बलोचिस्तानी क्षेत्र की मकरान पर्वत श्रृंखला और कराची में तथा भारत के कर्नाटक, गुजरात, आंध्रप्रदेश और महाराष्ट्र राज्यों में संयुक्त रूप से लगभग 70,000-85,000 सिद्दी जनजाति के लोगों की कुल जनसंख्या का अनुमान है।

ऐतिहासिक तथ्य

यह सिद्ध साबित ऐतिहासिक तथ्य है कि तत्कालीन अरब ,तुर्क और पुर्तगाली व्यापारियों द्वारा भी सिद्दी समुदाय को गुलाम -दास और भाड़े के सैनिकों के रूप में भारतीय उपमहाद्वीप के लिए लाया गया था। सिद्दी नाम के मूल पर परस्पर विरोधी परिकल्पनाएं रही हैं जिनमें से एक प्रमुख सिद्धांत यह है कि सिदी या सिद्धी शब्द साहिबी से निकला है जिसका कारण यह है कि आधुनिक भारत और पाकिस्तान में शब्द साहिब बोला जाता है और इस साहिब शब्द के लिए इसी तरह का उत्तरी अफ्रीका में सम्मान का एक अरबी शब्द भी है। एक दूसरा सिद्धांत यह है कि सिद्दी शब्द अरब जहाजों के कप्तानों के नाम से लिया गया है क्योंकि इन अरबी जहाजों के कप्तानों को सईद या सैय्यद के रूप में जाना जाता था। पहले पहल सिदीयों को भरूच बंदरगाह पर 628 ईस्वी में भारत में लाया गया था,फिर कई अन्य लोगों के समूहों को 712 ईस्वी में भारतीय उपमहाद्वीप के पहले अरब इस्लामी आक्रमणों के साथ लाया गया ,इसमें सैनिक समूह मुहम्मद बिन कासिम के अरब सेना के साथ भाड़े के सैनिकों के रूप में आया था ऐसा इतिहास में भी दस्तावेजी उल्लेख किया गया है। इन सिदी या हब्शी सैनिकों और दासों को जानिस यानी जानिसार अर्थात हुकुम पर जान लुटा देने वाला कहा जाता था। भारत में मुगलों के उदय के पहले तुर्कों के गुलामवंश की दिल्ली सल्तनत काल में जमाल-उद-दीन याकूत नामक सिद्दी हब्शी सुल्तान अल्तुतमिश की शहजादी रजिया सुल्ताना (1205-1240 ई.) का एक करीबी विश्वासपात्र था जो कि एक प्रमुख सिद्दी गुलाम से बना अमीर पद वाला लडाकू मनसबदार रईस था। कुछ सिद्दी समुदाय बारहवीं शताब्दी के बाद जफ्फराबाद, जंजीरा द्वीप पर और वन क्षेत्रों में छोटे सिद्दी समाजों की स्थापना के लिए गुलामी से भाग निकले और ऐसा ही स्थापित एक पूर्व द्वीपीय राज्य जंजीरा हब्शन है।

मराठों का अफ्रीकी सैन्य गुरु

तेरहवीं सदी में भारत के राजाओं के महल में अबीसीनीयाई, सिद्दी गुलामों को रखने का चलन था। अरब और अफ्रीका से भारत के पुराने व्यापारिक रिश्ते थे ही सो इन्हीं देशों से भारत में ये गुलाम लाए जाते थे। मलिक अंबर , जो भारतीय इतिहास में एक प्रमुख सिद्दी हब्शी व्यक्तित्व है,उसे मराठों के सैन्य गुरु के रूप में भी माना जाता है, और इतिहास ने गहराई से मराठा लोगों के साथ मलिक अंबर सिद्दी हब्शी को संबद्ध किया गया है। मलिक अम्बर का जन्म 1549 और मृत्यु 13 मई 1626 को बताई जाती है। मलिक अम्बर हब्शी गुलाम था। वह तरक्की करके वजीर के पद तक पहुंचा था। उसने पहली बार 1601 ई. में उस समय नाम कमाया, जब उसने मुगल सेना को हरा दिया था। मलिक अम्बर एक अबीसीनियायी था और उसका जन्म इथियोपिया में हुआ था। उसके प्रारम्भिक जीवन की विशेष जानकारी उपलब्ध नहीं है।

ऐसा अनुमान है कि उसके निर्धन माता-पिता ने उसे बगदाद के गुलाम-बाजार में बेच दिया था। बाद में उसे किसी व्यापारी ने खरीद लिया और उसे दक्षिण भारत ले आया। मलिक अंबर ने काफी बड़ी मराठा सेना इकट्ठी कर ली मराठे तेज गति वाले थे और दुश्मन की रसद काटने में काफी होशियार थे सो मलिक अम्बर ने मराठों को गुरिल्ला युद्ध में भी निपुणता प्रदान कर दी थी यह गुरिल्ला युद्ध प्रणाली दक्कन के मराठों के लिए परम्परागत थी और वे इसमें और भी निपुण हो गए, लेकिन मुगल इससे अपरिचित थे, मराठों की सहायता से मलिक अम्बर ने मुगलों को बरार, अहमदनगर, और बालाघाट में अपनी स्थिति सुदृढ़ करना कठिन कर दिया था।

आंध्रप्रदेश के सिद्दी

18 वीं सदी में,सिद्दी समुदाय अक्सर आसिफ जाही निजाम की अनियमित सेना के रूप में घुड़सवार सेना गार्ड की सेवा करते थे, जो अरब सिद्दी प्रवासी द्वारा हैदराबाद राज्य में स्थापित किया गया था। आसिफ जाही निजाम रियासत में उन्होंने पुरस्कार के साथ संरक्षण और पारंपरिक मरफ़ा संगीत की जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की और सरकारी समारोहों और समारोह के दौरान प्रदर्शन किया, हैदराबाद की सिद्दीयों को पारंपरिक रूप से सिद्दी रिसाला के नाम से जाना जाता है आज भी वे मस्जिद रहमानी के निकट क्षेत्र में रहते हैं।

कर्नाटक के सिद्दी

कर्नाटक के सिद्दी भी भारत में एक अनुसूचित जनजातीय समूह हैं, इसके सदस्यों को पुर्तगाली व्यापारियों ने दास के रूप में शताब्दियों पहले भारतीय उपमहाद्वीप में लाया गया है ये दक्षिण पूर्व अफ्रीका के बंटू जनजातीय लोग रहे हैं। कर्नाटक में ये सिद्दी येलापुर, हलियाल, अंकोला, जोईडा,मुंडगोड और उत्तर कन्नड़ सिरसी तालुका के आसपास वनों में खेती करते और वन उपज उपजाते हुए रहते है और बेलगाम और धारवाड़ जिले के कालघाटगी के खानपुर में शहरी केंद्रित स्थलों पर रह रहे हैं, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद कई सिद्दी परिवार पाकिस्तान चले गए और वे वहां सिंध, कराची के क्षेत्रों में बस गये जिनका मुख्य काम रंगरेजी और मछली पकड़ने का है,कर्नाटक के सिद्दी मुख्यतया रोमन कैथोलिक ईसाई हैं और उनके ही बीच कुछ सिद्दी हिंदू भी हैं।

सिर्फ गुजराती बोलते हैं ये अफ्रीकी

गुजरात के सौराष्ट्र के तलाणा में हैरत में डालने लोगों की भीड़ दिखाई देगी। दक्षिण अफ्रीका में हब्शी के रूप में पहचाने जाने वाले नीग्रो प्रजाति के लोग गुजरात में लंबे समय से रहते आ रहे हैं। अफ्रीका के नीग्रों की तरह रहने वाली यह प्रजाति शुद्ध रूप से सिर्फ गुजराती भाषा ही जानती है। तलाणा के आसपास के गांवों में ये लोग बसे हुए हैं। लेकिन 'गिर' फारेस्ट के बीचों-बीच 'जंबूर' नामक एक गांव है। इस गांव को गुजरात का अफ्रीका कहा जाता है। इस गांव में आने के बाद आपको बिल्कुल ऐसा ही लगेगा, मानो आप नीग्रो के गांव आ गए हैं। लगभग दो हजार साल पहले 'सीद्दी' भारत आए थे। ऐसा भी कहा जाता है कि इन्हें पानी के जहाजों द्वारा अफ्रीका व अन्य जगहों से लाया गया था। ऐसा भी कहा जाता है कि अरबी और मुगल शासक इन्हें गुलाम बनाकर रखते थे। इसके अलावा इन लोगों का व्यापार भी होता था। ह्युमन ट्रैफिकिंग का यह व्यवसाय अमेरिका से लेकर यूरोप तक फैला हुआ था। जब मुगलों ने भारत की ओर रुख किया तो अपने साथ इन्हें भी यहां ले आए। गुजरात के इतिहास पर नजर करें तो यह भी पता चलता है कि जूनागढ़ के नवाब ने काफी संख्या में इन्हें खरीदा था। नवाबों व राजाओं के शासन के अंत के बाद ये लोग यहीं बस गए। सौराष्ट्र में बसे सीद्दियों की लाइफस्टाइल अब पूर्ण रूप से गुजराती और भारतीय बन चुकी है। लेकिन कुदरत द्वारा प्रदत्त इनकी शारीरिक बनावट अन्य भारतीयों से इन्हें अलग करती है। सिद्दी गुजरात में आदिवासियों की तरह जीवन व्यतीत करते हैं। इनका मुख्य पेशा खेती-किसानी, लकड़ियां बेचना और गाय-भैंसों का पालन है। सीद्दियों की एक और पहचान इनके 'धमाल' नामक नृत्य से भी है। यह नृत्य बिल्कुल अफ्रीकन नीग्रो की तरह होता है। गुजरात के सिद्दी मुख्यत: मुस्लिम धर्म को मानते हैं। वे यहां पिछले आठ सौ सालों से संत नागरची बाबा की आराधना करते आ रहे हैं। सिद्दी हर रोज शाम को ड्रम बजाते हुए जांबूर गांव के बीचों-बीच स्थित मस्जिद में बंदगी करते हैं। इनके बारे में ऐसा भी कहा जाता है कि प्राचीन समय में राजा इन्हें अपने अंगरक्षक के रूप में रखा करते थे। यह प्रजाति शारीरिक रूप से बहुत मजबूत होती है, इसलिए इनकी नियुक्ति राजाओं के अंगरक्षकों के अलावा सेना में भी की जाती थी। 1572 में जब जलालुद्दीन अकबर गुजरात आया तब वह अपने साथ लगभग 700 हब्शी घुड़सवारों को लाया था। इसके अलावा पाकिस्तान के सिंध प्रांत में भी रहने वाले हब्शी लोगों को लड़ाका माना जाता है।

सेहत सुधारती है पढ़ने की आदत...

हमारे देश की साक्षरता एक तरफ भले ही बढ़ रही हो लेकिन हमारी आज की पीढ़ी में पुस्तक पढ़ने की प्रवृत्ति सिरे से खारिज होती जा रही है। आज का युवा अपने विषय के अलावा और किताब को विषयांतर कह कर नकार देता है । वही दूसरी तरफ वह तरह-तरह के स्मार्ट फोन खरीदकर उनके साथ समय व्यतीत कर रहा है। अब टेक्नोलॉजी का जमाना है। लोग लैपटॉप और स्मार्ट फोन में ई बुक पढ़ लेते हैं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ जब विदेशी नागरिक हमारे देश में आते हैं तो उन्हें पर्यटन स्थलों, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे पर हाथों में किताब लिए सहज देखा जा सकता है। जबकि ठीक उन्हीं जगहों पर ज्यादातर भारतीय मोबाइल में गेम खेलते या फेसबुक या व्हाट्सएप पर लगे हुए दिखाई देते हैं। खास बात यह है कि विदेशी लोग मोबाइल ,लैपटॉप ,फेसबुक ,ट्विटर ,व्हाट्सएप की सीमाओं और संभावनाओं को अच्छी तरह जानते हैं।

वे पुस्तक की भी सीमाओं और संभावनाओं को जानते हैं। कहा गया है कि किताबें व्यक्ति की अच्छी दोस्त होती हैं। कुछ लोग इसे शौक के तौर पर पढ़ते है लेकिन कुछ किताबों को पढ़ना बोरिंग समझते हैं और कंप्यूटर व टीवी को ही अपना अच्छा दोस्त मानते हैं लेकिन सच तो यह है कि किताबें हमारे व्यक्तित्व को निखारती ही नहीं बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होती हैं। एक शोध से पता चला है जो शौक के लिए पढ़ते हैं उनका स्वास्थ्य ऐसा न करने वाले लोगों की तुलना में 33 प्रतिशत ज्यादा बेहतर रहता है।

दिमाग तेज होना: किताबें पढ़ने से आदमी की याददाश्त बढ़ती है। टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने की तुलना में पढ़ाई करने वालों का दिमाग ज्यादा तेज होता है। इसके अलावा किताब पढ़ने की आदत व्यक्ति के सोचने और समझने की क्षमता को बढ़ाती है।

दिमाग फ्रेश होना: किताबें पढ़ने की आदत से आदमी का दिमाग हमेशा जवां रहता है। जो लोग रचनात्मक कार्यों जैसे पढ़ाई में अधिक वक्त बिताते हैं उनका दिमाग ऐसा न करने वालों की तुलना में 32 प्रतिशत अधिक जवां रहता है।

आई क्यू लेवल बढ़ना

जो लोग किताबें अधिक पढ़ते हैं उनका आई-क्यू लेवेल भी अधिक होता है। किताबें व्यक्ति को रचनाशील बनाती हैं जिसके कारण उनकी सोचने और समझने की क्षमता बढ़ जाती है।

अल्जाइमर से बचाव

अल्जाइमर एक प्रकार की दिमागी बीमारी है। इसके कारण व्यक्ति की याददाश्त कमजोर हो जाती है। जो लोग दिमागी गतिविधियों जैसे-पढ़ाई, चेस खेलना, पजल खेलने में व्यस्त रहते हैं उनमें अल्जाइमर के विकसित होने की संभावना कम होती है।

तनाव दूर होता है

किताबें व्यक्ति के तनाव के हार्मोन यानी कार्टिसोल के स्तर को कम करती हैं, जिससे तनाव दूर रहता है। अगर आप अपने दिन को खुशनुमा बनाना चाहते हैं तो पढ़ने की आदत इसमें आपकी मदद कर सकती है। यदि आपके पास आज कोई काम नहीं है तो दिन को बेहतर बनाने के लिए एक अच्छी किताब पढ़िए।

अच्छी नींद

रात में देर तक टीवी देखने और कंप्यूटर पर काम करने से आपकी नींद उड़ सकती है, लेकिन रात में सोने से पहले किताब पढ़ने से आपको अच्छी नींद का आ सकती है। इसलिए रात को सोने से पहले किताब पढ़ना न भूलें।

दिल को सेहतमंद रखती है रेड वाइन

आज की भागती-दौड़ती तेज रफ्तार जिंदगी का असर हमारे दिल पर भी पड़ता है। तभी तो दिल के मरीजों की तादाद में लगातार इजाफा होता जा रहा है। इसके पीछे हमारी बिगड़ी हुई दिनचर्या और खान-पान संबंधी खराब आदतें ही जिम्मेदार हैं। दिल को तंदुरुस्त रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। व्यायाम, खाने पीने की अपनी आदतों पर लगाम और भी न जाने क्या क्या। लेकिन, इन सब आदतों के साथ ही अगर हम एक और चीज करने लग जाएं तो दिल की सेहत सुधारी जा सकती है और वो है रेड वाइन।

दिल के लिए फायदेमंद रेडवाइन

रेड वाइन अंगूर का बना होता है और इसमें एचडीएल (अच्छा कोलेस्ट्रॉल) पाया जाता है, जो मृत्यु दर और तनाव को कम करने का एक तरह का प्राकृतिक एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल होता है। कई हृदय रोग तभी होते हैं जब हृदय तक जाने वाली धमनियों को वसा और बुरा कोलेस्ट्रॉल मिल कर उसके रक्त प्रवाह को ब्लॉक कर देते हैं। लेकिन रेड वाइन जो प्राकृतिक रूप से बनाया जाता है वह आपके दिल की इस रोग से रक्षा करता है। यह रक्त वाहिकाओं को साफ करने और शरीर में वसा जमने की वजह से होने वाले नुकसान को रोकने में लाभदायक होता है। रेड वाइन में मौजूद तत्त्व रक्त के थक्के रोकने में काफी मदद करते हैं। अध्ययनकर्ताओं ने पाया है कि बीयर, स्पीरिट और शराब तीनों ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हैं, लेकिन दूसरे के मुकाबले शराब भारी लाभ पहुंचाती है।

व्यायाम के बराबर है रेडवाइन

लाल अंगूर में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट रेसवेरेट्रॉल शरीर की मांसपेशियों और दिल के लिए उसी तरह फायदेमंद होता है, जैसे एक घंटे का शारीरिक व्यायाम। रेसवेरेट्रॉल की अधिक मात्रा शारीरिक प्रदर्शन, हृदय की कार्य प्रणाली और मांसपेशियों को मजबूत बनाने में काफी हद तक सुधार ला सकती है। ये उन लोगों के लिए फायदेमंद होता है जो व्यायाम करना चाहते है पर शारीरिक कमजोरी या असमर्थता के कारण ऐसा नहीं कर पाते। रेसवेरेट्रॉल ऐसे व्यक्तियों को व्यायाम के फायदे बिना व्यायाम किए दिला सकता है। किसी भी चीज की अति बेशक शरीर को नुकसान ही पहुंचाती है। ज्यादा शराब की लत कैंसर जैसी घातक बीमारियों को न्योता देती है। दिन में एक छोटा ग्लास ठीक माना जाता है पर उससे ज्यादा पीना आपके लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं होगा।

संपादकीय

भारत के तीन दुश्मन

भारत के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के एक महत्वपूर्ण पक्ष का रहस्योद्घाटन किया है। भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रत्यक्ष संघर्ष लड़ा था, लेकिन चीन और तुर्किए भी भारत के 'प्रत्यक्ष दुश्मन' की भूमिका में थे। चीन ने पाकिस्तान की हरसंभव मदद की और खुफिया सूचनाएं भी साझा कीं। चीन ने सेटेलाइट और अन्य माध्यमों के जरिए खुफिया लीड्स हासिल कीं कि भारत की सैन्य तैयारियां कैसी और क्या हैं? कहां, कौनसा लड़ाकू विमान, मिसाइलों सहित, मौजूद है और कभी भी हमला कर सकता है। चीन ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को 'लाइव लैब' की तरह खूब इस्तेमाल किया और अपने हथियारों और सैन्य उपकरणों की टेस्टिंग की। बेहद संवेदनशील पक्ष यह था कि जब दोनों देशों के डीजीएमओ में बातचीत चल रही थी, तो पाक डीजीएमओ ने हमारे समकक्ष अधिकारी को कहा था कि भारत का एक अहम वेक्टर तैयार है। भारत पहले उसे हटा कर पीछे करे। लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने सवाल उठाया कि इतनी महीन और सटीक जानकारी पाक डीजीएमओ को कहां से मिली? जाहिर है कि ऐसे खुफिया इनपुट चीन ने ही पाकिस्तान को दिए थे। बेशक यह चीन की प्राचीन सैन्य रणनीति '36 स्ट्रैटेजम्स' में से एक थी। इसके मायने हैं-'किराए की छुरी से वार करना।' अर्थात इस रणनीति के तहत चीन ने, भारत के खिलाफ, पाकिस्तान को 'किराए की छुरी' के तौर पर इस्तेमाल किया। इस तरह 'ऑपरेशन सिंदूर' संघर्ष के दौरान भारत को एक साथ तीन मोर्चों-पाकिस्तान, चीन, तुर्किए-पर लडऩा पड़ा। ये तीनों ही देश 'भारत के दुश्मन' साबित हुए और भविष्य में भारत का विरोध करते रहेंगे, यह बिल्कुल तय है। लिहाजा हमें अपनी सैन्य तैयारियां उसी स्तर की करनी होंगी। सेना ऐसा कर भी रही है। पाकिस्तान के पास जो हथियार, विमान हैं, उनमें से करीब 81 फीसदी चीन ने उसे बेचे अथवा उधार पर मुहैया कराए हैं। तुर्किए ने पाकिस्तान को आधुनिक ड्रोन ही नहीं दिए, बल्कि उसके लड़ाकों और पायलटों ने भी पाकिस्तान की ओर से संघर्ष में शिरकत की, लेकिन न तो चीन और न ही तुर्किए संघर्ष की दशा और दिशा बदल सके। भारत के हवाई हमलों ने चीन की मिसाइलें और तुर्किए के ड्रोन, हवा में ही, चकनाचूर कर दिए। पाकिस्तान के जितने एयरबेस और उधार के लड़ाकू विमानों को हमारी सेना ने 'मिट्टी-मलबा' किया, उसके खुलासे दुनिया के सामने हैं। पाकिस्तान सैन्य रूप से कब तक हमलावर की स्थिति में लौट पाएगा, इसमें सालों भी लग सकते हैं। उप सेना प्रमुख ने ये तमाम खुलासे उद्योगपतियों के संगठन 'फिक्की' के मंच से किए। उन्होंने वह मंच ही क्यों चुना? क्या निवेश का आह्वान किया जाना था? उप सेना प्रमुख ने ही लगभग दो माह बाद यह रहस्योद्घाटन क्यों किया? क्या सरकार के शीर्ष स्तरों से उन्हें यह काम करने का दायित्व सौंपा गया? कई सवाल हैं। भारतीय सेना तीन मोर्चों पर एक साथ लड़ी, यह खुलासा मीडिया के जरिए देश के सामने आ चुका था। देश के दुश्मन तीन देश ही नहीं हैं, बल्कि बांग्लादेश में तुर्किए और चीन नए रणनीतिक मोर्चे बनाने की योजना पर विचार कर रहे हैं।

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रत्यक्ष संघर्ष लड़ा था, लेकिन चीन और तुर्किए भी भारत के 'प्रत्यक्ष दुश्मन' की भूमिका में थे। चीन ने पाकिस्तान की हरसंभव मदद की और खुफिया सूचनाएं भी साझा कीं। चीन ने सेटेलाइट और अन्य माध्यमों के जरिए खुफिया लीड्स हासिल कीं कि भारत की सैन्य तैयारियां कैसी और क्या हैं? कहां, कौनसा लड़ाकू विमान, मिसाइलों सहित, मौजूद है और कभी भी हमला कर सकता है। चीन ने भारत-पाकिस्तान संघर्ष को 'लाइव लैब' की तरह खूब इस्तेमाल किया और अपने हथियारों और सैन्य उपकरणों की टेस्टिंग की। बेहद संवेदनशील पक्ष यह था कि जब दोनों देशों के डीजीएमओ में बातचीत चल रही थी, तो पाक डीजीएमओ ने हमारे समकक्ष अधिकारी को कहा था कि भारत का एक अहम वेक्टर तैयार है। भारत पहले उसे हटा कर पीछे करे। लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने सवाल उठाया कि इतनी महीन और सटीक जानकारी पाक डीजीएमओ को कहां से मिली? जाहिर है कि ऐसे खुफिया इनपुट चीन ने ही पाकिस्तान को दिए थे।

देश में अत्यधिक गरीब लोगों की जो संख्या 2011-12 में 27.1 फीसदी थी, वह 2022-23 में घट कर केवल 5.3 फीसदी रह गई

गरीबी घटने और आर्थिकी बढ़ने का सुकून

डा. जयंतीलाल भंडारी

अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक की रिपोर्टों को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। 10 जून को प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर कमजोर व्यापारिक गतिविधियों और निर्यात में कमी के बीच भी भारत वर्ष 2025-26 में 6.3 फीसदी की विकास दर से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर बरकरार रखेगा। जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महज 2.3 फीसदी की वृद्धि होगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक गरीबी संबंधी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अत्यधिक गरीबी की स्थिति में रहने वाले लोगों की संख्या में पिछले 11 सालों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है और अत्यधिक गरीबी से करीब 27 करोड़ देशवासी बाहर निकले हैं।

इन दिनों पूरी दुनिया में हाल ही में प्रकाशित भारत की अत्यधिक गरीबी में तेज कमी आने संबंधी विश्व बैंक की रिपोर्ट तथा भारत की अर्थव्यवस्था के तेजी से आगे बढऩे संबंधी अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) व विश्व बैंक की रिपोर्टों को गंभीरतापूर्वक पढ़ा जा रहा है। 10 जून को प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक आर्थिक संभावना रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर कमजोर व्यापारिक गतिविधियों और निर्यात में कमी के बीच भी भारत वर्ष 2025-26 में 6.3 फीसदी की विकास दर से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेज वृद्धि दर बरकरार रखेगा। जबकि वैश्विक अर्थव्यवस्था में महज 2.3 फीसदी की वृद्धि होगी। गौरतलब है कि पिछले दिनों प्रकाशित विश्व बैंक की वैश्विक गरीबी संबंधी रिपोर्ट के मुताबिक भारत में अत्यधिक गरीबी की स्थिति में रहने वाले लोगों की संख्या में पिछले 11 सालों में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है और अत्यधिक गरीबी से करीब 27 करोड़ देशवासी बाहर निकले हैं। विश्व बैंक ने अत्यधिक गरीबी रेखा के निर्धारण के संबंध में जो नए अनुमान जारी किए हैं, उनके मुताबिक निम्न आय वाले देशों के लिए अत्यधिक गरीबी की रेखा 2.15 डॉलर प्रतिदिन के उपभोग व्यय से बढ़ाकर अब प्रतिदिन 3 डॉलर उपभोग व्यय पर निर्धारित की गई है। ऐसे में देश में अत्यधिक गरीब लोगों की जो संख्या 2011-12 में 27.1 फीसदी थी, वह 2022-23 में घट कर केवल 5.3 फीसदी रह गई है। इससे अत्यधिक गरीबी में रहने वाले लोगों की संख्या 34.44 करोड़ से घटकर 7.52 करोड़ रह गई है। निश्चित रूप से यह परिदृश्य भारत में गरीब कल्याण की दिशा में बड़ी प्रगति का स्पष्ट संकेत करता है। साथ ही यह परिदृश्य पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा गरीब कल्याण को लक्षित करके बनाई गई अत्यधिक लाभकारी योजनाओं की सार्थकता भी प्रस्तुत करता है। खास तौर से देश में करीब 55 करोड़ से अधिक जनधन खातों (जे), करीब 138 करोड़ आधार कार्ड (ए) तथा करीब 119 करोड़ मोबाइल उपभोक्ताओं (एम) की शक्ति वाले जैम से सुगठित बेमिसाल डिजिटल ढांचा गरीबों के सशक्तिकरण में असाधारण भूमिका निभा रहा है। इस जैम के बल पर देश के गरीब लोगों के खातों में सीधे आर्थिक राहत हस्तांतरित हो रही है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (पीएमजीकेएवाई) के तहत 80 करोड़ से अधिक गरीब व कमजोर वर्ग के लोगों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) के माध्यम से मुफ्त

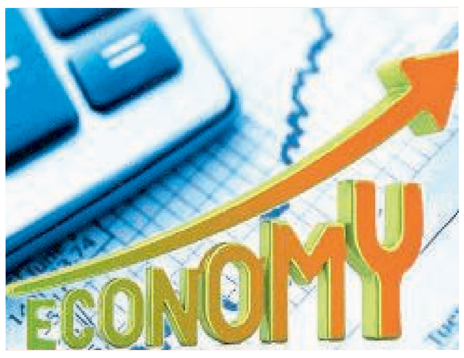

खाद्यान्न वितरित करते हुए उनकी गरीबी को कम करने में अहम भूमिका निभा रहा है। सरकार ने पीएमजीकेएवाई के तहत गरीबों को 2028 तक मुफ्त अनाज दिया जाना सुनिश्चित किया है। गरीबों के सशक्तिकरण से संबंधित कई और योजनाओं से गरीबी घट रही है। इनमें स्वच्छ ईंधन के लिए उज्ज्वला योजना, सभी घरों में बिजली के लिए सौभाग्य योजना, पेयजल सुविधा के लिए जल जीवन मिशन, डिजिटल इंडिया, स्वच्छ शौचालय और आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं शामिल हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि एक ओर जहां भारत में गरीबों के सशक्तिकरण से गरीबी में लगातार कमी आ रही है, वहीं दूसरी ओर भारत तेजी से आर्थिक विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है। हाल ही में प्रकाशित सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के नए आंकड़े अर्थव्यवस्था में मजबूती और सुधार को दिखाने वाले हैं। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी ग्रोथ 6.5 फीसदी रही। विशेष रूप से यह भी उल्लेखनीय है कि आईएमएफ की विश्व आर्थिक परिदृश्य से जुड़ी रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2025 के अंत तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तथा 2028 तक दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिकी बनते हुए दिखाई देगा। इस रिपोर्ट के मुताबिक इस वर्ष 2025 में भारत का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) बढक़र 4.187 ट्रिलियन डालर हो जाएगा और यह जापान की जीडीपी 4.186 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा होगा। इसमें कोई दो मत नहीं है कि चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिस्थितियों के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था तीव्र गति से आगे बढ़ रही है। इस समय भारत विदेशी निवेश का पसंदीदा देश बन गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति मजबूत है। निवेशकों का विश्वास बना हुआ है। अर्थव्यवस्था व्यापक आर्थिक विवेक से प्रबंधित की जा रही है। निर्यात बढ़ रहे हैं। सरकार के पूंजीगत खर्च बढऩे से भी अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है। देश के कोने-कोने में मेक इन इंडिया अभियान से शक्ति मिल रही है। लंबे समय तक दूसरे देशों से बड़ी संख्या में आयातित कई औद्योगिक उत्पाद देश में ही बनाए जा रहे हैं। लगातार स्थानीय उत्पादों के उपयोग और स्थानीय श्रम को अच्छे मूल्य पर जोर दिए जाने जैसे अभियान से शहरों से गांवों तक स्वदेशी सामान की खरीदी में जोरदार उछाल आया है। तेजी से बढ़ता मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर, रिकॉर्ड खाद्यान्न उत्पादन और शेयर बाजार की ऊंचाई भारत की ताकत है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि भारत आर्थिक विकास और नई तकनीकों के उपयोग की ऊंची संभावनाओं वाला देश बन गया है। दुनिया का भारत पर असाधारण आर्थिक विश्वास निर्मित हुआ है। दुनिया की नजरों में यह युग भारत का युग है। वस्तुतः भारत के पास उपभोक्ताओं का उभरता हुआ विशाल बाजार, युवाओं में जबरदस्त ढंग से आगे बढऩे की ललक, उद्यमिता की भावना और सुधार का रवैया भारत के लिए नए अवसरों का आधार है। उद्यमियों को नीतिगत स्थिरता, प्रशासन, नवाचार एवं वृहद आर्थिक नीति उपलब्ध कराई जा रही है। सरकारी ऋण के बेहतर प्रबंधन से भारत का राजकोषीय घाटा भी नियंत्रित है। भारत वैश्विक प्रौद्योगिकी दौड़ में एक निर्णायक चौराहे पर खड़ा है जिसके पास बड़े डेटा में अद्वितीय श्रेष्ठता है। डेटा परिसंपत्ति की शक्ति के बल पर देश वैश्विक प्रौद्योगिकी और नवाचार के शीर्ष स्तर पर पहुंचने की संभावना को साकार कर सकता है। निश्चित रूप से देश से गरीबी के तेजी से घटने और अर्थव्यवस्था के तेजी से बढऩे के सुकून के बावजूद हमें अभी आम आदमी के कल्याण और प्रतिव्यक्ति आय बढ़ाने के लिए मीलों चलना होगा। यद्यपि भारत 140 करोड़ से अधिक जनसंख्या की कुल आमदनी के आधार पर जापान को पीछे छोडक़र दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है, लेकिन हमें आत्मसंतुष्ट नहीं होना चाहिए। स्थिति यह है कि प्रति व्यक्ति आय के मामले में भारत दुनिया के कई देशों से बहुत पीछे है। जापान की प्रति व्यक्ति आय भारत की तुलना में लगभग 11.8 गुना अधिक है। ऐसे में अभी हमें देश में गांवों की मजबूती, कृषि क्षेत्र की ऊंचाई और छोटे शहरों के विकास के साथ-साथ आम आदमी की शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के लिए अधिक प्रयास करने होंगे। हम उम्मीद करें कि ऐसे प्रयासों से देश में अत्यधिक गरीबी में और कमी आएगी तथा देश की अर्थव्यवस्था भी और तेजी से आगे बढ़ेगी।

कुछ अलग

कागज़ कलम क्यों हैं जरूरी

आखिरी बार आपने कलम से कब लिखा था? शायद याद भी न हो। कंप्यूटर और मोबाइल के इस युग में लिखने की आदत लगभग छूटती जा रही है। कलम का इस्तेमाल दस्तखत करने भर का रह गया है। कुछ दिनों पहले एक मीटिंग में हाथ से नोट्स लिखने की ज़रूरत पड़ी तो ठीक से लिखते ही नहीं बना। हैंडराइटिंग बहुत खराब हो चुकी है। खुद का लिखा पढ़ना भी मुश्किल हो रहा था। हाल ही में एक नेपाली लड़की प्रकृति मल्ला का बहुत ही सुंदर हैंडराइटिंग में लिखा स्कूल असाइनमेंट वायरल हुआ था। सोशल मीडिया पर कई यूज़र्स ने इसे दुनिया की सबसे सुंदर हस्तलिपि बताया तो कुछ ने कहा कि एक-एक अक्षर टाइप किया गया जैसा लग रहा, मानो कागज़ पर मोतियों की माला पिरो दी गई हो। यह आठ साल पुराना असाइनमेंट था, जब प्रकृति आठवीं कक्षा में पढ़ती थीं और इसमें उन्होंने हैंडराइटिंग के महत्व पर लिखा था। इसे देख स्कूल के दिन याद आ गए, जब हमारी लिखावट भी ऐसी ही सुंदर होती थी। कौन कितना सुंदर लिखता है, इसका मुकाबला होता था। टीचर सुलेख के एक्स्ट्रा मार्क्स देती थीं। लेकिन अब तो बहुत से स्कूलों में स्मार्टबोर्ड लग गए हैं और बच्चे टैब पर पढ़ाई कर रहे हैं, जिससे उनके लिखने की आदत बचपन से ही छूट रही है। उनकी उंगलियां की-बोर्ड, टच पैड और टच स्क्रीन पर ज्यादा तेज़ चलती हैं। ताज़ा शोध के मुताबिक की-बोर्ड पर टाइप करने के बजाय हाथ से कॉपी पर लिखने वाले बच्चे बेहतर ढंग से सीख और समझ पाते हैं। स्पेन की बास्क यूनिवर्सिटी की स्टडी में बच्चों के नए अक्षर और शब्द सीखने की क्षमता पर होने वाले असर का आकलन किया गया। अध्ययन में पांच से छह साल के बच्चों को शामिल किया गया, जो इस उम्र में पढ़ना लिखना सीखना शुरू करते हैं। इसमें पाया गया कि लिखते वक्त बच्चा अक्षरों के आकार को बेहतर ढंग से समझ पाता है, जिससे हाथ और दिमाग में समन्वय मज़बूत होता है।

देश दुनिया से

आपदाओं की समीक्षा से ही निकलेगा स्थाई समाधान

आपदाओं की समीक्षा से ही निकलेगा स्थाईं समाधान समूचे देश में बाढ़ के हालत भीषण होते जा रहे हैं। जल भराव से लेकर भूस्खलन तक की स्थितियां निरंतर शीर्षगामी हैं। राहत कार्यं जारी हैं। आरोपोंप्रत्यारोपों का बाजार गर्म है। हर साल कोईं न कोईं प्रावृतिक आपदा किसी न किसी भूभाग को अपनी गिरफ्त में ले ही लेती है। जनहानि से लेकर धनहानि तक के आंकडे सामने आते हैं। आधुनिक युग, साइबर व्रान्ति और नवीनतम अनुसंधानों के बाद भी इन प्रकोपों का स्थाईं निदान प्राप्त नहीं हो रहा है। विकासशील देशों की कौन कहे इस समस्या के शिकार विकसित राष्ट्र भी हैं। बनावटी बरसात, गमा और सदा जैसी त्रतुओं की अनुभूति कराने का दावा करने वाले देश भी अचानक होने वाली प्रवृतिजन्य समस्याओं से सुरक्षित नहीं हैं। ज्यों-ज्यों विज्ञान की आंधी और अनुसंधानों का तूफान तेज होता जा रहा है त्यों-त्यों समस्याओं की विकरालता बढती जा रही है। आधुनिक तकनीक के आधार पर बनाईं जाने वाली अधोसंरचनाओं को पुरातन ज्ञान आज भी मुंह चिढा रहा है। अतीत के स्मारक अपनी बुलंदी, अपनी कला और अपनी विधा का लोहा मनवा रहे हैं। सीमेन्ट, बालू, लोहा, गिट्टी जैसे कारकों से बनने वाली इमारतों के जीवन पर अनगढ पत्थर, रेत, चूना, लकडी, बांस, चिकनी मिट्टी, धातु, गुड, बेल, सन, उर्द की दाल जैसे घटकों से तैयार होने वाले भवन लम्बे समय बाद भी अपना स्थायित्व दर्शा रहे हैं। यही हाल सरोवरों का भी है। रियासतकालीन जलाशय आज भी भीषण गमा के मौसम में पहाडों पर होने के बाद भी अपनी जलराशि से जीवनदान कर रहे हैं जबकि आधुनिक तालाब थोडा सा ताप पाते ही सूख जाते हैं। पुराने किले, दुर्ग और महल अपनी सुदृढता के लिए वर्तमान में भी अद्वितीय उदाहरण बने हुए हैं। गांवों से लेकर रियासत की राजधानियों तक की बसाहट योजनायें तत्कालीन वास्तु, तकनीक और सिद्धान्तों पर आधारित थीं जिसके कारण आबादियों में न तो जल भराव की समस्या थी और न ही जलस्तर गिरने का खतरा। अतिर्वषा के लिए भी पानी के बहाव की दिशा में ही निकास के रास्ते बनाये जाते थे। जलवायु परिवर्तन की समस्याओं का निदान प्रवृति द्वारा प्रदत्त सामग्री के मूल स्वरूप से र्निमित भवनों से स्वतः ही हो जाता था। देश, काल और परिस्थितियों के अनुवूल ही मकानों का निर्माण होता था। जलरत्रोतों से स्वतः प्राप्त होने वाला पानी आवश्यकता की परूति हेतु पर्यांप्त था। पर्यांवरणीय शुद्धता के लिए परा-विज्ञान के प्रयोग निरंतर होते थे। शारीरिक पोषण हेतु मूल वनस्पतियों के प्रावृतिक स्वरूप को ही स्वीकार किया जाता था। मानवीय गुणों का सामूहिक प्रयोग सहयोग, सहायता और सौहार्द के रूप में आदरणीय था। मानवीय सोच की बानगी और वृत्यों की समीक्षा से ही प्रवृतिजन्य समस्याओं का समाधान खोजा जा सकता है। महानगरों से लेकर छोट-छोटे गांवों तक में अतिव्रामण का बोलबाला है। खाली पडे भू- भागों पर कब्जे, जलभराव वाले स्थानों पर निर्माण कार्यं, वास्तु के विपरीत स्थापनायें, आवश्यकता से कहीं अधिक व्यय, गुणवत्ता की कमी, आधुनिक तकनीक के नाम पर प्रावृतिक संतुलन को तिलांजलि, स्वार्थपरूति के लिए सिद्धान्तों को दरकिनार करने वाली घटनायें निरंतर बढती जा रहीं हैं। नालों पर कब्जे, ढलान पर मकान, तालाबों पर अतिमण, निर्माण हेतु अनावाश्यक ब्लास्टग जैसे कार्यो को पंख मिल चुके हैं। सरकारी योजनाओं में लाभार्थियों के लिए जटिलतायें, उलझाऊपन और अनावश्यक प्रायिओं का अम्बार लगाना, तो उत्तरदायी लोगों के लिए एक आम बात हो गईं है। सरकारी औपचारिकताओं में नित नये प्राविधानों को जोडना, समीक्षासंशोधनों के नाम पर आम आवास को साइबर तकनीक का कठिन अध्याय देना तथा स्थलीय संरचनाओं में अदूरर्दशिता का बोलबाला निरंतर बढता जा रहा है। देश की राजधानी से लेकर गांवों की गलियों तक में नालों, जल निकासी मार्ग पर दबंगों का साम्राज्य देखा जा सकता है। किसी प्रभावशाली को लाभ देने हेतु भूगभाय संरचना के आधार पर हो रहे जल के बहाव की दिशा के विपरीत निकासी के प्रयास तो मूर्खता की मुस्वुराहट ही कही जा सकती है। पहाडों पर तो विकास के नाम पर विनाश की तांडव हो रहा है। कमजोर पहाडों पर भारी- भरकम ब्लास्टग हो रही है। संकीर्ण पगडंडियों को चार लेन की सरपट सडक बनाने हेतु कार्यं किये जा रहे हैं। आधुनिक तकनीक के प्रयोगों ने वहां के निवासियों को जीते जी मौत के मुंह में पहुंचाना शुरू कर दिया है। धर्म के नाम पर एक बडा वर्ग स्वार्थ का वर्चस्व कायम करने में लगा है। वुछ लोग आस्था के चश्मे से पिकनिक की मौज देखने में जुटे हैं। तीर्थ यात्राओं के मुखौटे के पीछे से विलासता को तलाशने वालों की संख्या में बढोत्तरी हो रही हैं। भारतीय संस्वृति, पुरातन विधाओं और सनातनी मूल्यों को लालफीताशाही ने निहित स्वार्थो की परूति पर बलिदान कर दिया है। ज्यादातर लोगों ने कर्तव्यों को हाशिये पर पहुंचाकर अधिकारों की तलवारें खींच लीं हैं। उत्तरदायी लोगों की आंखों से सामने ही व्यवस्था की धज्जियां उडाने वाले प्रकरणों में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। संवैधानिक संस्थाओं के अनेक वृत्य उनकी निरंवुशता का बोध करा रहे हैं। कार्यंपालिका, विधायिका और न्यायापालिका से जुडे अनेक जिम्मेदार लोगों पर स्वार्थ सिद्धि के आरोपों ने तो देश के आने वाले कल पर ही प्रश्नचिन्ह अंकित कर दिये हैं। ऐसे हालातों में प्रावृतिक आपदाओं के कारण, स्वरूप और परिणामों की बृहद समीक्षा की जाना नितांत आवश्यक है ताकि इसके प्रवृतिजन्य, मानवजन्य और संयोगजन्य कारकों को रेखांकित किया जा सके। यही कारक विकराल होती समस्याओं के स्थाईं निदान का धरातल तैयार करने में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यंपालिका, विधायिका और न्यायापालिका से जुड़े अनेक जिम्मेदार लोगों पर स्वार्थ सिद्धि के आरोपों ने तो देश के आने वाले कल पर ही प्रश्नचिन्ह अंकित कर दिए हैं। ऐसे हालातों में प्रावृतिक आपदाओं के कारण, स्वरूप और परिणामों की बृहद समीक्षा की जाना नितांत आवश्यक है ताकि इसके प्रवृतिजन्य, मानवजन्य और संयोगजन्य कारकों को रेखांकित किया जा सके।

आप का नजरिया

कुलदीप पठानिया की पहल

विधानसभा का तपोवन परिसर लोकतांत्रिक प्रतिष्ठा के सवालों पर एक ऐसी मंत्रणा तक पहुंचा, जहां देश के सियासी चरित्र पर खुलकर बात हुई। दलबदल कानून की पैरवी में हिमाचल ने सारे राष्ट्र को मूलमंत्र दिया है। ऐसे में धूमकेतु की तरह भारतीय लोकतंत्र पर चिंतन का प्रकाश कौंधा है। इस सब के पीछे हिमाचल विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप पठानिया का नजरिया कई तरह से सामने आया। यह पहली पहल है जिसने तपोवन परिसर में कई खिड़कियां खोल दीं और राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वावधान में राष्ट्रीय चिंतन का ध्वजारोहण हुआ। इस तरह तपोवन परिसर के कालीन बदलने के बजाय जन प्रतिनिधियों के मानसिक पटल पर प्रभावशाली दस्तक दी गई। कहना न होगा कि हिमाचल यह संदेश देने में कामयाब हो गया कि दलबदल एक लोकतांत्रिक अपराध है और जिसने हिमाचल के चरित्र को भी सडक़ पर बिकने को तैयार कर दिया था। यहां हिमाचल विधानसभा अध्यक्ष की गणना एक श्रेष्ठ संवैधानिक पुरुष के रूप में तब हुई जब राज्यसभा की चुनाव प्रक्रिया में सत्ता रूढ़ कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों ने लोकतांत्रिक परंपराओं की दीवारें फांदी थी। यही वजह है कि दलबदल पैमाने में पठानिया ने न केवल छह विधायकों की सदस्यता को निरस्त किया, बल्कि न्याय की परिपाटी में यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय तक के फैसले में नजीर बनी। अब हिमाचल में दलबदल विरोधी कानून की सख्त पैरवी के तहत यह प्रावधान करने का इरादा जाहिर है कि ऐसा कदम उठाते ही सदस्यता के अलावा वित्तीय फायदे भी खत्म हो जाएंगे और अगले छह साल तक वो व्यक्ति चुनाव लडऩे से वंचित भी हो जाएगा। फिलहाल विधेयक राज्यपाल की मंजूरी के लिए शीर्षासन कर रहा है। ऐसे में तपोवन की क्लास में लोकतांत्रिक मर्यादा के विषयों पर विभिन्न राज्यों से आए जनप्रतिनिधियों ने स्वविवेक से निकले उच्च स्तरीय विचार प्रकट किए। सम्मेलन के दो पहलू रहे। पहला लोकतांत्रिक आचरण की जवाबदेही और मर्यादा के विषय रहे, तो दूसरा हिमाचल प्रदेश की विधानसभा के तपोवन प्रांगण की प्रासंगिकता के मूल प्रश्न का हल था। इसके पटल पर लिख दिया गया कि यहां संसदीय विरोधाभास तथा राजनीतिक प्राथमिकताओं के अलावा भी ऐसे मुद्दे हैं जो किसी भी पक्ष के लिए गौण नहीं होंगे। ऐसे आयोजनों की पैरवी करते हुए विधानसभ अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानिया तपोवन परिसर को लोकतांत्रिक विचारों की तपोस्थली बना देते हैं। ऐसे अनेक आयोजन तपोवन की भूमिका को, महज शीतकालीन सत्र से कहीं आगे और राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में एक महत्त्वपूर्ण संस्थान बना देते हैं। यह संस्थान कल संसदीय परंपराओं और कार्यवाहियों का प्रशिक्षण केंद्र तथा नागरिक समाज के लिए अनुसंधान संस्थान जैसा हो सकता है। शायद जनता के सवालों और ख्यालों को समझते हुए ही कुलदीप सिंह पठानिया, विधानसभा के तपोवन परिसर को खोल देते हैं। अब यहां सुबह ग्यारह से सायं सात बजे तक नागरिक समुदाय विधानसभा की दर्शक दीर्घा तक जा सकता है। यह एक सुखद पहल है, लेकिन और सार्थक बनाने के लिए पुस्तकालय का सार्वजनिक होना भी जरूरी है। इसके अलावा परिसर की रूपरेखा में जन सुविधाएं तथा भारतीय लोकतंत्र व आजादी से जुड़े विषयों पर लगातार प्रदर्शनियों तथा इन पर आधारित फिल्मों तथा नाटकों का मंचन करने के लिए भी अधोसंरचना का निर्माण हो सकता है। समय-समय पर अगर हिमाचल के विधायकों और जनता के बीच विभिन्न विषयों पर परिचर्चाओं का आयोजन भी यहां हो, तो यह स्थल अपने आप में एक अनुकरणीय उदाहरण पेश करेगा।

दलबदल कानून की पैरवी में हिमाचल ने सारे राष्ट्र को मूलमंत्र दिया है। ऐसे में धूमकेतु की तरह भारतीय लोकतंत्र पर चिंतन का प्रकाश कौंधा है। इस सब के पीछे हिमाचल विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप पठानिया का नजरिया कई तरह से सामने आया। यह पहली पहल है जिसने तपोवन परिसर में कई खिड़कियां खोल दीं और राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के तत्वावधान में राष्ट्रीय चिंतन का ध्वजारोहण हुआ। इस तरह तपोवन परिसर के कालीन बदलने के बजाय जन प्रतिनिधियों के मानसिक पटल पर प्रभावशाली दस्तक दी गई। कहना न होगा कि हिमाचल यह संदेश देने में कामयाब हो गया कि दलबदल एक लोकतांत्रिक अपराध है और जिसने हिमाचल के चरित्र को भी सडक़ पर बिकने को तैयार कर दिया था। यहां हिमाचल विधानसभा अध्यक्ष की गणना एक श्रेष्ठ संवैधानिक पुरुष के रूप में तब हुई जब राज्यसभा की चुनाव प्रक्रिया में सत्ता रूढ़ कांग्रेस और निर्दलीय विधायकों ने लोकतांत्रिक परंपराओं की दीवारें फांदी थी। यही वजह है कि दलबदल पैमाने में पठानिया ने न केवल छह विधायकों की सदस्यता को निरस्त किया, बल्कि न्याय की परिपाटी में यह कार्रवाई सर्वोच्च न्यायालय तक के फैसले में नजीर बनी।

दृष्टि कोण

मोदी युग में जनजातीय गौरव का दशक

पीएम मोदी ने अक्सर कहा है कि "जनजातीय समुदाय न केवल भारत के जंगलों के संरक्षक हैं, बल्कि भारत की आत्मा के भी।" यह दृष्टिकोण, जो निर्भरता नहीं बल्कि सम्मान, दया नहीं बल्कि गर्व पर आधारित है, अब शासन की सोच और नीति की दिशा को निर्धारित कर रहा है। मोदी युग में जनजातीय गौरव का दशक दशकों तक भारत के जनजातीय समुदाय राष्ट्रीय विमर्श में हाशिए पर रहे - उन्हें देश की कहानी में भागीदारों की बजाय केवल दूर-दराज़ के जंगलों में रहने वाले लोगों के रूप में देखा गया। पेड़ों की नीरवता और ढोल की थाप के साथ उनके पूर्वजों ने ज्ञान, साहस और प्रवृति से जुड़कर जीवन जिया। फिर भी, भारत की राष्ट्रीय धारा में उनकी उपस्थिति या तो भुला दी गईं या जानबूझकर अनदेखी की गईं। लेकिन पिछले 11 वर्षों से एक शांत बदलाव हो रहा है - जिसने न केवल जनजातीय धरोहर को पुनजावित किया है, बल्कि उसमें गर्व और उद्देश्य भी जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, जो कभी हाशिए पर था, उसे अब भारत की सांस्वृतिक और विकास यात्रा के वेंद्र में लाया गया है। जनजातीय संस्वृति, कला और ज्ञान को नया सम्मान मिला है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अब सैकड़ों जनजातीय समुदायों के हजारों परिवार, जो वर्षो से हाशिये पर थे, पहली बार खुद को देखा, सुना और सम्मानित महसूस कर रहे हैं। यह बदलाव संयोग नहीं है - यह जनजातीय विरासत को राष्ट्रीय चेतना में एकीवृत करने के लिए निरंतर और संवेदनशील प्रयास का परिणाम है। एक महत्वपूर्ण क्षण 2021 में आया, जब प्रतिष्ठित जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया गया। देश भर में जनजातीय

बुजुर्गो की आँखों में आंसू छलक आए, जब उन्होंने देखा कि राष्ट्र ने आखिरकार उस नायक को सम्मान दिया, जो उनके दिलों में हमेशा से हीरो था, लेकिन इतिहास की किताबों में गायब था। देश भर में 11 जनजातीय स्वतंत्रता सेनानी संग्रहालय विकसित किए जा रहे हैं, जो उन वीर योद्धाओं की भूली-बिसरी कहानियों को सामने ला रहे हैं, जिन्होंने तिरंगे के लिए खून बहाया, लेकिन पाठापुस्तकों में जगह नहीं पाईं। इनमें मानगढ़ धाम की कहानी है, जहाँ 1913 में गोविद गुरु जी के साथ खड़े सैकड़ों भील जनजातियों को अंग्रेजों ने मार डाला। दशकों तक यह स्थल अधिकांश भारतीयों के लिए अज्ञात रहा। लेकिन जब पीएम मोदी ने इसे राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित किया, तो उन्होंने न केवल भीलों को एक स्मारक दिया, बल्कि राष्ट्र को एक संदेश भी दिया: हर कहानी मायने रखती है। हर त्रासदी मायने रखती है। हर भारतीय मायने रखता है। राष्ट्र अब हमारे जनजातीय स्वतंत्रता सेननियों-भगवान बिरसा मुंडा, गोविद गुरु जी, रानी गाइदिन्ल्यू, अल्लूरी सीताराम राजू, तिरोत सिह सिएम जैसे अनगिनत हस्तियों के स्मरण में सिर झुकाता है। यह केवल प्रतीकात्मक इशारा नहीं, बल्कि सांस्वृतिक सुधार है। प्रतिनिधित्व की बात करें तो श्रीमति द्रौपदी मुर्मू जी का उल्लेख जरूरी है- एक जनजातीय महिला, जो देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद-राष्ट्रपति तक पहुँचीं। वे भारतीय सशस्त्र बलों की सर्वोच्च कमांडर हैं, और उनकी शांत शक्ति करोड़ों सपनों और आकांक्षाओं की वह सामूहिक जीत है, जो अतीत की जड़ों को वर्तमान की उम्मीदों से जोड़ती है। मान्यता केवल नेतृत्व तक सीमित नहीं रही। जनजातीय रचनात्मकता, कला, संस्वृति और ज्ञान अब भारत की गौरवशाली विरासत के रूप में देखे जा रहे हैं, न कि पुरानी लोककथाओं के रूप में। पीएम मोदी के अंतर्गत, पा पुरस्कार अभिजात्य वर्ग के सम्मान से बदलकर सच्चे जन सम्मान बन गए हैं। भील चित्रकार, गोंड लकड़ी के कारीगर, बैगा शिल्पकार और पर्यांवरण की रक्षा में सर्मपित जनजातीय परंपराओं के संरक्षक - ये संस्वृति के मौन प्रहरी अब राष्ट्रीय चेतना का अभिन्न अंग बन चुके हैं। जो कभी "पिछड़ा" माना जाता था, वह अब "सुंदर" है, और जो "असय" था, उसे अब पवित्र के रूप में मान्यता मिल रही है।

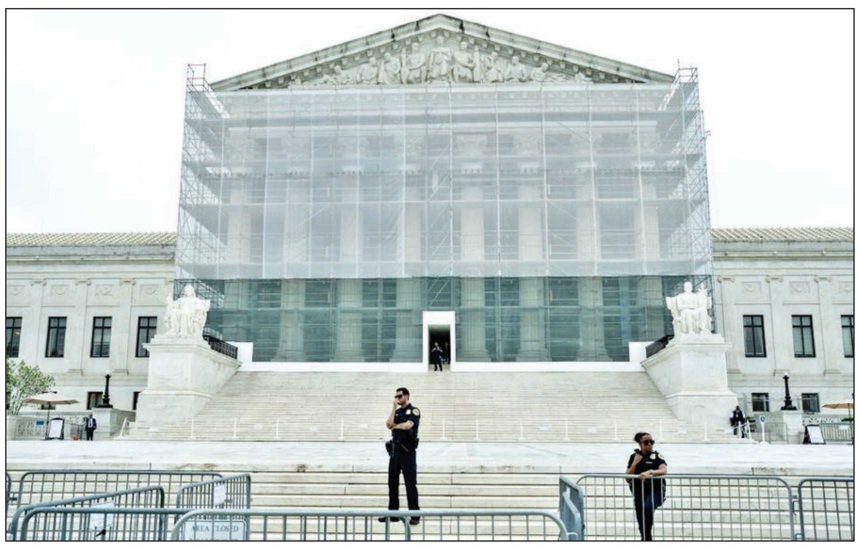

अमेरिका में संघीय कर्मचारियों की छंटनी का रास्ता साफ, सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ट्रंप के हाथ खुले

वाशिंगटन,09 जुलाई (एजेंसियां) । अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हाथ खोल दिए हैं। शीर्ष अदालत ने मंगलवार को संघीय कार्यबल में कटौती करने और संघीय एजेंसियों को खत्म करने की उनकी योजना पर निचली अदालत के प्रतिबंध के फैसले को पलट दिया। सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ट्रंप के रास्ते में आई बड़ी कानूनी अड़चन खत्म हो गई। वह अब संघीय कर्मचारियों की बड़े पैमाने पर छंटनी कर सकते हैं।

खबर के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से आवास और शहरी विकास, राज्य और राजकोष विभागों सहित अन्य एजेंसियों के हजारों कर्मचारियों की नौकरी जा सकती है। खबर में यह भी कहा गया है कि शीर्ष अदालत के न्यायाधीशों का आदेश तकनीकी रूप से केवल अस्थायी है। मगर वह ट्रंप को अपनी योजनाओं को पूरा करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है। इसी साल मई में एक संघीय न्यायाधीश ने व्हाइट हाउस के सरकारी दक्षता विभाग की नौकरियों में कटौती की योजना पर रोक लगा दी थी। इसके बाद न्याय विभाग ने तत्काल राहत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। ट्रंप ने फरवरी में कार्यकारी आदेश जारी कर एजेंसियों को बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की संख्या में कटौती करने की योजना बनाने का निर्देश दिया था। इसके बाद कार्मिक प्रबंधन कार्यालय और बजट प्रबंधन कार्यालय में हलचल तेज हुई। इस बीच इस कार्यकारी आदेश को निजली अदालत में चुनौती दी गई। अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले की सराहना करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा, सुप्रीम कोर्ट ने अराजक निचली अदालतों को राष्ट्रपति ट्रंप के संघीय कर्मियों पर अधिकार को प्रतिबंधित करने से रोक दिया है। न्याय विभाग के वकीलों की बदौलत सुप्रीम कोर्ट में एक और जीत। अब, संघीय एजेंसियां पहले से कहीं अधिक कुशल बनेंगी। सुप्रीम कोर्ट से इस फैसले पर श्रमिक संघों, गैर-लाभकारी संगठनों, शहरों और काउंटियों के गठबंधन ने निराशा व्यक्त की है।

न्यूज ब्रीफ

बाढ़ और भूस्खलन के कारण नेपाल के दस राजमार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध

काठमांडू। लगातार बारिश के कारण देश के सभी प्रमुख नदियों में आई बाढ़ और भूस्खलन ने देश भर के दस राष्ट्रीय राजमार्गों को पूरी तरह से अवरुद्ध कर दिया है। बीती रात से नेपाल के अधिकांश स्थानों पर लगातार बारिश हो रही है। नेपाल पुलिस मुख्यालय के अनुसार, अवरुद्ध सड़कों में संखुवासभा में कोशी राजमार्ग, पंचथर में मेची राजमार्ग, रसुवा में पासंग ल्हामु राजमार्ग, मकवानपुर में कांति लोकपथ, म्याग्दी में दरबांग रोड, नवलपरासी में पूर्व-पश्चिम महेन्द्र राजमार्ग, डोल्पा में भेरी कॉरिडोर, पश्चिमी रुकुम में जाजरकोट-डोल्पा कॉरिडोर और बझांग में जय पृथ्वी राजमार्ग शामिल हैं। इस बीच, अन्य कुछ राजमार्ग और प्रमुख सड़के भी भूस्खलन के कारण अवरुद्ध हो गई थीं जिन्हें आंशिक रूप से फिर से खोल दिया गया है और पहले के व्यवधानों के कारण यातायात का एकतरफा संचालन किया जा रहा है। इनमें बनेपा-भक्तपुर रोड, बागलुंग में कालीगडकी कॉरिडोर, गुल्मी में सड़क का एक हिस्सा और रोल्पा में शाहिद राजमार्ग शामिल हैं। मौसम विज्ञान विभाग ने काठमांडू में बागमती, रूद्रमति, सुंदरीजल और धोबीखोला नदियों का जल स्तर खतरे के निशान से ऊपर बहने के कारण अलर्ट जारी किया है। मंगलवार आधी रात के आसपास लगातार बारिश शुरू होने के कारण पानी खतरे के निशान को पार कर गया। डिवीजन के इंजीनियर आशीष भट्ट ने बताया कि काठमांडू में बहने वाली सभी नदियों के किनारे रहने वाले लोगों को तड़के तीन बजे ही मोबाइल पर एसएमएस के माध्यम से अलर्ट जारी किया गया है।

पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने अफगानिस्तान की सीमा पर आठ आतंकी मार गिराए

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने मुल्क के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में मंगलवार को अफगानिस्तान के कुनार प्रांत से घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे आठ आतंकवादियों को मार गिराया। इनका संबंध फितना अल-खवारिज संगठन से बताया गया है। खबर के अनुसार, सुरक्षाबलों ने आतंकवादियों को पहले ललकारा। उनपर इसका असर पड़ता न देख सुरक्षाबलों ने लोवी मामुंड तहसील के पास आठों को ढेर कर दिया। लोवी मामुंड तहसील पहाड़ी और आदिवासी इलाका है। सुरक्षाबलों ने यह कार्रवाई खुफिया सूचना के आधार पर की। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने इस कार्रवाई पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। स्थानीय निवासियों ने इलाके में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच झड़पों की पुष्टि की है। ग्रामीणों के अनुसार, सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच कई घंटों तक चली झड़पों में एक बच्चा घायल हो गया। उसकी पहचान अब्दुर रऊफ के बेटे मुहम्मद खान के रूप में हुई है। उसे पहले लारखोलोजो अस्पताल ले जाया गया और बाद में जिला मुख्यालय अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि आतंकवादियों ने दो जुलाई को बाजोर जिले के खार तहसील के सादिकाबाद इलाके में एक सरकारी वाहन को बम से उड़ा दिया था। इसमें नवागई के सहायक आयुक्त फैसल इस्माइल और तहसीलदार अब्दुल वकील खान सहित पांच लोग मारे गए थे और चार पुलिसकर्मियों सहित 17 अन्य घायल हो गए थे।

लाल सागर में मालवाहक जहाज पर हमला, चालक दल के दो सदस्यों की मौत

सना। लाल सागर में यमन के तट के पास एक मालवाहक जहाज इटरनिटी सी पर हुए घातक हमले में चालक दल के दो सदस्यों की मौत हो गई है। यह जहाज लाइबेरिया के ध्वज तले चल रहा था और हमले के वक्त समुद्री मार्ग से गुजर रहा था। अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन में लाइबेरिया के प्रतिनिधि ने इस हमले की पुष्टि करते हुए बताया कि इटरनिटी सी पर भयंकर हमला किया गया, जिसमें दो नाविकों की जान चली गई। हमले में जहाज को गंभीर क्षति पहुंची है और वह समुद्र में एक ओर झुक गया है। जानकारी अनुसार, इस हमले में छोटी नावों से रॉकेट-प्रोपेल्ड ग्रेनेड (आरपीजी) दागे गए, जिससे जहाज की संरचना बुरी तरह प्रभावित हुई। एजेंसी ने यह भी बताया कि चालक दल के 22 सदस्यों में से 11 फिलीपींस, 1 रूस और अन्य देशों के नागरिक शामिल हैं। अभी तक किसी भी आतंकी गुट या संगठन ने इस हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला ऐसे समय में हुआ है ।

रावलपिंडी सेंट्रल जेल में कैद इमरान खान ने फूंका आंदोलन का बिगुल

इस्लामाबाद, 09 जुलाई (एजेंसियां) । पाकिस्तान की अदियाला जेल (रावलपिंडी सेंट्रल जेल) में लगभग 23 माह से कैद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने शहबाज सरकार के खिलाफ आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। पीटीआई के अंतरिम अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने कहा कि पार्टी नेता इमरान ने हिम्मत नहीं हारी है। उन्होंने देशव्यापी आंदोलन का आह्वान किया है। गौहर ने मंगलवार को उनसे अदियाला जेल में मुलाकात के बाद यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इमरान खान को जेल की तन्हाई में रखा गया है।

खबर के अनुसार, बैरिस्टर गौहर अली खान ने कहा कि इमरान खान को 2023 में पांच अगस्त को ही गिरफ्तार किया गया था। अगले माह इस दिन सरकार के खिलाफ आंदोलन का समापन करते हुए पीटीआई बड़ी रैली करेगी। यह कहां होगी, इसकी घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने कहा कि इमरान खान ने अब सरकार के साथ किसी भी तरह की बातचीत से इनकार कर दिया है।

गौहर के अनुसार, मुलाकात के दौरान पीटीआई संस्थापक इमरान ने कहा, देश की खातिर, मैंने बार-बार बातचीत की पेशकश की, लेकिन अब बातचीत का समय बीत चुका है। 26वें संविधान संशोधन के बाद अदालतों से न्याय की जो उम्मीद थी, वह पूरी तरह खत्म हो गई है। इसलिए अब देशव्यापी विरोध आंदोलन के अलावा कोई और रास्ता मुल्क को अराजकता के इस दलदल से बाहर नहीं निकाल सकता।

उन्होंने कहा, देशव्यापी आंदोलन की पूरी कार्ययोजना इसी हफ्ते पेश की जाएगी। पांच अगस्त को मेरी अन्यायपूर्ण कैद को दो साल पूरे हो जाएंगे। इसी दिन आंदोलन का समापन होगा। अब किसी से किसी भी तरह की कोई बातचीत नहीं होगी। सिर्फ सड़कों पर विरोध प्रदर्शन होगा ताकि देश को बलपूर्वक थोपे गए कठपुतली शासकों से मुक्ति मिल सके।

अदियाला जेल के बाहर पत्रकारों से बातचीत में बैरिस्टर गोहर ने कहा कि एकांत कारावास में रहते हुए भी खान मानसिक रूप से पहले से कहीं अधिक मजबूत हैं। संस्थापक ने हमें संदेश दिया है-तैयार हो जाओ, जुट जाओ और शांतिपूर्वक लेकिन निडर होकर अपनी आवाज उठाओ।

खबर के अनुसार, इमरान खान की बहन अलीमा खान ने कहा कि इमरान खान ने पीटीआई को मुहर्रम की 10 तारीख के बाद सरकार के खिलाफ आंदोलन शुरू करने का निर्देश दिया है। पार्टी मुहर्रम खत्म होने के बाद आंदोलन की रणनीति का खुलासा करेगी। आंदोलन का नेतृत्व उनके भाई जेल से करेंगे। अलीमा ने दावा किया कि खान को पिछले 10 महीनों से अपने निजी चिकित्सक से मिलने नहीं दिया गया। पीटीआई प्रवक्ता शेख वकास अकरम ने कहा कि आंदोलन के पहले चरण में प्रांतों और जिलों में प्रदर्शन होंगे। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री अली अमीन गंडापुर विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व करेंगे।

तुर्किये के विदेशमंत्री इस्लामाबाद पहुंचे

इस्लामाबाद। तुर्किये के विदेशमंत्री हकान फिदान पाकिस्तान की आधिकारिक यात्रा पर इस्लामाबाद पहुंचे। एक दिन पहले तुर्किये के विदेश मंत्रालय ने घोषणा की थी कि फिदान रक्षामंत्री यासर गुलर के साथ 09 जुलाई को पाकिस्तान का दौरा करेंगे। फिदान ने पिछले साल मई में भी पाकिस्तान का दौरा किया था। खबर के अनुसार, पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने एक्स पोस्ट में कहा, पाकिस्तान में उनकी आधिकारिक यात्रा के दौरान आपसी हित के सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। यह यात्रा पाकिस्तान और तुर्किये के बीच घनिष्ठ और भाईचारे के संबंधों को दर्शाती है। यह साझा इतिहास, संस्कृति और आपसी विश्वास पर आधारित है।

अमेरिका के एयरपोर्ट्स पर यात्रियों को अब नहीं उतारने होंगे जूते, 20 साल पुराना नियम खत्म

वाशिंगटन, 09 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच के दौरान यात्रियों को अब अपने जूते उतारने की आवश्यकता नहीं होगी। परिवहन सुरक्षा प्रशासन (टीएसए) ने लगभग दो दशक पुराने इस नियम को खत्म करने का फैसला लिया है। यह निर्णय देशभर के सभी हवाई अड्डों पर तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

अमेरिका की होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने इस फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि सुरक्षा प्रणाली अब पहले की तुलना में कहीं अधिक उन्नत और सटीक हो चुकी है। उन्होंने बताया कि सुरक्षा जांच की बहुस्तरीय प्रणाली बरकरार रहेगी, लेकिन यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इस बदलाव को जरूरी माना गया। नोएम ने स्पष्ट किया कि यात्रियों को अभी भी बेल्ट, जैकेट और कोट उतारने होंगे। इसके अलावा लैपटॉप और तरल पदार्थों को भी बैग से निकालकर अलग ट्रे में रखना अनिवार्य रहेगा। हालांकि, इन नियमों की भी समीक्षा की जा रही है और आने वाले समय में इन पर भी बदलाव संभव है। क्रिस्टी नोएम ने कहा, हमारी सुरक्षा तकनीक अत्यधिक परिष्कृत हो चुकी है। स्कैनिंग सिस्टम पहले की तुलना में अधिक संवेदनशील और प्रभावी हैं। यही कारण है कि टीएसए ने यह अहम कदम उठाया है। इस निर्णय से अमेरिका आने-जाने वाले लाखों यात्रियों को राहत मिलेगी, जो अब जांच प्रक्रिया में अधिक सहजता महसूस करेंगे। कब और कैसे बना जूते उतारने का नियम यह नियम 2001 में लागू किया गया था, जब दिसंबर में पेरिस से मियामी जा रही एक फ्लाइट में एक ब्रिटिश नागरिक ने अपने जूते में बम छिपा लिया था। हालांकि वह बम विस्फोट करने में असफल रहा और यात्रियों की सतर्कता से उसे पकड़ लिया गया। इसके बाद अमेरिका ने 2006 में एयरपोर्ट जांच के दौरान जूते उतरवाने का सख्त नियम लागू किया था।

फ्रांस के जंगल में आग

फ्रांस में जंगल की आग के दौरान ही उठता हुआ धूआं।

ट्रंप ने पुतिन पर साधा निशाना, रूस पर नए प्रतिबंधों के दिए संकेत

वाशिंगटन, 09 जुलाई (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन युद्ध के मुद्दे पर आड़े हाथों लिया है। मंगलवार को व्हाइट हाउस में आयोजित एक कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रंप ने पुतिन की नीति पर नाराजगी जाहिर करते हुए रूस पर और सख्त प्रतिबंध लगाने के संकेत दिए।

ट्रंप ने कहा, हमें पुतिन की तरफ से बहुत सी बकवास मिल रही है। वो हर वक्त बहुत अच्छे बनते हैं, लेकिन वह सब बेकार साबित हो रहा है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पुतिन बहुत सारे लोगों की जान ले रहे, अपने सैनिकों की भी और यूक्रेन के लोगों की भी।

इस दौरान सीनेट द्वारा प्रस्तावित रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंधों के बिल को समर्थन देने के एक सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, मैं इस पर गंभीरता से विचार कर रहा हूं, लेकिन आगे की योजनाओं पर चुप्पी साधते हुए कहा, क्या हम थोड़ा सरप्राइज नहीं चाहेंगे

ट्रंप ने यह भी घोषणा की कि अमेरिका यूक्रेन को और अधिक 'रक्षात्मक हथियार' भेजेगा। पेंटागन ने इस पर सामर्थ्य समीक्षा शुरू कर दी है।

इस बीच, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने ब्रिटिश संसद को संबोधित करते हुए यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने कहा, हम आखिरी क्षण तक संघर्ष करेंगे ताकि युद्धविराम हो और एक स्थायी शांति स्थापित हो। यूक्रेन में हमारे साझा सिद्धांत और सुरक्षा दांव पर लगे हैं।

उधर, क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने कहा है कि रूस आगे की बातचीत के लिए यूक्रेन से तारीखों के प्रस्ताव का इंतजार कर रहा है। साथ ही, रूस ने बीते दिन यूक्रेन के ड्निप्रोपेत्रोव्स्क क्षेत्र के डाचने गांव पर कब्जे का दावा किया है।

यूएई सरकार ने नए लाइफटाइम गोल्डन वीजा की रिपोर्ट्स को बताया फर्जी

दुबई ,09 जुलाई । फेडरल अथॉरिटी फॉर आइडेंटिटी, सिटीजनशिप, कस्टम और पोर्ट सिक्योरिटी (आईसीपी) ने कुछ स्थानीय और विदेशी मीडिया एवं वेबसाइटों में प्रकाशित उन रिपोर्टों को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया है कि यूएई कुछ देश के नागरिकों को आजीवन गोल्डन वीजा दे रहा है।आईसीपी ने कहा, सभी यूएई गोल्डन वीजा आवेदनों को देश के भीतर आधिकारिक सरकारी चैनलों के माध्यम से विशेष रूप से प्रबंधित किया जाता है और किसी भी आंतरिक या बाहरी सलाहकार निकाय को आवेदन प्रक्रिया में अप्रूवड पार्टी नहीं माना जाता है।आईसीपी के बयान में कहा गया, गोल्डन रेजिडेंस की श्रेणियां, उनकी शर्तें और नियंत्रण यूएई के कानूनों, विधान और आधिकारिक मंत्रिस्तरीय निर्णयों के अनुसार निर्धारित किए जाते हैं। जो लोग यूएई गोल्डन वीजा की आवश्यकताओं को जानना चाहते हैं, वे आईसीपी वेबसाइट या स्मार्ट एप्लिकेशन के माध्यम से उन्हें प्राप्त कर सकते हैं।कई भारतीय मीडिया संस्थानों और कुछ यूएई-स्थित संस्थाओं द्वारा गोल्डन वीजा पर जारी रिपोर्ट्स पर आईसीपी ने कहा कि यह सोमवार, 7 जुलाई को कानून के समर्थन या यूएई के सक्षम अधिकारियों से संपर्क किए बिना प्रकाशित किए गए थे।

आईसीपी ने कहा, वह ग्राहकों को एक सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। हम पारदर्शिता बढ़ाने और केवल आधिकारिक डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से सेवाओं को लगातार अपडेट करने के लिए काम कर रहे हैं।

आईसीपी ने यह भी चेतावनी दी कि संयुक्त अरब अमीरात में रहने और निवास करने के इच्छुक लोगों से धन प्राप्त करने के प्रयास में इन अफवाहों को फैलाने वाली संस्थाओं के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।कुछ दिनों पहले गोल्डन वीजा पर आई मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया था कि यूएई ने नामांकन आधारित नया गोल्डन वीजा प्रोग्राम शुरू किया है। इसमें विदेशी नागरिक एक निश्चित फीस चुकाकर जीवन भर यूएई में रह सकते हैं।रिपोर्ट्स में बताया गया कि इस गोल्डन वीजा की फीस करीब 1,00,000 एईडी (संयुक्त अरब अमीरात दिरहम) या भारतीय रुपयों में 23.3 लाख रुपए निर्धारित की गई है। इसे हासिल करने के लिए पहले की तरह स्थानीय प्रॉपर्टी में भी कोई निवेश नहीं करना होगा।

अब ट्रंप ने दी फार्मास्युटिकल उत्पाद पर टैरिफ लगाने की धमकी

वाशिंगटन,09 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर वैश्विक व्यापार पर आक्रामक नजर आ रहे हैं। पहले उन्होंने कई देशों को निशाना बनाया और अब वे उत्पाद-विशेष पर भारी टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं। इस बार वह कॉपर और फार्मास्युटिकल उत्पाद पर टैरिफ लगाने की बता कह रहे हैं। ट्रंप ने इन पर क्रमशः 50 फीसदी और 200 फीसदी तक का टैरिफ लगाने की बात कही है, जिसका सीधा असर भारत जैसे देशों पड़ेगा। भारत के लिए यह चिंता की बात है क्योंकि देश का फार्मा उद्योग अमेरिका पर काफी हद तक निर्भर है और कॉपर उत्पादों का भी एक बड़ा हिस्सा अमेरिका को निर्यात किया जाता है।

भारत पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर कई कंपनियां अमेरिका पर निर्भर

वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने करीब 17 हजार करोड़ रुपए के कॉपर और उससे जुड़े उत्पादों का निर्यात किया, जिनमें से करीब 17 फीसदी यानी 36 करोड़ डॉलर का निर्यात केवल अमेरिका को किया गया। फार्मा सेक्टर की बात करें तो भारत ने अमेरिका को करीब 9.8 अरब डॉलर यानी करीब 86 हजार करोड़ रुपए की दवाओं की आपूर्ति की। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि अमेरिका में उपयोग की जाने वाली करीब 40 फीसदी जेनरिक दवाएं भारत से निर्यात की जाती हैं। ऐसे में अगर प्रस्तावित 200 फीसदी टैरिफ लागू होता है तो इसका असर भारत की दवा कंपनियों पर महसूस पड़ेगा।

भारत की अग्रणी दवा कंपनियों में से ज्यादातर की आय का बड़ा हिस्सा अमेरिकी बाजार से आता है। जैसे सन फार्मा की कुल कमाई में अमेरिका की हिस्सेदारी करीब 35 फीसदी है। यह कंपनी जेनरिक, स्पेशल जेनरिक और न्यूरोलॉजिकल दवाओं का अमेरिका को बड़ा निर्यातक है। ऑरोबिंदो फार्मा की आधी आय अमेरिका से आती है और वह वहां एंटीबायोटिक्स, एंटीवायरल और कार्डियोवैस्कुलर दवाओं की आपूर्ति करती है। डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज की 38 से 45 फीसदी आय अमेरिका से होती है और वह जेनरिक के साथ-साथ बायोसिमिलर्स और ओवर-द-काउंटर दवाएं भी वहां भेजती है। ल्यूपिन लिमिटेड की 40 फीसदी कमाई अमेरिका से होती है और हाल ही में इसने वहां एक नई दवा लॉन्च की है।

सिप्ला लिमिटेड की करीब 30 फीसदी आय अमेरिकी बाजार से आती है, जहां वह सांस और एचआईवी जैसी बीमारियों की दवाएं भेजती है। जायडस लाइफसाइंसेज की 45 फीसदी, ग्लैंड फार्मा की 50 फीसदी और ग्लेनमार्क फार्मा की 35 फीसदी कमाई अमेरिका पर आधारित है। वहीं, नैटको फार्मा तो 70 फीसदी तक अमेरिका पर निर्भर है, जो कैंसर और हेपेटाइटिस-सी जैसी बीमारियों की दवाएं वहां भेजती है।

न्यूज ब्रीफ

डीजीसीए ने सुरक्षा में सुधार को उड़ान प्रशिक्षण संगठनों के लिए रैंकिंग प्रणाली शुरू की

नई दिल्ली। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने पायलट प्रशिक्षण गतिविधियों की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार के उद्देश्य से देश में उड़ान प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं (एफटीओ) के लिए रैंकिंग प्रणाली शुरू की है। डीजीसीए ने बुधवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी और कहा कि इसको लेकर 8 जुलाई को एक पत्र जारी किया गया है। इसमें विमानन नियामक ने कहा है कि देशभर में रैंकिंग प्रणाली इस साल 1 अक्टूबर से लागू की जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न प्रशिक्षण संस्थाओं की रैंकिंग हर साल दो बार एक अक्टूबर और एक अप्रैल को जारी की जाएगी। डीजीसीए ने पत्र में कहा है कि एफटीओ को विभिन्न मानदंडों के आधार पर रैंकिंग दी जाएगी। इसके अलावा, यदि किसी एफटीओ का पूरा स्कोर 50 फीसदी से कम रहता है तो संबंधित इकाई को उनके प्रदर्शन में सुधार के लिए स्व-विश्लेषण के लिए नोटिस दिया जाएगा। डीजीसीए के अनुसार एफटीओ रैंकिंग प्रणाली छात्रों के हितों की रक्षा और भारत में विमानन क्षेत्र के सुरक्षित और सतत विकास के लिए आवश्यक गुणवत्ता-प्रशिक्षित पायलटों की एक श्रृंखला सुनिश्चित करने के दोहरे उद्देश्य को पूरा करेगी। उल्लेखनीय है कि देश में 52 ठिकानों पर 34 डीजीसीए-अनुमोदित एफटीओ कार्यरत हैं, जो सीपीएल (वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस) प्रदान करने के लिए विमान उड़ान प्रशिक्षण देते हैं।

व्यापारिक बाजारों पर भारत बंद का कोई असर नहीं : प्रवीण खंडेलवाल

नई दिल्ली। देशभर के किसी भी वाणिज्यिक बाजार पर कथित भारत बंद का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। सभी व्यापारिक बाजार और कारोबारी केंद्र सामान्य रूप से खुले हैं और प्रतिदिन की तरह कारोबारी गतिविधियां सामान्य रूप से जारी हैं। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने बुधवार को बताया कि देशभर के व्यापारियों ने इस बंद का कोई समर्थन नहीं किया है। उन्होंने अपने प्रतिष्ठान खुले रखकर कारोबार को जारी रखने का फैसला लिया है। चांदनी चौक से भाजपा सांसद खंडेलवाल ने कहा कि व्यापारिक समुदाय आर्थिक गतिविधियों और राष्ट्रीय प्रगति के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के साथ एकजुट खड़ा है और ऐसे बंद या गतिविधियों का समर्थन नहीं करता है। उल्लेखनीय है कि ट्रेड यूनियनों ने चार प्रमुख मांगों को लेकर देशभर में 10 केंद्रीय श्रम संगठनों की एक मंच के तहत राष्ट्रव्यापी एक दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। इस हड़ताल से आवश्यक सेवाएं अधिकतर अप्रभावित रहीं, लेकिन केरल, झारखंड और पुडुचेरी में हड़ताल से कुछ चुनिंदा सेवाएं प्रभावित होने की ख़बरें हैं।

एप्पल ने भारतीय मूल के सबीह खान को मुख्य परिचालन अधिकारी नियुक्त किया

नई दिल्ली। आईफोन बनाने वाली कंपनी एप्पल इंक. ने भारतीय-अमेरिकी तकनीकी विशेषज्ञ सबीह खान को

नया मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) नियुक्त किया है। खान इस महीने के अंत में जेफ विलियम्स की जगह सीओओ का पद संभालेंगे। वह वर्तमान में कंपनी के उपाध्यक्ष हैं। सबीह खान पिछले तीन दशकों से इस अमेरिकी तकनीकी दिग्गज कंपनी से जुड़े हुए हैं। वे इस माह के अंत में जेफ विलियम्स की जगह सीओओ का पद संभालेंगे। कंपनी ने कहा कि खान 30 वर्षों से एप्पल में हैं, वे 2019 में परिचालन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के रूप में कार्यकारी टीम में शामिल हुए थे।खान वर्तमान में कंपनी के उपाध्यक्ष हैं। एप्पल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) टिम कुक ने सबीह खान को शानदार रणनीतिकार और एप्पल की आपूर्ति श्रृंखला के प्रमुख वास्तुकारों में से एक बताया। कुक ने कहा कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने में मदद की कि एप्पल वैश्विक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम हो सके। सबीह खान का जन्म 1966 में उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जिले में हुआ था, जहां उन्होंने पांचवीं कक्षा तक पढ़ाई। उसके बाद उनका परिवार सिंगापुर चला गया। 1995 में एपल के खरीद समूह में शामिल होने से पहले खान ने जीई प्लास्टिक्स में एप्लीकेशन डेवलपमेंट इंजीनियर और प्रमुख खाता तकनीकी नेता के रूप में काम किया था।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एएमसी ने आईपीओ के लिए ड्राफ्ट जमा किया, स्टॉक मार्केट में उतरने वाली ग्रुप की 5वीं कंपनी बनेगी

नई दिल्ली,09 जुलाई (एजेंसियां)। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) फाइल कर दिया है। इस आईपीओ के तहत 1.76 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचे जाएंगे। आईपीओ के तहत कोई नया शेयर नहीं जारी किया जाएगा, बल्कि मौजूदा शेयर होल्डर्स ही अपनी हिस्सेदारी को कम करेंगे।

इस आईपीओ के लिए रिकॉर्ड 18 मर्चेंट बैंकर्स को नियुक्त किया गया है। इन मर्चेंट बैंकर्स में मॉर्गन स्टेनली इंडिया, सिटीग्रुप ग्लोबल मार्केटस इंडिया, नोमूरा फाइनेंशियल एडवाइजरी एंड सिक्योरिटीज (इंडिया), कोटक महिंद्रा कैपिटल कंपनी, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज, एचडीएफसी बैंक, एसबीआई कैपिटल मार्केट और गोल्डमैन सैक्स (इंडिया) सिक्योरिटीज के नाम शामिल हैं। इंडियन आईपीओ मार्केट में इसके पहले कभी भी इतनी बड़ी संख्या में मर्चेंट बैंकर्स ने एक आईपीओ को मैनेज करने का काम नहीं किया है। मर्चेंट बैंकर्स की ये संख्या इंडियन आईपीओ मार्केट के लिए एक नया रिकॉर्ड है।

उल्लेखनीय है कि इस आईपीओ की लॉन्चिंग और लिस्टिंग के बाद स्टॉक मार्केट में कारोबार करने वाली ये आईसीआईसीआई ग्रुप की पांचवी कंपनी बन जाएगी। इसके पहले आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी, आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज और आईसीआईसीआई लोम्बार्ड जनरल इंश्योरेंस कंपनी स्टॉक मार्केट में लिस्ट हो चुकी हैं। इसी तरह लिस्टिंग के बाद ये स्टॉक मार्केट में लिस्ट होने वाली छठी ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी (एएमसी) होगी। इसके पहले यूटीआई एएमसी, एचडीएफसी एएमसी, श्रीराम एएमसी, आदित्य बिड़ला सन लाइफ एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एएमसी पहले से ही स्टॉक मार्केट में लिस्टेड हैं।

कंपनी द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार आईसीआईसीआई बैंक और लंदन की प्रूडेंशियल कॉरपोरेशन होल्डिंग्स के बीच 51:49 की हिस्सेदारी के साथ 1998 से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी कारोबार कर रही है। एवरेज क्वार्टरली असेट्स अंडर मैनेजमेंट (एक्यूएयूएम) के हिसाब से आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल ऐसेट मैनेजमेंट कंपनी देश की दूसरी सबसे बड़ी एमसी है।

कंपनी के दावे के मुताबिक इसकी मार्केट हिस्सेदारी 13 प्रतिशत है, जबकि इसके ग्राहकों की संख्या 1.46 करोड़ हो चुकी है। दावा किया गया है कि कंपनी की वित्तीय स्थिति भी लगातार मजबूत बनी हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का मुनाफा वार्षिक आधार पर 29.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 2,650.70 करोड़ रुपये था। इस अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 38.70 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 4,682.80 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।

प्रवीण खंडेलवाल ने कहा- ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स की जवाबदेही तय होनी चाहिए

नई दिल्ली। वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) की हालिया रिपोर्ट में ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स और पेमेंट ऐप्स के जरिए आतंकी फंडिंग के खुलासे पर चांदनी चौक से भाजपा सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने बुधवार को बेहद चिंताजनक विषय बताया है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स की भूमिका की जांच के साथ-साथ कड़े नियमों और त्वरित कार्रवाई करने की जरूरत है। कन्फेडरेशन ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री खंडेलवाल ने कहा कि जो डिजिटल प्लेटफॉर्म्स सुविधा और नवाचार के लिए बनाए गए थे, उन्हें देशविरोधी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। एफएटीएफ के इस खुलासे के बाद ई-कॉमर्स प्लेटफ़ॉर्म्स की जवाबदेही अवश्य तय होनी चाहिए। खंडेलवाल ने चिंता जताते हुए कहा कि हाल ही में भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने अमेज़न के गोदामों पर छापेमारी की, जिसमें भारी मात्रा में नकली और घटिया सामान बरामद हुआ। इससे प्रमुख ई-कॉमर्स कंपनियों की नियामक अनुपालन और उपभोक्ता संरक्षण में लापरवाही उजागर होती है। यह घटनाएं अलग-थलग नहीं हैं, बल्कि व्यापार और उपभोक्ताओं की सुरक्षा पर मंडरा रहे एक संगठित खतरे का संकेत हैं। खंडेलवाल ने कहा कि ई-कॉमर्स कंपनियों की बेलगाम और अनैतिक गतिविधियां स्थानीय छोटे व्यापारियों की रोजी-रोटी छीन रही हैं, देश की आर्थिक व कानूनी व्यवस्था को कमजोर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि सरकार इस पर सख्त और त्वरित कदम उठाए। उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के तहत उल्लंघनकर्ताओं पर कड़ी कार्रवाई हो, एक व्यापक ई-कॉमर्स नीति तुरंत लागू की जाए, जो पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करे। उन्होंने कहा कि डिजिटल पेमेंट गेटवे की सख्ती से निगरानी हो, ताकि उनका दुरुपयोग रोका जा सके।

जियो ब्लैकरॉक म्युचुअल फंड बाजार में हलचल मचाने को तैयार

नई दिल्ली,09 जुलाई (एजेंसियां)।

जियो ब्लैकरॉक म्युचुअल फंड बाजार में एंट्री के लिए तैयार है। भारत में इस साल के आखिर तक यह एएमसी करीब एक दर्जन इक्विटी और डेट फंड लॉन्च करने की योजना बना रही है। यह फंड छोटे निवेशकों को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जाएंगे और लागत कम रखने सीधे निवेशकों तक पहुंचने की स्ट्रैटेजी अपनाई जाएगी।

मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अरबपति मुकेश अंबानी की जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और ब्लैकरॉक के इस ज्वाइंट वेंचर की भारत के 72.2 लाख करोड़ रुपए के फंड बाजार में एंट्री एक ऐसे बिजनेस मॉडल के साथ हो रही है जो इस सेक्टर में हलचल पैदा कर सकता है। यह ज्वाइंट वेंचर अपने व्यापक डिजिटल नेटवर्क का इस्तेमाल करके उन पारंपरिक डिस्ट्रीब्यूटर्स को दरकिनार करने की

ज्वाइंट वेंचर बाजार में अलग प्रोडक्ट पेश करने की बना रही योजना

तैयारी में है जिन पर अभी तक बाकी इंडस्ट्री निर्भर रही है। जियो ब्लैकरॉक, भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम नेटवर्क कंपनी जियो और ब्लैकरॉक के इन्वेस्टमेंट मैनेजमेंट प्लेटफॉर्म 'अलादीन' का इस्तेमाल करके एक भीड़भाड़ वाले बाजार में अलग तरह के प्रोडक्ट पेश करने की योजना बना रहा है।

सूत्रों के मुताबिक एसेट मैनेजर ने बाजार नियामक के पास आठ नए फंड लॉन्च करने के लिए आवेदन किया है। ये फंड पिछले महीने लॉन्च किए गए तीन फंडों के अतिरिक्त होंगे। सूत्रों ने बताया कि इन फंडों में न्यूनतम 500 रुपए से निवेश कर सकते हैं। जियो ब्लैकरॉक ने सोमवार को कहा था कि उसने तीन नई डेट म्युचुअल फंड योजनाओं ओवरनाइट, लिक्विड और मनी मार्केट के जरिए 17,800 करोड़ जुटाए हैं। इन फंडों में अब तक 90 संस्थागत निवेशक और 67,000 रिटेल निवेशक पैसा लगा चुके हैं।

जून 2025 में वाहनों की त्योहार और शादियों ने बढ़ाई मांग

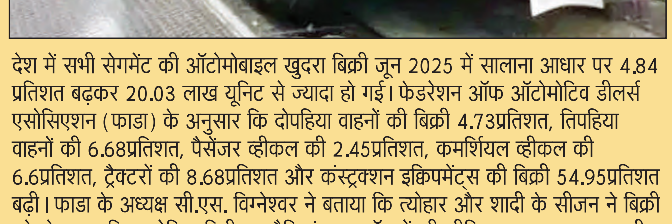

देश में सभी सेगमेंट की ऑटोमोबाइल खुदरा बिक्री जून 2025 में सालाना आधार पर 4.84 प्रतिशत बढ़कर 20.03 लाख यूनिट से ज्यादा हो गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोटिव डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के अनुसार कि दोपहिया वाहनों की बिक्री 4.73प्रतिशत, तिपहिया वाहनों की 6.68प्रतिशत, पैसेंजर व्हीकल की 2.45प्रतिशत, कमर्शियल व्हीकल की 6.6प्रतिशत, ट्रैक्टरों की 8.68प्रतिशत और कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट्स की बिक्री 54.95प्रतिशत बढ़ी। फाडा के अध्यक्ष सी.एस. विग्नेश्वर ने बताया कि त्योहार और शादी के सीजन ने बिक्री को प्रोत्साहन दिया, लेकिन वित्तीय चुनौतियां, कुछ मॉडलों की सीमित उपलब्धता, शुरुआती मानसूनी बारिश और इलेक्ट्रिक वाहनों की बढ़ती लोकप्रियता ने खरीद के पैटर्न को प्रभावित किया।

ट्रंप ने 14 देशों को भेजा औपचारिक पत्र, सूची से भारत को रखा बाहर

कहा- भारत से व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब

नई दिल्ली,09 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने कहा कि वह भारत के साथ व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब पहुंच गए हैं लेकिन उन्होंने प्रस्तावित समझौते के बारे में कोई तारीख या विवरण की जानकारी नहीं दी। ट्रंप का यह बयान उनके द्वारा 14 व्यापारिक भागीदार देशों को औपचारिक पत्र भेजने के बाद आया है। इसमें 1 अगस्त से 25 से लेकर 40 फीसदी तक जवाबी शुल्क लगाने की चेतावनी दी गई है। हालांकि उन्होंने बातचीत की गुंजाइश भी बनाए रखी है।

ट्रंप के बयान में अच्छी बात यह है कि 14 देशों की सूची में भारत शामिल नहीं है। इस बीच अमेरिकी प्रशासन ने उच्च शुल्क के निलंबन को 9 जुलाई से बढ़ाकर 1 अगस्त कर दिया है। इससे भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तीन सप्ताह का अतिरिक्त समय मिल गया है, जिन देशों को पत्र भेजे गए हैं उनमें बांग्लादेश, बोस्निया एवं हर्जेगोविना, कंबोडिया, इंडोनेशिया, जापान, कजाकिस्तान, लाओ पीपल्स डेमोक्रेटिक रिपब्लिक, मलेशिया, सर्बिया, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, थाईलैंड और ट्यूनीशिया शामिल हैं। ट्रंप ने कहा कि और देशों को इस तरह के पत्र भेजे जाएंगे और जवाबी शुल्क में छूट 1 अगस्त से आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। ट्रंप ने आगे कहा कि हमने ब्रिटेन और चीन के साथ भी समझौता किया है। हम भारत के साथ समझौता करने के करीब हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने अन्य लोगों से भी मुलाकात की थी और हमें नहीं लगता कि हम समझौता कर पाएंगे, लिहाजा हमने उन्हें एक पत्र भेजा है। यदि आप अपना सामान अमेरिका भेजना चाहते हैं तो आपको शुल्क का भुगतान करना ही होगा। बता दें ट्रंप दूसरे देशों पर अमेरिकी के साथ व्यापार समझौते करके शुल्क बाधाओं को कम करने का दबाव बढ़ा रहे हैं। इससे पहले ट्रंप प्रशासन ने 2 अप्रैल को भारत समेत देशों पर जवाबी शुल्क की घोषणा की थी, जिसमें भारत पर 26 फीसदी शुल्क लगाया गया था। बाद में 10 फीसदी बुनियादी शुल्क बरकरार रखते हुए जवाबी शुल्क पर 90 दिनों के लिए रोक लगा दी थी। भारत अब प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति से हरी झंडी का इंतजार कर रहा है। यदि कोई सौदा नहीं होता है तो वार्ताकारों के पास सौदा करने के लिए तीन सप्ताह से ज्यादा का समय है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि अब यह राष्ट्रपति ट्रंप पर निर्भर है कि वह आकलन करें, स्वीकार करें और कोई घोषणा करें।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली,09 जुलाई (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ सपाट स्तर पर बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी मामूली गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ पॉलिसी को लेकर बनी अनिश्चितता के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक सपाट स्तर पर मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.07 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 6,225.52 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसके विपरीत नैस्डेक ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 20,414.72 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.04 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 44,422.22 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.54 प्रतिशत उछल कर 8,854.18 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.56 प्रतिशत की मजबूती के साथ 7,766.71 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 133.24 अंक यानी 0.55 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,206.91 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजार में से 6 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.13 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,571 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 167.86 अंक यानी 0.70 प्रतिशत टूट कर 23,980.21 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.50 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,110.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।दूसरी ओर, कोस्पी इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की तेजी के साथ 3,128.98 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.29 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,507.69 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.26 प्रतिशत उछल कर 4,058.53 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.22 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,919.63 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.05 प्रतिशत की मामूली मजबूती के साथ 22,374.50 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 39,703.41 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

एटलेटिको मैड्रिड में नई शुरुआत को लेकर उत्साहित हैं मैटेओ रुगेरी

मैड्रिड,09 जुलाई (एजेंसियां)।

स्पेनिश फुटबॉल क्लब एटलेटिको मैड्रिड के नए साइनिंग मैटेओ रुगेरी ने कहा है कि जब क्लब ने उनसे संपर्क किया, तो उन्होंने बिना देर किए प्रस्ताव स्वीकार कर लिया।

22 वर्षीय इटालियन फुल बैक रुगेरी हाल ही में इटली के क्लब अटलांटा से लगभग 17 मिलियन यूरो (करीब 20 मिलियन अमेरिकी डॉलर) में एटलेटिको से जुड़े हैं। उन्होंने क्लब के साथ पांच साल का करार किया है, जो जून 2030 तक चलेगा।

मंगलवार को क्लब की आधिकारिक वेबसाइट को दिए एक इंटरव्यू में रुगेरी ने कहा, जब मेरे एजेंट्स ने बताया कि एटलेटिको मुझमें दिलचस्पी ले रहा है, तो मैंने बिना सोचे %हां% कह दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ा मौका था, जिसे मैं गंवाना नहीं चाहता था। यहां आकर बहुत खुशी हो रही है।

रुगेरी एटलेटिको की डिफेंस लाइन में बाएं विंग पर जावी गालन के साथ प्रतिस्पर्धा करेंगे। हालांकि उन्होंने माना कि कोच डिएगो सिमियोने की रणनीति के अनुसार उन्हें खुद को ढालना होगा। उन्होंने कहा, मैंने ज्यादातर बैक-5 में विंग-बैक के रूप में खेला है, लेकिन मैं बैक-4 में भी खेल सकता हूं या बैक-3 में लेफ्ट सेंटर-बैक के रूप में भी। मुझे आगे बढ़ना और मेहनत करना पसंद है।

रुगेरी ने बताया कि उनका उपनाम 'द टाइगर' उनके खेलने के अंदाज की वजह से पड़ा है।

उन्होंने कहा, मैं कभी पीछे नहीं हटता। मैदान पर हमेशा एक जुझारू भावना और ऊर्जा के साथ खेलता हूं,। अपने लक्ष्य के बारे में बात करते हुए रुगेरी ने कहा कि वह हर दिन मेहनत करना और खुद को सुधारना चाहते हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि कोच डिएगो सिमियोने के अंडर खेलना उनके लिए सपना सच होने जैसा है।

उन्होंने कहा, सिमियोने जैसे कोच के साथ काम करना गर्व की बात है। कुछ दिन पहले उनसे मेरी बात हुई, और मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। मैं उन्हें अपने खेल से प्रभावित करना चाहता हूं।,

रुगेरी एटलेटिको में अर्जेंटीना के गोलकीपर जुआन मुसो के साथ फिर से जुड़ेंगे, जिनके साथ वह पहले भी खेल चुके हैं। उन्होंने बताया, मुसो ने क्लब के बारे में कई अच्छी बातें बताई हैं, जिससे मेरा उत्साह और भी बढ़ गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

साल्ट का बल्ला जांच में सही पाया गया : ईसीबी

लंदन। आईपीएल 2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) टीम में शामिल रहे फिल सॉल्ट पर इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट में बल्ले के गेज को लेकर धोखाधड़ी के आरोप लगे थे पर बाद में वह इस मामले में बरी हो गये हैं। साल्ट को वाइटैलिटी ब्लास्ट में नॉर्थैम्पटनशायर स्टीलबैक्स के खिलाफ लंकाशायर लाइटनिंग के मैच में लक्ष्य का पीछा करते समय पहले ओवर में ही सवाल उठे थे। तब अंपायर ने सॉल्ट के बल्ले का आकार मापने के लिए बैट-गेज की जांच की थी। यह एक नियमित प्रक्रिया है, जिससे यह तय किया जाता है कि बल्ला निर्धारित मापदंडों के अंदर बना है या नहीं पर उस समय उनका बल्ला बल्ला-गेज से नहीं गुजर पाया और उसे टेस्ट में असफल घोषित कर दिया गया।
पहली बार में टेस्ट में फेल होने के बाद सॉल्ट के बल्ले का गेज मैच के बाद भी देखा गया। इस दौरान उनका बल्ला जांच में पास हो गया। इसके बाद भी अंपायर्स ने बल्ले को आगे की जांच के लिए भेज दिया। लंकाशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने कहा है कि बल्ला उसमें भी सही पाया गया है। ऐस में इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एंटी-करप्शन कोड के किसी भी उल्लंघन से भी इस क्रिकेटर को दोषमुक्त कर दिया गया। सॉल्ट का कहना था कि वह पिछले दो साल से यही बल्ला इंग्लैंड, लंकाशायर और आईपीएल में इस्तेमाल करते रहे है और इस पर किसी ने भी कभी कोई आपत्ति नहीं उठाई गई थी।

प्रो कबड्डी लीग का 12वां सीजन 29 अगस्त से

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) का बहुप्रतीक्षित सीज़न-12 शुक्रवार, 29 अगस्त से शुरू होगा।

ग्यारह रोमांचक और सफल सीज़नों के बाद अब लीग अपने 12वें अध्याय की ओर बढ़ रही है, जो दर्शकों के लिए एक बार फिर से जबरदस्त रोमांच और प्रतिस्पर्धा लेकर आएगा। पीकेएल आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने बुधवार को उक्त घोषणा की। सीज़न 11 में शानदार प्रदर्शन करते हुए हरियाणा स्टीलर्स ने पहली बार खिताब जीता था और अब वे इस सीज़न में अपने खिताब की रक्षा करने उतरेंगे। सभी 12 फ्रेंचाइज़ियों ने हाल ही में संपन्न हुए खिलाड़ियों की नीलामी में अपनी टीमों को और मज़बूत किया है, जिससे यह सीजन पहले से कहीं ज्यादा प्रतिस्पर्धी और मनोरंजक होने की उम्मीद है। सीज़न 12 के लिए स्थानों और अन्य विवरणों की घोषणा जल्द की जाएगी। पीकेएल के लीग आयुक्त और मशाल स्पोर्ट्स के बिजनेस हेड अनुपम गोस्वामी ने कहा, हम सीज़न 12 की शुरुआत की तारीख की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं। हाल ही में संपन्न हुए ऐतिहासिक खिलाड़ियों की नीलामी में 10 खिलाड़ियों को 1 करोड़ से अधिक के अनुबंध मिले हैं, जो लीग के लिए एक नया मील का पत्थर है। हमें विश्वास है कि यह सीजन अब तक का सबसे प्रतिस्पर्धात्मक और रोमांचक सीजन होगा। गौरतलब है कि प्रो कबड्डी लीग सीज़न 12 के लिए खिलाड़ियों की नीलामी 31 मई और 1 जून को मुंबई में आयोजित की गई थी, जिसमें रिकॉर्ड 10 खिलाड़ियों ने 1 करोड़ से अधिक की बोली पाई। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया (एकेएफआई) के तत्वावधान और मंजूरी से मशाल स्पोर्ट्स और जियोस्टार ने मिलकर प्रो कबड्डी लीग को भारत की सबसे सफल खेल लीगों में से एक में बदल दिया है।

इंडिया ए मेंस हॉकी टीम की यूरोप दौरे की विजयी शुरुआत, आयरलैंड को 6-1 से हराया

आइंडहोवन (नीदरलैंड्स)। यूरोप दौरे की शुरुआत इंडिया ए मेंस हॉकी टीम ने धमाकेदार अंदाज में की। टीम ने हॉकी क्लब ओरांजे-रूड, आइंडहोवन में खेले गए अपने पहले मुकाबले में आयरलैंड को 6-1 से करारी शिकस्त दी। भारत ने मैच के चारों क्वार्टर में जबरदस्त प्रदर्शन किया और विपक्षी टीम को कोई खास मौका नहीं दिया। टीम के लिए उत्तम सिंह ने पहला गोल दागकर खाता खोला, जिसके बाद अमनदीप लकड़ा ने बढ़त को दोगुना किया। इसके बाद आदित्य लालगे ने लगातार दो गोल करके अपना शानदार ब्रेस पूरा किया। वहीं, फॉरवर्ड सेल्वम कार्ति और बॉबी सिंह धामी ने भी एक-एक गोल कर टीम की बढ़त को और मजबूत कर दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत का मूल्यवान...

इस दिशा में अफ्रीका भारत का मजबूत साझीदार है। भारत ने नामीबिया को हमेशा समर्थन दिया है और नामीबिया ने भी तीनों वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ समिट में भाग लिया है।

भारत को नामीबिया में पाए जाने वाले क्रिटिकल मिनरल्स (अहम खनिज) में काफी रुचि है। इसके अलावा भारत नामीबिया से यूरेनियम के निर्यात की संभावना पर भी विचार कर रहा है। हाल ही में नामीबिया में तेल और गैस के भंडार भी पाए गए हैं, जो भारत के लिए एक और आकर्षण का क्षेत्र है। रक्षा क्षेत्र को लेकर भी दोनों देशों के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत हुई है। नामीबिया भारत से कुछ रक्षा उपकरण खरीदना चाहता है और क्षमता निर्माण (कैपेसिटी बिल्डिंग) को दोनों देशों के रिश्तों का एक महत्वपूर्ण स्तंभ माना जा रहा है। नामीबिया में भारत के उच्चायुक्त राहुल श्रीवास्तव ने कहा कि भारत और नामीबिया के बीच व्यापार, निवेश, खनिज संसाधनों और रक्षा सहयोग जैसे कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई और सहमति बनी है। भारतीय उच्चायुक्त ने कहा कि कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर दोनों देशों में सहमति बनी है और समझौते हुए हैं। मुख्य रूप से व्यापार और निवेश के बारे में। हम नामीबिया में महत्वपूर्ण खनिजों में रुचि रखते हैं और हमारे कुछ सार्वजनिक उपक्रम यहां निवेश करना चाहेंगे। इस पर नामीबिया के साथ सहमति बनी है। नामीबिया भारत को यूरेनियम निर्यात करने पर सहमत हुआ है। नामीबिया भारत से रक्षा उपकरण खरीदने के लिए भी इच्छुक है।

भारत नामीबिया से यूरेनियम लेने और वहां हुई तेल-गैस की खोज में रुचि रखता है। यह भारत के लिए फायदे का सौदा हो सकता है क्योंकि नामीबिया में कीमती खनिजों का बड़ा भंडार है। इसी वजह से नामीबिया को अफ्रीका का सऊदी अरब तक कहा जाता है। नामीबिया अफ्रीका का एक छोटा देश है, जिसकी आबादी सिर्फ 30 लाख है। इसके बावजूद इसकी दुनिया में बहुत अहमियत है। इसकी वजह नामीबिया का तेल, गैस, यूरेनियम, तांबा, सोने और दूसरे खनिजों का भंडार है। नामीबिया दुनिया के बड़े तेल क्षेत्रों में से एक है। इसके अपतटीय भंडार में 20 अरब बैरल तेल होने का अनुमान है। साल 2035 तक नामीबिया को दुनिया के शीर्ष 10 तेल उत्पादकों में से एक बनाने की संभावना है। नामीबिया में गैस की भी महत्वपूर्ण खोज हालिया वर्षों में हुई है।नामीबिया में यूरेनियम का भंडार है तो तेल और गैस भी है। नामीबिया में ये 1970 के दशक में शुरू में ही तेल की खोज शुरू हो गई थी लेकिन 2022 के बाद इस क्षेत्र में खोज की गतिविधि में नाटकीय रूप से तेजी आई है। पिछले कुछ सालों में नामीबिया में हुई तेल और गैस की खोज ने देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती दी है और पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। नामीबिया के कई क्षेत्रों में प्राकृतिक गैस का उच्च स्तर खोजा गया है। इस बेसिन में खोज की सफलता काफी ज्यादा है। नामीबिया में ड्रिलिंग गतिविधि इस साल खासतौर से बढ़ी है। हाल ही में राइनो रिसोर्सेज ने सैजिटेरियस कुएं में हाइड्रोकार्बन की खोज की घोषणा की है। इससे एक्सॉनमोबिल, शेल, टोटलएनर्जीज और शेवरॉन जैसी बड़ी कंपनियों के बीच बोली लगाने की होड़ है।

नामीबिया में 2,30,000 वर्ग किलोमीटर लाइसेंसी जमीन है, जबकि नॉर्वे में 100,00 वर्ग किलोमीटर से भी कम है। हालांकि यह क्षेत्र अभी बड़े पैमाने पर कम खोज वाला माना जाता है। यहां उत्तरी सागर और मैक्सिको की खाड़ी जैसे अपतटीय क्षेत्रों में हजारों की तुलना में केवल कुछ गहरे कुएं हैं लेकिन एक्सपर्ट आने वाले समय में तेजी से नामीबिया में खोज की सफलता बढ़ने की उम्मीद कर रहे हैं। अपतटीय तेल की खोज से अनुमान है कि 2035 तक नामीबिया दुनिया के अग्रणी तेल उत्पादकों की श्रेणी में आ जाएगा। माना जा रहा है कि अगले 12-24 महीने नामीबिया की तेल आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण हों। 2026 में टोटल एनर्जीज बेसिन के व्यापक विकास की दिशा तय करेगा। इसी बीच ऑरेंज बेसिन में ड्रिलिंग और खोज का काम होगा। नामीबिया की अपतटीय तेल खोजें खासतौर से इस दशक में अफ्रीका के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा अवसरों में से हैं।

कार्यकर्ता तपती ...

राजद सुप्रीमो लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव ने दावा किया कि पुनरीक्षण प्रक्रिया में बिना दस्तावेज और सत्यापन के फर्जी फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि बिना पूरी जानकारी के मौखिक निर्देश दिए गए। फर्जी हस्ताक्षर और निरक्षर बताकर किसी भी कर्मचारी से अंगूठा लगावाया जा रहा है। उन्होंने वोटर लिस्ट में बिना वोटर को बताए जानकारी अपलोड करने का दावा भी किया। तेजस्वी यादव ने यह भी दावा किया कि बीएलओ से एक-एक दिन में 10 हजार फॉर्म भरवाए जा रहे हैं। चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव के इन दावों का तथ्य निरीक्षणस किया तो वे दावे बिल्कुल फर्जी थे।

चुनाव आयोग ने बताया कि तेजस्वी के दावे भ्रामक हैं। आयोग ने बताया, राष्ट्रीय जनता दल ने स्वयं एसआईआर के काम के लिए 47,504 बूथ लेवल एजेंट्स तैनात किए हैं, जो कि एसआईआर के लिए जमीनी स्तर पर तत्परता से कार्य कर रहे हैं। एसआईआर सुचारू रूप से चल रहा है, कुल 4 करोड़ (50 प्रतिशत) के करीब फॉर्म अभी तक कलेक्ट किए जा चुके हैं। दूसरी तरफ, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद सागरिका घोष ने भी चुनाव आयोग की इस प्रक्रिया पर भ्रामक जानकारी दी। सागरिका घोष ने दावा किया कि बिहार में चुनाव आयोग गरीबों का वोट छीन रहा है। उनकी पार्टी ने भी इस चुनावी प्रक्रिया का विरोध किया। टीएमसी ने मांग की कि पुनरीक्षण प्रक्रिया 2003 के बजाए 2024 के आधार पर की जाए। टीएमसी ने इसमें भाजपा को घसीटा। पार्टी ने कहा, विपक्ष शासित राज्यों की व्यवस्था में हेराफेरी करने के लिए चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं का आदतन दुरुपयोग किया जाता है। हम लोकतंत्र को भाजपा का खिलौना नहीं बनने देंगे।

टीएमसी के इस दावे को भी चुनाव आयोग ने सिरे से खारिज कर दिया है। चुनाव आयोग ने गरीबों से वोट छीनने के अधिकार वाले दावे को भ्रामक करार दिया। चुनाव आयोग ने फैक्ट-चेक में टीएमसी और सागरिका घोष को तथ्यों की जानकारी दी। चुनाव आयोग ने बताया कि एसआईआर निर्देशों में पहले पन्ने के दूसरे पैराग्राफ के अनुसार, किसी भी योग्य नागरिक (आरपीए-1950 की धारा 16 और 19 के साथ भारत के संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार) को नहीं छोड़ा जाएगा। 8 जुलाई 2025 तक 47 प्रतिशत के करीब और 3.70 करोड़ से अधिक लोग गणना प्रपत्र फॉर्म सबमिट कर भी चुके हैं। राजद के राज्यसभा सांसद मनोज कुमार झा ने भी चुनाव आयोग पर कई आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि आयोग उन्हें मिलने का समय नहीं दे रहा है। जबकि चुनाव आयोग ने बताया कि वह अब तक 9 पार्टियों से इस मामले में संवाद कर चुका है। उसने यह भी बताया कि राजद की तरफ से ही मनोज झा को अधिकृत नहीं किया गया है। चुनाव आयोग ने यह भी स्पष्ट किया कि 2 जुलाई 2025 को राजद ने मनोज झा को बैठक में भेजा था, जिसमें उनकी चुनाव आयोग से बातचीत भी हुई थी।

नेताओं के अलावा राजद ने भी चुनाव आयोग की प्रक्रिया को लेकर एक ट्वीट किया था, जिसमें एक जिलाधिकारी की वॉयस रिकॉर्डिंग सुनाई गई, जिसमें कई दावे किए गए। इस रिकॉर्डिंग में चुनावी प्रक्रिया से जुड़े कुछ निर्देश दिए जा रहे थे। राजद ने दावा किया कि सारी प्रक्रिया गड़बड़ की जा रही है। राजद के इस दावे को बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने भ्रामक करार दिया। बताया गया कि डीएम की कथित वॉयस रिकॉर्डिंग में जो बातें कही गई हैं, यह सारी बातें पहले से ही एसआईआर में शामिल हैं। इसके लिए कोई भी नए निर्देश नहीं दिए गए हैं।

फरार मोनिका...

इन फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उन्होंने सरकार से ड्यूटी-फ्री सोना (गोल्ड) आयात करने के लिए छह लाइसेंस लिए, जिनकी कीमत 2.36 करोड़ रुपए थी। फिर इन लाइसेंसों को उन्होंने गुजरात के दीप एक्सपोर्ट्स नाम की कंपनी को ऊंचे दाम पर बेच दिया। इस कंपनी ने इन लाइसेंसों का इस्तेमाल कर ड्यूटी-फ्री सोना मंगवाया, जिससे सरकार को लगभग 1.44 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ।

सीबीआई ने जांच पूरी होने के बाद 31 मार्च 2004 को मोनिका कपूर और उनके दोनों भाइयों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धाराएं 120-बी (षड्यंत्र), 420 (धोखाधड़ी), 467, 468 और 471 के तहत चार्जशीट दाखिल की थी। इसके बाद दिल्ली की साकेत कोर्ट ने 20 दिसंबर 2017 को राजन खन्ना और राजीव खन्ना को दोषी करार दे दिया। लेकिन मोनिका कपूर जांच में शामिल नहीं हुईं। कोर्ट ने 13 फरवरी 2006 को उन्हें घोषित अपराधी घोषित कर दिया और 2010 में उनके खिलाफ गिरफ्तारी का खुला गैर-जमानती वारंट और रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया। सीबीआई ने अमेरिका से मोनिका कपूर के प्रत्यर्पण के लिए 19 अक्टूबर 2010 को औपचारिक अनुरोध भेजा था। कई वर्षों की बातचीत और समन्वय के बाद अब अमेरिका ने मोनिका को भारत को सौंप दिया है। सीबीआई की एक टीम अमेरिका जाकर उन्हें हिरासत में लेकर वापस भारत ला रही है।

कोर्ट को गुमराह...

दौरान एएसजी एसवी राजू ने गांधी परिवार की उस दलील का विरोध किया कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) पर उनका कोई नियंत्रण नहीं था। एजेएल ही मूल रूप से नेशनल हेराल्ड की प्रकाशक थी। इस मामले में 5 जुलाई को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील आरएस चीमा ने कहा था कि कांग्रेस ने एजेएल को बेचने की कोशिश नहीं की थी, बल्कि वो इस संस्था को बचाना चाहती थी क्योंकि वो स्वतंत्रता आंदोलन का हिस्सा थी।

चीमा ने कहा था कि ईडी एजेएल का मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन क्यों नहीं दिखा रही है। साल 1937 में एजेएल की स्थापना जवाहर लाल नेहरू, जेबी कृपलानी, रफी अहमद किदवई और दूसरे कांग्रेस नेताओं ने की थी। चीमा ने कहा था कि एजेएल के मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएएशन में कहा गया है कि उसकी सभी नीतियां कांग्रेस की होंगी। 3 जुलाई को ईडी की ओर से दलीलें पूरी कर ली गयी थीं। कोर्ट ने 2 मई को इस मामले में सोनिया गांधी, राहुल गांधी समेत सात आरोपितों को नोटिस जारी किया था। ईडी ने 15 अप्रैल को कोर्ट में मनी लांड्रिंग कानून की धारा 44 और 45 के तहत अभियोजन शिकायत दाखिल की थी। ईडी ने इस मामले में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और सैम पित्रोदा को आरोपी बनाया है।

सुब्रमण्यम स्वामी का आरोप है कि दिल्ली में बहादुरशाह जफर मार्ग स्थित हेराल्ड हाउस की 1600 करोड़ रुपए की बिल्डिंग पर कब्जा करने के लिए साजिश के तहत यंग इंडियन लिमिटेड को एजेएल की संपत्ति का अधिकार दिया गया। हेराल्ड हाउस को केंद्र सरकार ने समाचार पत्र चलाने के लिए जमीन दी थी, इस लिहाज से व्यावसायिक उद्देश्य के लिए उसका इस्तेमाल नहीं किया जा सकता।

वडोदरा में पुल ...

और 10 की मौत की पुष्टि हो चुकी है। बचाव अभियान जारी है। हमें पता चला है कि पुल का एक हिस्सा अचानक टूट जाने से दो ट्रक, एक ईको वैन, एक पिकअप वैन और एक ऑटो-रिक्शा नदी में गिर गए घायलों को वडोदरा जिले के स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फिल्म दिखाएगी ...

जरिए अदालत में याचिका दाखिल की थी। फिल्म के खिलाफ जमीयत उलेमा ए हिंद की ओर से भी दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई है।

याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस फिल्म में एक तरफा चीजें दिखाई गई हैं और इससे निष्पक्ष सुनवाई के उनके हक पर असर पड़ेगा। वकील ने कहा कि इस फिल्म में केवल अभियोजन पक्ष को दिखाया गया है। इन तर्कों को खारिज करते हुए अदालत ने मामले की तत्काल लिस्टिंग करने से इन्कार कर दिया और कहा कि इस संबंध में आपको संबंधित कोर्ट के पास जाना चाहिए और इस फिल्म को रिलीज होने दिया जाए।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान के उदयपुर में मुस्लिम समुदाय के दो लोगों ने दर्जी कन्हैया लाल की गर्दन काटकर हत्या कर दी थी। दोनों ने पूरी घटना को कैमरे में रिकॉर्ड किया था और इसके वीडियो को सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया था। कन्हैया लाल की हत्या भाजपा से निष्कासित नेता नूपुर शर्मा के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करने की वजह से की गई थी। इस मामले की जांच एनआईए को सौंप दी गई थी और घटना के संबंध में 11 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

एक दशक में...

देश सही दिशा में जा रहा है, तो विपक्ष को यह स्वीकार करने में क्यों आपत्ति होनी चाहिए?

विकसित देश खासकर अमेरिका के लिए भी यह रिपोर्ट एक आईना है, जिसने पिछले दिनों मानवाधिकार के नाम पर भारत को कठघरे में खड़ा करने का प्रयास किया था। इसने जो वैश्विक मानवाधिकार रिपोर्ट तैयार की थी, उसमें भारत की भाजपा सरकार पर यह आरोप लगाए गए थे कि हिन्दुस्तान में वह अल्पसंख्यकों के साथ भेदभाव कर रही है। मोदी सरकार पर पत्रकारों को चुप करवाकर जेल भेजने, जम्मू-कश्मीर में लोगों की अभिव्यक्ति की आजादी का हनन करने, वहां शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने नहीं दिया जा रहा, जैसे भी आरोप लगाए गए। तब अमेरिका द्वारा जारी इस मानवाधिकार रिपोर्ट के आते ही विपक्ष बहुत उछल रहा था, जैसे कि उसे मोदी सरकार को घेरने का एक कामयाब अस्त्र मिल गया हो, किंतु कुछ ही समय में उसकी भी सच्चाई सामने आ गई थी कि उक्त रिपोर्ट तथ्यों के आधार पर झूठी है।

अभी सामने आई यह प्यू रिपोर्ट अमेरिका की ही पूरी पोल खोल देती है। क्योंकि केवल 37 प्रतिशत अमेरिकी ही हैं, जो अपने यहां के लोकतंत्र से संतुष्ट हैं। तात्पर्य वर्तमान समय में औसत 100 में से 63 अमेरिकी अपने यहां की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं से असंतुष्ट हैं। यानी दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत पर मानवाधिकार के नाम पर दबाव बनाने का खेल जो अमेरिका खेलता है, उसका सच आज सभी के सामने आ चुका है। इसी तरह से पश्चिमी लोकतंत्रों में जनता की संतुष्टि का स्तर बहुत कम है। यह रिपोर्ट बताती है कि उच्च आय वाले देशों जैसे फ्रांस, ग्रीस, इटली, जापान और दक्षिण कोरिया में लोगों में लोकतंत्र के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को लेकर भी गहरी नाराज़गी है। ग्रीस में 81 प्रतिशत लोगों ने नाराज़गी जताई है। जापान में यह आंकड़ा 76 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया में 71 प्रतिशत है। इन देशों में लोकतंत्र को लेकर निराशा सिर्फ नीतियों से नहीं, बल्कि प्रतिनिधित्व की कमी से भी जुड़ी है। लोग मानते हैं कि उनकी आवाज़ न सरकार में सुनी जा रही है, न ही वे खुद को सत्ता में हिस्सेदार महसूस करते हैं। दूसरी ओर यही रिपोर्ट कह रही है कि भारत जैसे देशों में जहां आर्थिक विकास और स्थिरता लोगों के भरोसे को मजबूत करते हैं। वहीं इस रिपोर्ट के अनुसार विकसित देशों में आर्थिक असंतुलन और नीतिगत असहमति के कारण लोकतंत्र पर लोगों का भरोसा कम होता दिख रहा है।वस्तुत: प्यू रिसर्च सेंटर के स्प्रिंग 2025 ग्लोबल एटीट्यूड सर्वे भारत के संदर्भ में इसलिए भी आज महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि जनसंख्या घनत्व के स्तर पर भारत विश्व की सबसे बड़ी जैसा कि अनुमान है कि चीन को भी पीछे छोड़ दिया गया है, जनसंख्या वाला देश है। स्वाभाविक है कि इतने बड़े जनसंख्या तंत्र को संतुष्ट रख पाना सबसे अधिक कठिन है, जबकि संतुष्टी के स्तर पर इस रिपोर्ट में इंडोनेशिया, मैक्सिको, नीदरलैंड और स्वीडन के साथ भारत को एक ऐसे देश के रूप में उद्धृत किया गया जहां लोग अपने लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों से अपेक्षाकृत खुश हैं। यहां हम थोड़ा रुकते हैं; क्योंकि तुलना खुशी के स्तर पर भारत की इंडोनेशिया जिसकी कि कुल जनसंख्या लगभग 278 मिलियन (27.8 करोड़) है से हो रही है। जबकि भारत के अकेले एक राज्य उत्तर प्रदेश की जनसंख्या ही लगभग 240 मिलियन (24 करोड़) है। वहीं, भारत की जनसंख्या मैक्सिको की जनसंख्या से लगभग 11 गुना अधिक है। इसी प्रकार से यदि भारत और नीदरलैंड की तुलना की जाएगी तो नीदरलैंड की जनसंख्या लगभग 17.5 मिलियन है, जबकि भारत की जनसंख्या 1.4 बिलियन से अधिक होने की स्थिति में नीदरलैंड की जनसंख्या से लगभग 80 गुना अधिक है। ऐसे ही स्वीडन से तुलना कर देखेंगे तो स्वीडन और भारत की जनसंख्या में अंतर इतना बड़ा है कि किसी भी प्रकार की तुलना करना ही व्यर्थ है, क्योंकि स्वीडन की जनसंख्या लगभग 10.5 मिलियन के मुकाबले भारत की जनसंख्या 1.4 बिलियन से अधिक है।

इसका मतलब है कि भारत की जनसंख्या स्वीडन की जनसंख्या से 100 गुना से भी अधिक है। कहने का तात्पर्य है कि भारत की इन देशों के साथ तुलना करना ही संभव नहीं है, फिर भी यदि ये तुलना जनसंख्या के स्तर पर हो जाए तो भारत की वर्तमान सरकार आज की स्थिति में इन सभी देशों से कहीं अधिक अपनी जनसंख्या को लोकतंत्र के प्रति संतुष्ट करने में सफल रही है। अत: इस सर्वे के आधार पर यही कहना होगा कि लोकतंत्र भारत में नहीं, बल्कि पश्चिम में कमज़ोर हो रहा है। भारतीय उत्तरदाताओं का तो कहना यही है कि वे अपने देश में लोकतंत्र के कामकाज के तरीके से संतुष्ट हैं, यानी कि भारत की वर्तमान सरकार को देश भर के लोगों ने प्रथम श्रेणी के अंकों के साथ लोकतंत्र के मुद्दे पर उत्तीर्ण किया है। देखा जाए तो यह उन तमाम लोगों, नेताओं, राजनीतिक पार्टियों के मुंह पर तमाचा जैसा है जो लगातार भारत में लोकतंत्र के कमजोर होने, संविधान की दुहाई देकर और भारतीय संविधान की किताब को हाथों में लहराकर यह जताने की कोशिशों में लगे हुए हैं कि वर्तमान सरकार में लोकतंत्र कमजोर हुआ है। जबकि असलियत कुछ और है।

आज गुरु पूर्णिमा

आषाढ़ मास की पूर्णिमा 10 जुलाई को है। इस तिथि पर गुरु पूजा का महापर्व गुरु पूर्णिमा मनाया जाता है। आम इंसान ही नहीं, भगवान ने भी गुरु से ज्ञान प्राप्त किया है। गुरु पूर्णिमा महर्षि वेदव्यास की जन्म तिथि है। वेदव्यास ने वेदों का संपादन किया। 18 मुख्य पुराणों के साथ ही महाभारत, श्रीमद् भागवत कथा जैसे ग्रंथों की रचना की थी। श्रीराम ने ऋषि वशिष्ठ और विश्वामित्र से ज्ञान प्राप्त किया, श्रीकृष्ण के गुरु सांदीपनि थे। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि वैदिक पंचांग के अनुसार, गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि 10 जुलाई को रात 1:36 मिनट पर शुरू होगी और यह 11 जुलाई को रात 2:06 मिनट पर खत्म होगी। इसलिए गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाई जाएगी। हनुमान जी ने सूर्य देव को अपना गुरु बनाया था। भगवान दत्तात्रेय ने 24 गुरु बनाए थे। इसीलिए गुरु का स्थान सबसे ऊंचा माना गया है। गुरु पूर्णिमा पर अपने गुरु की पूजा करें, अपने सामर्थ्य के अनुसार कोई उपहार दें और उनकी शिक्षाओं पर चलने का संकल्प लें। तभी जीवन में सुख-शांति के साथ ही सफलता भी मिल सकती है।

भारत में इस दिन को बहुत श्रद्धा- भाव से मनाया जाता है। धार्मिक शास्त्रों में भी गुरु के महत्व को बताया गया है। गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना जाता है, क्योंकि गुरु ही भगवान तक पहुंचने का मार्ग बताते हैं। हिंदू धर्म के सबसे महत्वपूर्ण पर्वों में से एक गुरु पूर्णिमा है। यह शुभ दिन गुरु की पूजा और उनका सम्मान करने के लिए समर्पित है, जो ज्ञान और आत्मज्ञान के मार्ग पर व्यक्तियों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

हिन्दू धर्म में गुरु का स्थान भगवान से भी ऊपर माना गया है। इनकी पूजा का दिन होता है गुरु पूर्णिमा, जो हर साल आषाढ़ मास के शुक्लपक्ष की पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है। हिंदू मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा का पावन पर्व महर्षि वेदव्यास की जयंती के रूप में मनाया जाता है।

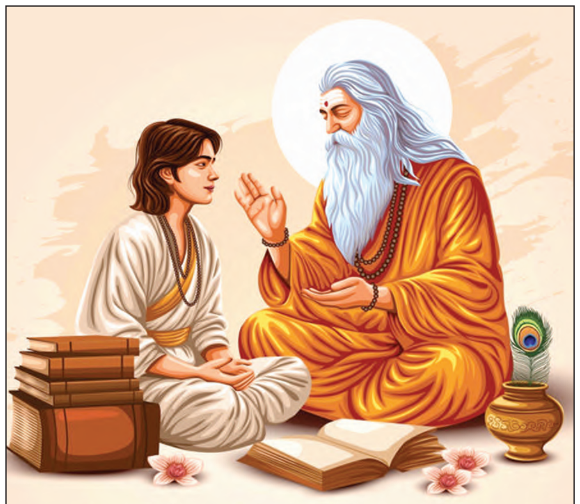

इसीलिए इसे व्यास पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। गुरु पूर्णिमा पर्व गुरुजनों को समर्पित है। शिष्य अपने गुरु देव का पूजन करेंगे। वहीं जिनके गुरु नहीं है वे अपना नया गुरु बनाएंगे। पुराणों में कहा गया है कि गुरु ब्रह्मा के समान है और मनुष्य योनि में किसी एक विशेष व्यक्ति को गुरु बनाना बेहद जरुरी है। क्योंकि गुरु अपने शिष्य का सृजन करते हुए उन्हें सही राह दिखाता है। इसलिए गुरु पूर्णिमा के दिन लोग अपने ब्रह्मलीन गुरु के चरण एवं चरण पादुका की पूजा अर्चना करते हैं। गुरु पूर्णिमा के दिन अनेक मठों एवं मंदिरों पर गुरुओं की पूजा-अर्चना की जाती है। मान्यता के अनुसार गुरु पूर्णिमा से ही वर्षा ऋतु का आरंभ होता है और आषाढ़ मास की समाप्ति होती है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान और दान का भी विशेष पुण्य बताया गया है।

पूर्णिमा तिथि – वैदिक पंचांग के अनुसार, गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाई जाएगी। पूर्णिमा तिथि 10 जुलाई को रात 1:36 मिनट पर शुरू होगी और यह 11 जुलाई को रात 2:06 मिनट पर खत्म होगी। उदया तिथि के अनुसार 10 जुलाई को आषाढ़ माह की पूर्णिमा है। इस दिन गुरु पूर्णिमा का पर्व भी मनाया जाएगा। गुरु पूर्णिमा 10 जुलाई को मनाई जाएगी।

गुरु पूर्णिमा –गुरु पूर्णिमा पर सुबह जल्दी उठें और सूर्य को जल चढ़ाने के बाद घर के मंदिर में पूजा करें। घर में पूजा करने के बाद अपने गुरु के घर जाएं। गुरु को ऊंचे आसन पर बैठाएं और हार-फूल, कुमकुम, चावल से पूजा करें। गुरु को मिठाई, फल और फूल चढ़ाएं। अपने सामर्थ्य के अनुसार उपहार और दक्षिणा दें। गुरु पूर्णिमा पर वेदव्यास की भी पूजा करें और उनके ग्रंथों के अध्यायों का पाठ करें। गुरु के सामने उनके उपदेशों को जीवन में उतारने का संकल्प लें।

कर सकते हैं ये शुभ काम

आषाढ़ पूर्णिमा पर अनाज, धन, कपड़े, जूते-चप्पल, छाता, कंबल, चावल, खाना और ग्रंथों का दान कर सकते हैं। किसी गौशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। गायों को हरी घास खिलाएं। किसी मंदिर में पूजन सामग्री भेंट में दें। शिवलिंग पर जल, दूध चढ़ाएं। ऊँ नमः शिवाय मंत्र का जप करते हुए शिवलिंग पर चंदन का लेप करें। हनुमान जी के सामने दीपक जलाएं और सुंदरकांड या हनुमान चालीसा का पाठ करें। भगवान श्रीकृष्ण को माखन-मिश्री का भोग तुलसी के साथ लगाएं।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

गुरु महिमा और गुरु पूर्णिमा का आध्यात्मिक महत्व

ओम श्री गुरुवे नमः ओम

ध्यानमूलं गुरुर्मूर्तिः
पूजामूलं गुरुर्पदम् ।
मन्त्रमूलं गुरुर्वाक्यं
मोक्षमूलं गुरूर्कृपा ।।
ओम श्री गुरुवे नमः ओम

ध्यान की नींव गुरु की छवि है , पूजा की नींव गुरु के चरण है, गुरु के वाक्य मंत्र के सामान है, मोक्ष केवल गुरु कृपा से ही संभव है ।

गुरु की मान्यता केवल वैदिक संस्कृति में पाई जाती है अन्य किसी भी भाषा में गुरु का पर्यायवाची नहीं है। अध्यापक या स्वामी के पर्याय तो मिल जाते हैं परन्तु गुरु इन दोनों से ऊपर है।

गुरु आपके और दैविक शक्तियों के बीच के सेतु और दैविक शक्तियों से आदान प्रदान का एक मात्र माध्यम होते हैं। गुरु आपकी क्षमताओं को समझते हुए आपके लिए ऐसा साधना का मार्ग प्रशस्त करते हैं जिसके आप अधिकारी हों ।

गुरु माँ के सामान है और शिष्य शिशु के सामान। गुरु को पता होता है कि शिष्य को क्या एवं कितना चाहिए और गुरु वही शिष्य को प्रदान करते हैं। गुरु ज्ञान का भंडार एवं स्तोत्र होते हैं किन्तु शिष्य में गुरु उतना ही ज्ञान हस्तांतरित करते हैं जितना कि शिष्य धारण कर सके।

ज्ञान गरम पानी के समान होता है और शिष्य ठण्डे पत्थर के समान। यदि आप अत्यधिक गरम पानी को एक ठण्डे पत्थर पर डाले तो वह पत्थर टूट जाएगा। गुरु ज्ञान को धीरे-धीरे से शिष्य की क्षमता के अनुसार शिष्य को हस्तांतरित करते हैं।

गुरु का मिलना बहुत दुर्लभ है परन्तु गुरु की खोज में आप दूसरों की सुनी सुनाई बातों पर मत जाएं, योग पूर्ण रूप से अनुभव के विषय में है और ये पूर्णतः आपका ही अनुभव और अंतरदृष्टि है जो आपको आपके गुरु तक ले जाती है। जब आपको गुरु संगत की प्राप्ति हो जाती है तो फिर तब आप अन्य किसी भी प्रवचन को सुनने या ज्ञानी के पास अपने प्रश्नों का उत्तर जानने के लिए जाने की आवशयकता नहीं महसूस करते हैं, जब आप अपने गुरु को पा लेते हैं तो आपकी खोज समाप्त हो जाती है।

गुरु पूर्णिमा एक अत्यधिक शक्तिशाली दिन है, इस दिन गुरु कि उपस्थिति मात्र से ही आपको आंतरिक संसार के अभूतपूर्व अनुभव होते हैं एवं आपकी क्रमागतउन्नति पर अद्भुत प्रभाव पड़ता है ।

–अश्विनी गुरुजी, ध्यान आश्रम

महायज्ञ

गुरु पूर्णिमा की रात एक शिष्य के लिए विशेष महत्व रखती है। इस रात गुरु के सान्निध्य में किए गए यज्ञ और मंत्र साधना से एक ही रात में कई वर्षों की साधना के बराबर फल प्राप्त होता है।

ध्यान फाउंडेशन गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर 24 घंटे का यज्ञ आयोजित कर रहा है। यह यज्ञ ध्यान आश्रम की यज्ञशाला में गुरु जी के सान्निध्य में आज, गुरुवार दि. 10 जुलाई को प्रातः 01:36 बजे से शुक्रवार, दि. 11 जुलाई को प्रातः 02:06 बजे (भारतीय मानक समय) सम्पन्न होगा।

गुरु पूर्णिमा की पूजा विधि और उपाय

जानें कैसे पाएं लक्ष्मी नारायण की कृपा

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। वैसे तो पूर्णिमा की तिथि भगवान विष्णु को समर्पित होती है। इस पर इस बार गुरु पूर्णिमा गुरुवार को है। जो श्री हरि विष्णु का दिन होता है। ऐसे में इस बार गुरु पूर्णिमा पर शुभ संयोग बन रहा है। गुरु पूर्णिमा पर भगवान विष्णु का पूजन करने और उपाय करने से लक्ष्मी नारायण की कृपा प्राप्त हो सकती है। साथ ही आर्थिक समस्याओं से छुटकारा भी मिल सकता है।

गुरु पूर्णिमा की पूजा विधि

गुरु पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। इसके साथ ही गुरु पूर्णिमा के दिन व्रत रखने और पूजन का भी महत्व है। गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी की पूजा विधि इस प्रकार है:

आषाढ़ शुक्ल पूर्णिमा या गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह स्नान आदि के बाद मंदिर में पूजन का संकल्प लें। पूजा का संकल्प गुरुपरम्परासिद्ध्यर्थं व्यासपूजां करिष्ये से ले सकते हैं। इसके बाद एक चौकी पर पीला कपड़ा फैलाएं और उस पर गन्धादि से 12-12 रेखाएं पूर्व से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण की ओर बनाएं। इसके बाद दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ें। फिर ब्रह्म, ब्रह्मा, परा-परशक्ति, व्यास, शुकदेव, गौडपाद, गोविंदस्वामी और शंकराचार्य का नाम मंत्र से आवाहन आदि करके अपने गुरु, पिता या पितामह का पूजन करें।

गुरु पूर्णिमा के उपाय

गुरु पूर्णिमा के दिन गुरु का चरण पूजन करना चाहिए। दान-सेवा करें। अगर विवाहित हैं तो सपत्नी करें।

व्यासजी की पूजा करनी चाहिए। घर में पुराण की भी पूजा करें और पाठ करें। इस दिन गीता का पाठ करने का बड़ा महत्व है।

देवी लक्ष्मी को शहद और खीर का भोग लगाएं। शाम के समय दूध से चंद्रमा को अर्घ्य दें और ॐ चंद्रमसे नमः या ॐ सों सोमाय नमः का जाप करें।

कनकधारा स्तोत्र या श्रीसूक्त का विधि विधान से पाठ करें। कम से कम तीन या 11 बार पाठ करना लाभकारी रहेगा। इससे आर्थिक समस्याओं से छुटकारा मिलेगा।

कमलगट्टे की माला से ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ॐ महालक्ष्मी नमः मंत्र का जप करें।

पांच वर्ष की कन्याओं को फल और मिठाई का दान करें। और उनकी पूजा करें।

आज के दिन इन पांच वस्तुओं का करें दान, दुर्भाग्य होगा दूर

आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि को गुरु पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है। इस बार गुरुवार को गुरु पूर्णिमा पड़ रही है, जिससे यह दिन और भी ज्यादा खास हो गया है। इस दिन गुरुओं की पूजा करने का खास महत्व होता है। साथ ही, यह तिथि भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को समर्पित होती है। ऐसे में विष्णुजी और मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए अगर व्यक्ति इस दिन विधि-विधान से पूजा करने के साथ-साथ कुछ विशेष चीजों का दान कर ले, तो उसकी किस्मत चमक सकती है। गुरु पूर्णिमा के दिन दान का बहुत खास महत्व होता है। इससे जीवन से दुर्भाग्य दूर होता है और धन लाभ के भी योग बनने लगते हैं।

गीता का दान करने से पुण्य फल होगा प्राप्त

गुरु पूर्णिमा के दिन गीता का दान करना बेहद शुभ माना जाता है। ऐसे में आप इस दिन मंदिर में या किसी ऐसे व्यक्ति को गीत का दान कर सकते हैं जो व्यक्ति धार्मिक हो। उन्हें गीता दान करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है और आपके जीवन से दुख दूर हो सकते हैं। लेकिन भूलकर भी गीता का दान किसी ऐसे व्यक्ति को नहीं करना चाहिए जो धार्मिक न हो या धार्मिक पुस्तकों का आदर न करता हो। ऐसे लोगों को गीता दान करने से पुण्य की जगह पाप की मिल सकता है।

स्वर्ण दान करने से बढ़ेगी धन-संपत्ति

मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन सोने का दान करना अत्यंत फलदायी होता है। ऐसा करने से जातक को सौभाग्य और समृद्धि की प्राप्ति होती है। अगर आप पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो गुरु पूर्णिमा पर सोने का दान जरूर करें। इससे घर की आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती है। लेकिन आज के समय में सोने का भाव आसमान छू रहा है। ऐसे में अगर आप स्वर्ण दान न कर पाएं, तो इसकी जगह जौ या पीतल से निर्मित वस्तुओं का दान कर सकते हैं। इससे जीवन में तरक्की रास्ते खुलने लगते हैं और कार्यों में आ रही बाधाएं भी दूर होती हैं। इससे जातक को गुरु की कृपा भी प्राप्त हो सकती है।

इस वस्तु के दान से जीवन के दुखों से मिलेगी निजात

गुरु पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु और लक्ष्मी माता की पूजा करने के साथ-साथ आप एक विशेष वस्तु का भी दान कर सकते हैं। इसके लिए एक पीले रंग के साफ और नए वस्त्र में गुड़ और चना बांध लें। अब इसे ले जाकर मंदिर के पुजारी को दान करें। ऐसा करने से जीवन में आ रही समस्याओं से व्यक्ति को निजात मिल सकती है। घर से दरिद्रता भी दूर होती है। माना जाता है इस एक चीज के दान से व्यक्ति पर विष्णुजी और माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। साथ ही, गुरु की कृपा भी प्राप्त होती है।

घी का दान करने से रोग रहेंगे दूर

अगर आप या आपके परिवार का कोई सदस्य लंबे समय से बीमार है, तो गुरुवार के दिन एक विशेष वस्तु का दान कर सकते हैं। इस दिन घी का दान करना बहुत उत्तम माना जाता है। ऐसा करने से व्यक्ति का स्वास्थ्य बेहतर होता है और जीवन से नकारात्मकता भी दूर होने लगती है। अगर आप घी का दान न कर पाएं, तो इसकी जगह पांच घी के दीपक तुलसी के पास जला सकते हैं। इसके अलावा, भगवान विष्णु के सामने भी घी का दीपक जलाया जा सकता है। इससे परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक रहता है और घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

पीले वस्त्र का दान

यह शुभ तिथि इस बार गुरुवार के दिन पड़ रही है। ऐसे में अगर आप गुरु पूर्णिमा पर पीले वस्त्र का दान करते हैं तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति हो सकती है। इसके लिए किसी गुरु समान व्यक्ति को पीले वस्त्र का दान करना चाहिए। इसके अलावा, आप अपने माता-पिता को भी पीले वस्त्र भेंट कर सकते हैं, क्योंकि उन्हें भी गुरु के समान ही दर्जा दिया जाता है। ऐसा करने से करियर और नौकरी में तरक्की के रास्ते खुलने लगते हैं।

गुरु पूर्णिमा पर इन पांच स्थानों पर जलाएं घी का दीपक

आषाढ़ मास की पूर्णिमा तिथि पर गुरु पूर्णिमा पड़ती है। इस दिन का हिंदू धर्म में खास महत्व होता है। माना जाता है कि यह तिथि भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को समर्पित होती है। साथ ही, इस दिन गुरुओं की पूजा करने का भी महत्व होता है। अगर आप गुरु पूर्णिमा तिथि को विष्णुजी और माता लक्ष्मी की पूजा करने के साथ-साथ कुछ उपाय भी कर लें तो इससे धन की देवी की कृपा प्राप्त हो सकती है। इन्हीं में से एक है गुरु पूर्णिमा पर कुछ विशेष जगहों पर घी का दीपक जलाना। ऐसा करने से जातक के जीवन से पैसों की तंगी दूर हो सकती है और मां लक्ष्मी और विष्णुजी की कृपा प्राप्त होती है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें कि गुरु पूर्णिमा पर किन-किन स्थानों पर घी का दीपक जलाना चाहिए।

तुलसी के पौधे का पास जलाएं दीपक

गुरु पूर्णिमा के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करने के बाद विधि-विधान से भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। साथ ही, शाम के समय भी विधि पूर्वक पूजा अवश्य करें और तुलसी के पास घी का दीपक जलाएं। मान्यता है कि तुलसी के पौधे में माता लक्ष्मी की वास होता है। ऐसे में अगर आप गुरु पूर्णिमा पर तुलसी के पास घी का दीपक जलाते हैं तो इससे मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और धन-दौलत में वृद्धि होने लगती है। अगर आप पैसों की तंगी का सामना कर रहे हैं, तो यह काम जरूर करके देखें इससे गरीबी से निजात मिल सकती है।

भगवान विष्णु के सामने जलाएं घी का दीपक

मान्यता है कि गुरु पूर्णिमा की तिथि विष्णुजी और माता लक्ष्मी को समर्पित होती है। ऐसे में अगर आप इस दिन पूजा के दौरान भगवान विष्णु के सामने घी का दीपक जलाते हैं और विधि-विधान से पूजा करते हैं, तो इससे जीवन के दुखों से निजात मिल सकती है। साथ ही, भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है। माना जाता है कि गुरु पूर्णिमा पर घी का दीपक जलाने से घर में सुख-समृद्धि आती है।

पीपल के पेड़ के नीचे जलाएं दीपक

गुरु पूर्णिमा के दिन आप एक घी का दीपक पीपल के पेड़ के नीचे भी जला सकते हैं। ऐसा करने से जीवन से धन की देवी माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त हो सकती है और परिवार के सदस्यों के जीवन में सकारात्मकता आती है। अगर गुरु पूर्णिमा के दिन इस उपाय को करते हैं, तो जीवन में आने वाली बाधाओं से भी आपको मुक्ति मिल सकती है और बिगड़े काम बनने लगते हैं।

भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी के मंदिर में जलाएं दीपक

माना जाता है कि गुरु पूर्णिमा के दिन विष्णुजी और माता लक्ष्मी के मंदिर में घी का दीपक जलाना बहुत फलदायी होता है। ऐसा करने से जातक को जीवन की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है और घर में खुशियां दस्तक देने लगती हैं। माना जाता है कि गुरु पूर्णिमा पर घी का दीपक जलाने से पुण्य फल प्राप्त होता है और कारोबार में आ रही दिक्कतें भी दूर हो सकती हैं।

घर के मुख्य द्वार पर जलाएं दीपक

गुरु पूर्णिमा के दिन शुद्ध घी का दीपक घर के मुख्य द्वार पर भी जरूर जलाना चाहिए। ऐसा करने से घर से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। माना जाता है कि इस शुभ तिथि पर घी का दीपक मेन गेट पर जलाने से घर में माता लक्ष्मी का वास होता है। साथ ही, परिवार के सदस्यों के जीवन में भी खुशहाली आती है।

गुरुवार के संयोग में गुरु पूर्णिमा, घर में सत्यनारायण कथा करवाने से होंगे ये लाभ

गुरुवार और गुरु पूर्णिमा का संयोग अत्यंत दुर्लभ और अत्यधिक शुभ माना जाता है। जब गुरुवार, जो कि बृहस्पति ग्रह और विष्णु भगवान को समर्पित दिन होता है, और गुरु पूर्णिमा, जो ज्ञान, उपासना और श्रद्धा का पर्व है, एक साथ आते हैं, तो यह काल धार्मिक अनुष्ठानों के लिए सर्वश्रेष्ठ हो जाता है। इस विशेष दिन श्री सत्यनारायण भगवान की कथा का आयोजन करने से जीवन के सभी क्षेत्रों में चमत्कारिक सकारात्मक परिवर्तन आते हैं। अगर आपके घर में काफी समय से किसी बात या परेशानी को लेकर तनाव चल रहा है तो उसमें कमी आती है। पूर्णिमा की तिथि हर महीने आती है, मगर साल की कुछ पूर्णिमा तिथि पूजापाठ और अनुष्ठान के लिए विशेष मानी जाती है। आषाढ़ मास की पूर्णिमा भी उनमें से एक होती है। इस वक्त भगवान विष्णु योग निद्रा में होते हैं और गुरु पूर्णिमा पर उनके ही स्वरूप सत्यनारायण भगवान की पूजा करने से आपके घर में सुख शांति स्थापित होती है और पारिवारिक क्लेश दूर होते हैं। गुरु पूर्णिमा पर सत्यनारायण भगवान की कथा करवाने के फायदे नीचे आपको बताए गए हैं।

घर में सुख, शांति और सौभाग्य का वास होता है

गुरु पूर्णिमा का दिन अध्यात्म, श्रद्धा और आत्मविकास का पर्व है, वहीं गुरुवार बृहस्पति देव का दिन होता है जो धर्म, नीति, और सुख-शांति के प्रतीक हैं। इस विशेष दिन घर में श्री सत्यनारायण भगवान की कथा करवाने से न केवल वातावरण में सात्विकता और सकारात्मक ऊर्जा आती है, बल्कि घर में लड़ाई-झगड़े, तनाव और क्लेश जैसी समस्याएं भी दूर होती हैं। यह पूजा गृहस्थ जीवन में समझदारी, सौहार्द और परस्पर प्रेम को बढ़ावा देती है। बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य में भी सुधार देखा जा सकता है।

आर्थिक बाधाएं दूर होकर लक्ष्मी का आगमन होता है

सत्यनारायण भगवान को धन, वैभव और समृद्धि के रक्षक माना जाता है। गुरु पूर्णिमा जैसे शुभ दिन पर कथा आयोजित करने से रुके हुए कार्य पूरे होने लगते हैं, नौकरी और व्यापार में आ रही अड़चनों का समाधान मिलता है। बृहस्पति ग्रह की कृपा से निवेश में लाभ, कर्ज़ से मुक्ति, और आमदनी में निरंतर वृद्धि के योग बनते हैं। यह कथा विशेष रूप से उन लोगों के लिए अत्यंत फलदायी है जो आर्थिक अस्थिरता, उधारी, या नौकरी में असुरक्षा का सामना कर रहे हैं।

गुरु कृपा और आध्यात्मिक विकास

गुरु पूर्णिमा का मूल उद्देश्य ही होता है, गुरु के प्रति श्रद्धा और आत्मा का शुद्धिकरण। इस दिन सत्यनारायण कथा का आयोजन व्यक्ति के आध्यात्मिक उत्थान, साधना में सफलता और चित्त की स्थिरता लाने में सहायक होता है। विद्यार्थियों को विद्या, स्मरण शक्ति और अनुशासन की प्राप्ति होती है, वहीं साधकों को ध्यान, जप, और तप में मन की एकाग्रता मिलती है। यह दिन आत्मबोध और जीवन के सही मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है।

परिवार में संतुलन, संतान सुख और अच्छे रिश्ते

विवाह संबंधी विलंब, संतान प्राप्ति में रुकावट, या पारिवारिक मनमुटाव जैसी समस्याएं सत्यनारायण कथा के प्रभाव से दूर होने लगती हैं। यह कथा घर के हर सदस्य के जीवन में शुभ संकेत, मेलजोल और आत्मीयता लाती है। विशेष रूप से उन दंपतियों के लिए यह कथा अत्यंत शुभ है जो संतान सुख की कामना रखते हैं या पारिवारिक जीवन में स्थायित्व चाहते हैं। इस दिन की पूजा सास-बहू, पति-पत्नी और संतान के बीच संबंधों को मधुर बनाती है।

पितृ दोष, ग्रह बाधा और स्वास्थ्य समस्याओं से मुक्ति

गुरुवार और गुरु पूर्णिमा पर सत्यनारायण कथा कराने से जन्मकुंडली में बृहस्पति दोष, कालसर्प योग, पितृ दोष या अन्य ग्रह बाधाओं का प्रभाव काफी हद तक शांत होता है। यह कथा पूर्वजों की आत्मा की शांति और तृप्ति के लिए अत्यंत कल्याणकारी मानी जाती है। साथ ही, यह मानसिक बेचैनी, बार-बार बीमारी या घर के किसी सदस्य की अनसुलझी समस्या को दूर करने में सहायक होती है। कथा के दौरान की गई सामूहिक प्रार्थना और हवन से वातावरण रोग-निवारक और ऊर्जावान बनता है।

गुरुदत्त के 100 साल : मेलबर्न में मनाया जाएगा भारतीय सिनेमा के लीजेंड की विरासत का जश्न!

भारतीय सिनेमा के महानतम फिल्म निर्माताओं और अभिनेताओं में से एक, गुरु दत्त के 100 साल पूरे होने का जश्न इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न 2025 में मनाया जाएगा। इस अवसर पर उनकी 1957 की फिल्म प्यासा और 1959 में रिलीज हुई कागज के फूल की विशेष स्क्रीनिंग के साथ उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

'प्यासा' फिल्म में गुरु दत्त, माला सिन्हा, वहीदा रहमान, रहमान और जॉनी वॉकर मुख्य भूमिकाओं में थे। इस ड्रामा फिल्म का निर्देशन गुरु दत्त ने किया था। यह फिल्म कलकत्ता पर आधारित थी और फिल्म विजय नाम के एक ऐसे उर्दू कवि की कहानी थी, जिसकी रचनाओं को प्रकाशक कम आंकते हैं और रोमांटिक विषयों के बजाय सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए उसकी आलोचना की जाती है। कहानी में विजय की मुलाकात सेक्स-वर्कर गुलाबो और उसकी पूर्व प्रेमिका मीना से होती है। गुलाबो उसकी कविताओं को प्रकाशित कराने में मदद करती है, जिससे उसकी रचनाओं को सफलता मिलती है और जिसके बाद दोनों के बीच एक प्रेम संबंध विकसित होता है।

गुरु दत्त की 1959 की रोमांटिक ड्रामा 'कागज के फूल' सिनेमास्कोप में बनी पहली भारतीय फिल्म और उनके द्वारा निर्देशित आखिरी फिल्म थी। इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा में एक तकनीकी क्रांति ला दी थी और इसे व्यापक रूप से अपने समय से बहुत आगे माना जाता है। यह फिल्म कई फिल्म स्कूलों के पाठ्यक्रमों का हिस्सा है और इसे भारत में बनी अब तक की सबसे बेहतरीन आत्म-संदर्भित फिल्म माना जाता है।

निर्देशक मितु भौमिक लांगे ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए अपने विचार साझा किए, गुरु दत्त अपने समय से बहुत आगे थे, चाहे वह फिल्म बनाने की तकनीक हो या उनकी कहानियों की भावनात्मक गहराई। उनकी फिल्में जैसे 'प्यासा' और 'कागज के फूल' सिर्फ क्लासिक्स नहीं हैं, बल्कि भारतीय सिनेमा की आत्मा को छूने वाले सांस्कृतिक खजाने हैं। आईएफएफएम में, हमारा मानना है कि उन लोगों का सम्मान करना जरूरी है जिन्होंने हमारी सिनेमाई विरासत को बनाया। यह श्रद्धांजलि उनकी प्रतिभा को याद करने और उनके कालातीत काम को नए वैश्विक दर्शकों से परिचित कराने का हमारा विनम्र तरीका है।यह महोत्सव 14 अगस्त से शुरू होगा और 24 अगस्त को इसका समापन होगा।

मदर इंडिया का जिक्र कर बोलीं काजोल

सिनेमा में मां के किरदार समाज के साथ बदले हैं

अभिनेत्री काजोल अपनी हालिया रिलीज फिल्म मां में दमदार भूमिका में नजर आईं। उन्होंने बॉलीवुड में मां की छवि के बदलाव पर खुलकर बात की। अभिनेत्री का मानना है कि सिनेमा में मां के किरदार समाज के साथ-साथ बदले हैं। उन्होंने बताया कि पहले निरूपा रॉय और नरगिस जैसे किरदारों से लेकर अब उनकी फिल्म मां तक, मां के किरदारों को अब मजबूत और कमजोर दोनों रूपों में दिखाया जा रहा है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए काजोल ने बताया, बॉलीवुड की मांएं समाज के साथ आगे बढ़ी हैं। हम आज मां को जिस नजरिए से देखते हैं, वही सिनेमा में दिखता है। मांएं हमेशा से मजबूत रही हैं।

मदर इंडिया जैसी फिल्में बहुत पहले बन चुकी थीं, जब हम 'मां' जैसी फिल्म के बारे में सोच भी नहीं सकते थे। अभिनेत्री ने कहा कि मांएं न केवल मजबूत होती हैं, बल्कि उनकी कोमलता और नारीत्व भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, पहले भी मांएं मजबूत थीं, लेकिन अब एक ऐसी मां को स्वीकार किया जा रहा है जो गलतियां भी कर सकती है। वह सुपरवुमन है, लेकिन साथ ही कोमल और नारीवादी भी।

क्या सिनेमा में मांएं थोड़ी स्वार्थी, उग्र और कमजोर दिखाई जा सकती हैं? इस सवाल पर काजोल ने कहा कि बदलाव तब शुरू होता है जब महिलाएं खुद को और दूसरों को उनकी कमियों के साथ स्वीकार करती हैं। उन्होंने बताया, यह इस बात पर निर्भर करता है कि हम महिलाएं एक-दूसरे को कैसे देखती हैं। क्या हम खुद को और दूसरों को छोटी-छोटी कमियों के लिए माफ करते हैं? 'कमी' का मतलब क्या है? अगर आप काम पर गईं, तो क्या यह कमी है? या अगर आप अपने बच्चे का स्कूल प्ले नहीं देख पाईं क्योंकि आप काम कर रही थीं, तो क्या यह आपको कमजोर बनाता है?

काजोल का मानना है कि सिनेमा और समाज में मां की छवि को और अधिक मानवीय और वास्तविक बनाने की जरूरत है, जहां उनकी ताकत के साथ-साथ उनकी कमजोरियां भी स्वीकारी जाएं। काजोल ने आगे कहा, हमें खुद से सवाल पूछने होंगे कि हम खुद को कैसे देखते हैं। जैसे-जैसे हमारा नजरिया बदलेगा, समाज का नजरिया भी बदलेगा।

कोमोलिका : छोटे पर्दे की खूबसूरत खलनायिका जिनकी चालबाजी की दुनिया फैन

छोटे पर्दे की खलनायिका उर्वशी की अपनी फैन फॉलोइंग है। दिग्गज कलाकारों में शामिल उर्वशी ढोलकिया का 9 जुलाई को जन्मदिन है। 1978 में जन्मी ढोलकिया ने अपनी जिंदगी में कई मुकाम समय से पहले हासिल किए। चाहे वह छह साल की उम्र में एक विज्ञापन का हिस्सा बनना हो या फिर छोटी उम्र में शादी और मां बनना। उन्होंने हर भूमिका को शानदार तरीके से निभाया है। यूं तो उर्वशी ने छोटे पर्दे पर अभिनय से कई किरदारों को जीवंत किया, लेकिन सबसे लंबे समय तक चलने वाले धारावाहिकों में से एक एकता कपूर निर्मित 'कसौटी जिंदगी की' में कोमोलिका की नकारात्मक भूमिका निभाना उन्हें प्रसिद्धि की नई ऊंचाइयों पर ले गया।

इसके बाद उर्वशी न केवल बिग बॉस जैसे प्रतिष्ठित टेलीविजन शो का हिस्सा बनीं, बल्कि विजेता बनकर भी निकलीं। उर्वशी ढोलकिया की मां पंजाबी और पिता गुजराती हैं। उनकी जिंदगी बचपन से छोटे पर्दे से जुड़ गई। पहली बार दर्शकों ने उन्हें 6 साल की बच्ची के रूप में देखा, जब वह लक्स साबुन के विज्ञापन में नजर आईं। इस विज्ञापन के बाद मानों उर्वशी का कैमरे से एक ऐसा सामंजस्य बैठ गया, जो आज तक जारी है।दूरदर्शन टीवी सीरीज श्रीकांत में वह बाल कलाकार के रूप में दिखीं। इसमें उनके किरदार का नाम राजलक्ष्मी था। अगर पहली वयस्क भूमिका की बात करें तो लोग पहली बार उर्वशी से दूरदर्शन के 'देख भाई देख' में शिल्पा के किरदार रू-ब-रू हुए। एक्ट्रेस के निजी जीवन की बात करें तो उसमें भी वह अपनी पेश-वर जिंदगी की तरह हर मुकाम को समय से पहले हासिल करती गईं। शादी के बाद उनके दो जुड़वा बच्चे क्षितिज और सागर हुए। अकेली मां के रूप में उन्होंने बच्चों का पालन-पोषण किया।

2000 का दशक ढोलकिया के लिए स्वर्णिम काल के रूप में साबित हुआ। इस दौरान एकता कपूर के शो 'घर एक मंदिर', 'कभी सौतन कभी सहेली', 'कसौटी जिंदगी की' और 'कहीं तो होगा' में अपने शानदार प्रदर्शन से दर्शकों का दिल जीता और अभिनय के लिए सफलता हासिल की। सबसे लंबे समय तक चलने वाली टेलीविजन सीरीज में से एक, कसौटी जिंदगी की (2001-2008) में कोमोलिका का किरदार लोगों के जेहन में आज भी ताजा है। कई समीक्षाओं के पश्चात कोमोलिका के किरदार को आज तक की प्रतिष्ठित खलनायिका के रूप में माना गया।

सोशल मीडिया पर खास अंदाज में दिखीं अक्षरा सिंह

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर अक्सर खूबसूरत पोस्ट शेयर करती रहती हैं। उन्होंने मंगलवार को लेटेस्ट वीडियो शेयर किया, जिसमें वह अपनी दोस्त के साथ का जश्न मनाती दिख रही हैं। अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक रील शेयर की, जिसमें वह मेकअप आर्टिस्ट कशिश जैन के साथ मजेदार अंदाज में नजर आईं। उन्होंने वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, मेरा वीडियो खराब कर दिया। वीडियो में बच्चों की आवाज में चल रहे गाने 'चंदा मामा दूर के' पर मजेदार हाव-भाव बनाती नजर आईं।फैंस को उनका ये फनी वीडियो काफी पसंद आ रहा है; कई यूजर्स उन्हें 'हार्ट', 'फायर', और 'स्माइली' इमोजी भेज रहे हैं। अक्षरा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहती हैं, और उनके 6.7 मिलियन फॉलोअर्स हैं। बता दें, अभिनेत्री ने भोजपुरी के साथ-साथ हिंदी और पंजाबी में भी अपनी पहचान बनाई है। अक्षरा का पंजाबी गाना रिलीज हो चुका है, जिसका टाइटल 'पैग पग' है। इसकी जानकारी उन्होंने खुद इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए दी थी। वीडियो पोस्ट कर अभिनेत्री ने कैप्शन दिया, 'पैग पग का नया गाना अभी रिलीज हुआ है-देखिए और प्यार दीजिए।' प्रशंसकों को भी उनका ये पंजाबी अवतार पसंद आ रहा है। नेटिजन्स जी खोलकर तारीफ में कसीदे पढ़ रहे हैं। किसी ने लिखा, 'बहुत बढ़िया, वाह,' तो किसी ने उनको 'बिहारी पावर' का तमगा दिया। एक फैन ने लिखा, 'बॉलीवुड में अक्षरा, वाह, क्या बात है।' लेटेस्ट सॉन्ग में अक्षरा के साथ गायक तुषार जुल और रेहाना पंडित हैं। अपने देसी और स्टाइलिश लुक से अभिनेत्री कहर ढा रही हैं। गाने को तुषार जुले ने गाया है, वहीं, इसके लिरिस्क एबीएम (रूहकर) ने दिए हैं।

शिल्पा शेट्टी फिर से सुपर डांसर में जज

इस बार बच्चों के संघर्ष के पीछे मां की कहानी भी दिखेगी

बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी कुंद्रा जल्द ही डांस रियलिटी शो सुपर डांसर में बतौर जज नजर आएंगी। वह चार साल के ब्रेक के बाद फिर से इस शो में लौट रही हैं। एक्ट्रेस ने बताया कि इस बार शो में सिर्फ बच्चों की कहानी नहीं, बल्कि उनकी मां के संघर्ष की कहानी भी दिखाई जाएगी।

एक्ट्रेस ने कहा, शो का नया सीजन सिर्फ डांस का जश्न नहीं होगा, बल्कि उन खास नायिकाओं पर भी ध्यान देगा, जो इन छोटे स्टार्स के पीछे छिपी हुई हैं, यानी उनकी माताओं पर। ये माताएं अपने बच्चों के टैलेंट को खोजती हैं, उसे बढ़ावा देती हैं और हर कदम पर उनका साथ देती हैं। इस सीजन में उनकी मेहनत, प्यार और समर्थन को दिखाया जाएगा। शो के बारे में शिल्पा शेट्टी ने बताया, अक्सर रियलिटी शो में सिर्फ प्रतियोगियों की स्टेज पर यात्रा दिखाई जाती है। इस बार 'सुपर डांसर' में हम प्रतियोगियों की माताओं की प्रेरणादायक कहानी भी दिखाएंगे।

उन्होंने कहा, मैं खुद भी एक मां हूं, इसलिए मुझे पता है कि एक मां होना कितना खास होता है। हम घर में बहू, बेटी, बहन जैसी कई भूमिकाएं निभाते हैं, लेकिन हमें खुद को मां के रूप में सबसे ऊपर रखना होता है। हम हमेशा अपने बच्चों को आगे बढ़ाने की कोशिशों में लगे रहते हैं। अक्सर बच्चों की तारीफ होती है, इस बीच उन माताओं की मेहनत को कोई नहीं देखता, लेकिन अब उनको भी उतनी ही तारीफ मिलेगी। मैं सभी बच्चों की तरफ से हर मां का धन्यवाद करती हूं, असली स्टार वही हैं। शानदार परफॉर्मेंस और दिल छू लेने वाली कहानियों के साथ, जिनमें संघर्ष, त्याग और सपने शामिल हैं, सुपर डांसर 19 जुलाई से शुरू हो रहा है। शो में 12 टैलेंटेड सुपर डांसर होंगे। यह शो हर शनिवार और रविवार को सोनी एंटरटेनमेंट चैनल और सोनी लिव पर प्रसारित होगा।

निधि अग्रवाल ने फिल्म सिंगल की तारीफ की बताया - एक मजेदार यात्रा

तेलुगू सुपरस्टार पवन कल्याण की अपकमिंग फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' में मुख्य भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री निधि अग्रवाल ने मई में रिलीज हुई तेलुगू फिल्म 'सिंगल' की तारीफ की है। उन्होंने फिल्म को 'एक मजेदार यात्रा' बताया और कहा कि निर्देशक कार्तिक राजू ने इसे शानदार तरीके से बनाया है। अभिनेत्री ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, अभी-अभी 'सिंगल' (तेलुगु) देखी!! कार्थिक राजू द्वारा शानदार तरीके से बनाई गई यह फिल्म एक शानदार यात्रा है। श्री विष्णु और विनेला किशोर ने हमें शुरू से लेकर आखिरी तक खूब हंसाया। इवाना और केतिका शर्मा और दोनों बहुत अच्छे थे। अल्लू अरविंद सर, गीता आर्ट्स और पूरी कास्ट और क्रू को बधाई।

यह फिल्म इस साल मई में रिलीज हुई थी, जो कि बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट साबित हुई थी। वहीं, फिल्म निर्माता अल्लू अरविंद इस फिल्म में अभिनेता श्री विष्णु के अभिनय से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने अभिनेता को फोन किया और अपने बैनर द्वारा निर्मित दो और फिल्मों में काम करने का ऑफर दिया।

फिल्म 'सिंगल' में श्री विष्णु, इवाना और केतिका मुख्य भूमिका में थे। इसे गीता आर्ट्स, अल्लू अरविंद ने कल्याण फिल्म्स के साथ मिलकर प्रस्तुत किया था। 9 मई को सिनेमाघरों में आई इस फिल्म का निर्माण विद्या कोप्पिनीडी, भानु प्रताप और रियाज चौधरी ने किया।

अल्लू अरविंद के लिए यह फिल्म खास थी क्योंकि उनकी बेटी विद्या ने इस फिल्म का निर्माण किया था। अल्लू अरविंद ने निर्देशक कार्तिक राजू को भी बधाई देते हुए कहा था, मैं सभी दर्शकों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने साबित कर दिया कि अगर फिल्म अच्छी है तो वे थिएटर में आएंगे। विष्णु के साथ मेरा सफर अभी भी जारी रहेगा। फिल्म की नायिकाओं केतिका और इवाना ने शानदार अभिनय किया है। वहीं, विशाल चंद्रशेखर ने फिल्म के लिए बेहतरीन संगीत दिया और इसे इतना आकर्षक बनाया है। सभी युवा निर्देशकों को इस सफलता का जश्न मनाते हुए देखना बहुत खुशी की बात है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप चिंताग्रस्त हो सकते हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। जिंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल–से–ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन वे ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहो से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक़्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्क़तें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छो–टी–छोटी चीजों पर आज आपका बहुत धन खराब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथार्थवादी रवैया अपनाएँ और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएँ, उनसे किसी चमत्कारकी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

आज का पंचांग

दिनांक : 10 जुलाई 2025 , गुरुवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पूर्णिमा रात्रि 02:08 तक
नक्षत्र : पूर्वाषाढा अहोरात्र
योग : ऐन्द्र रात्रि 09:37 तक
करण : विष्टि दोपहर 01:37 तक
चन्द्रराशि : धनु
सूर्योदय : 05:48, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:51, सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

शुभ : 06:00 से 07:30
चल : 10:30 से 12:00
लाभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : दोपहर 01:30 से 03:00
शुभ : 04:30 से 06:00
दिशाशूल : दक्षिण दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गुरु पूर्णिमा , व्यास पूजा , आषाढ़ पूर्णिमा व्रत पुण्य, सन्यासीनां चातुर्मास व्रत आरंभ , मन्वादि तिथि , भद्रा दोपहर 01:56 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थान के चुरू में

वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान क्रैश, 2 लोगों की शव बरामद

चुरू, 09 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना का जगुआर लड़ाकू विमान राजस्थान के चूरू जिले के राजलदेसर थाना क्षेत्र के भानुदा गांव में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गयी है। स्थानीय प्रशासन ने इस दुर्घटना की पुष्टि की है। चूरू के जिला कलेक्टर अभिषेक सुराना और पुलिस अधीक्षक जय यादव भी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और अनधिकृत लोगों को वहां जाने से रोका जा रहा है।

उन्होंने कहा, मलबे के पास से बुरी तरह क्षत–विक्षत शरीर के अंग बरामद किए गए हैं। सूत्रों के अनुसार, यह विमान सूरतगढ़ बेस से उड़ान भरने के बाद रतनगढ़ के भनोदा गांव के पास एक खेत में दुर्घटनाग्रस्त हुआ। घटना के कारणों का पता लगाने के लिए वायुसेना ने जांच शुरू कर दी है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने आसमान में तेज धमाके की आवाज सुनी, जिसके बाद आग और धुएं का गुबार दिखाई दिया। विमान का मलबा खेतों में दूर तक बिखर गया। पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने के साथ–साथ बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना स्थल पर एक बड़ा गड्ढा बन गया है तथा विमान का मलबा पूरे क्षेत्र में बिखरा पड़ा है। स्थानीय लोगों में हादसे के बाद दहशत का माहौल है। कई ग्रामीण घटनास्थल पर जमा हो गए, जिसके कारण पुलिस को भीड़ को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त बल तैनात करना पड़ा। हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन और सेना के अधिकारी मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटे हैं।

बता दें, यह इस साल का तीसरा जगुआर विमान हादसा है। इससे पहले 7 मार्च को हरियाणा के पंचकूला में और 2 अप्रैल को गुजरात के जामनगर के पास एक जगुआर विमान दुर्घटनाग्रस्त हुआ था। जगुआर एक डबल इंजन वाला, जमीन पर हमला करने वाला लड़ाकू–बमवर्षक विमान है, जो सिंगल और दो सीटों वाले वैरियंट्स में उपलब्ध है।

गिव अप अभियान से प्रेरित होकर 23 लाख लोगों ने छोड़ी खाद्य सुरक्षा

26 जनवरी से अब तक जोड़े 51 लाख से अधिक नए लाभार्थी

जयपुर, 09 जुलाई (एजेंसियां)। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री सुमित गोदारा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी के मार्गदर्शन में विभाग निरंतर सभी पात्र वंचितों को खाद्य सुरक्षा उपलब्ध करवाने की दिशा में कार्य कर रहा है। गोदारा बुधवार को मंत्रालय भवन में प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि प्रदेश में जनसंख्या के अनुपात में एनएफएसए के अंतर्गत लगभग 4.46 करोड़ लाभार्थियों की सीलिंग है। यह संख्या पूरी हो जाने के कारण नए पात्र लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इसी कारण अपात्र लाभार्थियों को खाद्य सुरक्षा सूची से हटाने एवं पात्र वंचितों को खाद्य सुरक्षा से जोड़ने हेतु गिव अप अभियान गत वर्ष 1 नवंबर को शुरू किया गया।

गोदारा ने बताया कि प्रदेश भर में एक नवंबर से अब तक 23 लाख सक्षम लाभार्थियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा छोड़ी है। उन्होंने कहा की जयपुर जिले में लगभग 2 लाख अपात्र लाभार्थियों ने स्वेच्छा से एनएफएसए से अपना नाम हटवाया है। उन्होंने कहा कि विभिन्न जिलों का दौरा

कर गिव अप अभियान की गहन समीक्षा की जा रही है। विभागीय अधिकारियों एवं कार्मिकों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य के कारण प्रदेश की जनता ने इस अभियान को सामाजिक न्याय के लिए एक महत्व–पूर्ण कदम के रूप में देखा है। आमजन से मिले सहयोग के कारण आज गिव अप अभियान प्रदेश में जन आंदोलन का रूप ले चुका है। उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य है कि सभी सक्षम लाभार्थी अभियान की अवधि में स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा त्यागें ताकि ताकि असल हकदारों को योजना का लाभ मिल सकें। राज्य सरकार की वास्तविक हकदारों को लाभ दिलाने की इस अभिनव पहल का अनुकरण अन्य विभागों द्वारा भी किया जाएगा। श्र इससे राज्य सरकार के संसाधनों का न्यायसंगत वितरण संभव हो सकेगा।

विचार सामंजस्यपूर्ण जीवन की नींव अध्यात्म की सुदृढ भारतीय परम्परा : राज्यपाल

जयपुर, 09 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के श्री सत्य साईं ट्रस्ट जिले में स्थित 'प्रशांति निलयम' में 'सामंजस्यपूर्ण जीवन के लिए मानव मूल्य' विषयक संगोष्ठी में भाग लिया।

इस दौरान उन्होंने श्री सत्य साईं केन्द्रीय ट्रस्ट की संगोष्ठी को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि सामंजस्यपूर्ण जीवन की नींव अध्यात्म की सुदृढ भारतीय परम्परा पर खड़ी है। भारतीय परम्परा में अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीवन जीने को महान कहा गया है। उन्होंने श्री सत्य साईं का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अध्यात्म के उन मूल्यों को जिया जिसमें दीन दुखियों के लिए सोच रखकर कार्य करने को ही ईश्वर की सर्वोत्तम सेवा माना गया है।

राज्यपाल ने कहा कि जब हम निस्वार्थ भाव से दूसरों की सेवा करते हैं, तभी हम ईश्वर के करीब आते हैं। उन्होंने अध्यात्म की भारतीय परम्परा पर चर्चा करते हुए कहा कि अध्यात्म धर्म नहीं है। अध्यात्म का अर्थ है अपने आपको जानना। उन्होंने कहा कि अध्यात्म मानवीय मूल्यों से और सेवा कार्य से जोड़ने की हमें सीख देता है। उन्होंने नर सेवा को ही नारायण सेवा बताते हुए कहा कि सनातन संस्कृति जीवन के उदात्त मूल्यों पर जोर देती है। इसमें आपदा के समय मनुष्यता को बचाने और प्राणियों के कल्याण को ही सर्वोच्च प्राथमिकता दी गयी है।

प्रदेश में व्यापार को आसान और सस्ता बनाने पर सरकार का फोकस : राज्यवर्धन सिंह

जयपुर, 09 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान सरकार के उद्योग मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि राज्य में व्यापार को सुलभ और किफायती बनाने की दिशा में सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक, स्किल डेवलेपमेंट और मार्केटिंग के साथ क्वालिटी प्रोडक्ट ही उद्योगों को प्रतिस्पर्धा में बनाए रख सकते हैं। वे आज लघु उद्योग भारती, राजस्थान द्वारा आयोजित उद्योग, वन, पर्यावरण और खान विभाग विषयक राज्य स्तरीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे, जो पहली बार एक मंच पर इन सभी विषयों को लेकर संवाद स्थापित करने का एक ऐतिहासिक प्रयास था।

जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित इस संगोष्ठी में उद्योग मंत्री राठौड़ ने महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि

राज्य में उद्योगों से जुड़ी समस्याओं के त्वरित और स्थाई समाधान हेतु एक ज्वाइंट ग्रुप गठित किया जाएगा, जिसमें उद्योग, वन, खान, स्किल डेवलपमेंट विभाग के साथ–साथ लघु उद्योग भारती जैसे अग्रणी संगठन को भी सम्मिलित किया जाएगा। यह समूह सभी विभागों के साथ समन्वय के साथ जमीनी समस्याओं को चिन्हित करेगा और उनके सहज समाधानों के साथ इस ग्राउंड रिपोर्ट को मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया जायेगा।

इस अवसर पर उद्योग राज्य मंत्री केके विश्नोई ने बताया कि जीएसटी काउंसिल में पत्थर पर टैक्स को 18% से बढ़ाकर 28% करने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसे उनके सतत प्रयासों से रोका गया। यह पत्थर उद्योग के लिए एक बहुत बड़ी राहत है और सरकार की व्यावसायिक संवेद–नशीलता का प्रमाण है। विश्नोई ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में मार्बल–ग्रेनाइट पर जीएसटी दर और कम करने की दिशा में प्रयास किये जायेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि पुराने और अप्रासंगिक कानूनों और नियमों की समीक्षा कर उनमें आवश्यक परिवर्तन किए जाएंगे जिससे उद्योगों को वास्तविक राहत मिल सके। प्रदेश के इंडस्ट्री कमिश्नर रोहित गुप्ता ने कहा कि राइजिंग राजस्थान में 35 लाख करोड़ रुपयों के एमओयू में से चार लाख करोड़ से अधिक के निवेश को लगातार मॉनिटरिंग से धरातल पर लाया जा रहा है जो इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश में निवेश के अनुकूल माहौल बन रहा है. उन्होंने एमएसएमई, ओडीओपी और रिप्स आदि योजनाओं के बारे में जानकारी दी और प्रदेश को सौर ऊर्जा का हब बताया।

एक ही दिन में भाजपा की सभी 27 जिला कार्यकारिणी घोषित

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को दी शुभकामनाएं

चंडीगढ़, 09 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी ने एक ही दिन में बुधवार को हरियाणा के सभी जिलों की कार्यकारिणी की घोषणा कर सूची जारी कर दी है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली और संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा सहित तमाम बड़े नेत–ाओं ने नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को बधाई एवं उज्वल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दी है और विश्वास जताया है कि कार्यकर्ताओं के दम पर संगठन का और अधिक विस्तार होगा। मुख्यमंत्री, प्रदेश प्रभारी, प्रदेश अध्यक्ष

व संगठन मंत्री ने कार्यकर्ताओं का आह्वान करते हुए कहा कि पार्टी और देश को नई ऊंचाइयों पर लेकर जाना है, इसलिए समर्पण और निष्ठा भाव से अधिक से अधिक परिश्रम करें।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नवनियुक्त जिला पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं उज्वल कार्यकाल के लिए ढेरों शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी भाजपा पदाधिकारी प्रधानमंत्री मोदी के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र को आधार बनाकर पार्टी के संगठनात्मक कार्यों को नई ऊर्जा, समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ाएंगे। भाजपा प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता संगठन को नई मजबूती प्रदान करते हुए विकसित हरियाणा के संकल्प को साकार करने में अग्रणी भूमिका निभाएंगे।

खाद किल्लत पैदा करके कालाबाजारी को बढ़ावा दे रही है बीजेपी सरकार : दीपेन्द्र हुड्डा

चंडीगढ़, 09 जुलाई (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने प्रदेश में डीएपी यूरिया खाद किल्लत और कालाबाजारी के लिए बीजेपी सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि 2014 के बाद से हर फ़सली सीजन में किसानों को खाद किल्लत और कालाबाजारी का सामना करना पड़ रहा है। सरकार खाद की किल्लत पैदा करके काला बाजारी को बढ़ावा दे रही है। दीपेन्द्र हुड्डा ने मांग करी कि सरकार तुरंत डीएपी और यूरिया खाद की पर्याप्त व्यवस्था करे और खाद की कालाबाजारी करने वालों पर अंकुश लगाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी के शासनकाल में इस बात का भी रिकार्ड बना कि थानों से खाद बँटवानी पड़ रही है। जो पुलिस जनता की सुरक्षा, अपराध और अपराधियों पर अंकुश लगाने में लगनी चाहिए वो खाद वितरण के काम के लिए पहरा दे रही है। हर सीज़न में किसानों, उनके परिवार की महिलाओं व बच्चों तक को रात–रात भर लंबी–लंबी कतारों में कई दिन का इंतजार करना पड़ता है, फिर भी जरूरत भर का डीएपी व यूरिया खाद नहीं मिलता। ब्लैक मार्केट में किसानों को महंगी कीमत पर डीएपी, यूरिया खाद खरीदने को मजबूर होना पड़ रहा है।

दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि केंद्र और प्रदेश दोनों जगह बीजेपी सरकार होने के बावजूद किसान खाद के लिए तरस रहे हैं।

राष्ट्रीय सम्मेलन से बना सार्थक चर्चा और परस्पर संवाद का वातावरण : हरविन्द्र कल्याण

चंडीगढ़, 09 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा है कि गुरुग्राम में संपन्न हुए शहरी स्थानीय निकायों के राष्ट्रीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य 2047 तक विकसित भारत की संकल्पना में शहरी स्थानीय निकायों की भूमिका को रेखांकित करना था। यह सम्मेलन छोटी विधायी संस्थाओं में जिम्मेदारी से संवाद का भाव पैदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत 2047' के स्वप्न को पूरा करेगा। सम्मेलन में शहरी नियोजन और विकास से जुड़े विशेषज्ञ, नीति निर्माता शामिल रहे। इसके चलते यह सम्मेलन वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों के प्रत्यक्ष संवाद का मंच बना। कल्याण बुधवार को चंडीगढ़ के सेक्टर 3 स्थित हरियाणा निवास में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

कल्याण ने कहा कि सम्मेलन के दौरान शहरी निकाय प्रशासन को नवाचार, पारदर्शिता और जनसहभागिता को प्रोत्साहित करने के लिए एआई तकनीक आधारित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने का संकल्प दोहराया गया। इस प्रकार यह सम्मेलन देश के लोकतांत्रिक ढांचे को और

मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम रहा। इस वर्ष पटना में आयोजित पीठासीन अधिकारियों के अखिल भारतीय सम्मेलन में भी इस विषय पर प्रस्ताव पारित किया गया था।

विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि देश के पहले राष्ट्रीय सम्मेलन में अनेक नगर निगमों, नगर परिषदों और नगरपालिकाओं के अध्यक्षों और अधिकारियों ने अपने–अपने क्षेत्रों में अपनाए गए सर्वश्रेष्ठ विकास मॉडल और नवाचारों को साझा किया। इंदौर, लखनऊ, पुणे, सूरत और विशाखापत्तनम के महापौर/नगर आयुक्तों ने स्वच्छ और हरित शहरों से संबंधित उत्कृष्ट कार्यों और सफलताओं पर प्रस्तुति दीं। उनकी प्रस्तुतियां प्रतिभागियों के लिए सहायक सिद्ध होगी। कल्याण ने कहा कि इस सम्मेलन से प्रेरणा लेकर पंचायती राज संस्थाओं, सहकारी संस्थाओं, महिला नेतृत्व, और युवा सहभागिता पर आधारित विशेष सम्मेलन आयोजित करने की भी योजना है। इस प्रयास से ग्राम से लेकर शहर तक प्रशासनिक व लोकतांत्रिक चेतना को गति मिलेगी। इस बात पर जोर दिया गया कि शहरी स्थानीय निकाय आम लोगों की भागीदारी के साथ विकास कार्यों को जोड़कर जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ सकते हैं। सम्मेलन में सुझाव आया कि शहरी निकायों में स्पीकर जैसे पद का सृजन होना चाहिए, ताकि सभी फैसले निष्पक्ष रूप से हों। मध्य प्रदेश में इस प्रकार की पहल हो चुकी है।

कल्याण ने कहा कि 3 जुलाई की शाम को हरियाणा कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग की ओर से गंधर्व वाद्य संगीत, हरियाणवी लोक नृत्य और 'भारत के रंग' विषय पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने प्रतिभागियों को सांस्कृतिक गहराई से जोड़ा। सम्मेलन परिसर में स्थापित की गई मेमोरी वॉल पर अनेक विशिष्ट अतिथियों ने अपने अनुभव सांझा किए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के संपन्न होने के बाद सभी प्रतिनिधियों ने नई दिल्ली पहुंच नई और पुरानी संसद का भ्रमण किया। इस दौरान सभी प्रतिभागियों ने म्यूजियम देखा और सेंट्रल हॉल में लोक सभा के माननीय अध्यक्ष ओम बिरला से सीधा संवाद किया। केंद्रीय कक्ष में सभी प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने ओम बिरला की उपस्थिति में हरियाणा की ओर से किए गए प्रबंधों की प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि लोक सभा की ओर से इस सम्मेलन की मेजबानी मिलना हरियाणा विधान सभा के लिए गौरव का विषय है। इसके लिए उन्होंने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला का आभार व्यक्त किया। यह सम्मेलन राज्य सरकार और जिला प्रशासन के पूर्ण सहयोग से सफल हुआ। सम्मेलन को लेकर सभी व्यवस्थाएं चाक–चौबंद करने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और सभी अधिकारियों–कर्मचारियों के प्रति भी आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि सम्मेलन की व्यवस्थाओं को लेकर लोक सभा के केंद्रीय कक्ष में बड़ी संख्या में खुले दिल से प्रशंसा की गई है। कल्याण ने कहा कि देश में सम्मेलन अपने आप में अनूठी पहल रही, जिसमें 25 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों से स्थानीय शहरी निकायों के 308 मेयर, चेयरपर्सन और अधिकारियों समेत लगभग 450 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। सम्मेलन में 2 केंद्रीय मंत्रियों समेत 10 सांसदों और हरियाणा से करीब 55 मंत्री व विधायकों ने तथा 75 मेयर व चेयरपर्सन्स ने हिस्सा लिया।

समत्व योग की प्राप्ति के लिए प्रतिदिन कम से कम एक सामायिक की साधना अवश्य करें: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि शास्त्रों में चातुर्मास के नौ अलंकार बतलाए हैं। इन अलंकारों से अपने जीवन को विभूषित करना चाहिए। पहला सामायिक है और समत्व योग की प्राप्ति के लिए प्रतिदिन कम से कम एक सामायिक की साधना अवश्य करनी चाहिए। सावद्य योग के त्याग की प्रतिज्ञा पूर्वक एक ही स्थान पर 48 मिनट के लिए बैठना चाहिए और नमस्कार महामंत्र के जाप अथवा शास्त्रीय स्वाध्याय में मन को जोड़कर समता धर्म की आराधना, साधना करनी चाहिए। जानबूझकर अथवा अनजान में हुए पापों से पीछे हटने की प्रक्रिया का नाम ही प्रतिक्रमण है। अतिचारों के सेवन से ग्रहण किये व्रत मलिन बनते हैं, उन अतिचारों की आलोचना प्रतिक्रमण द्वारा की जाती है।

प्रतिदिन सुबह शाम प्रतिक्रमण अवश्य करना चाहिए। पौषध व्रत साधु जीवन के आस्वाद रूप है। पर्व दिनों में पौषध अवश्य करना चाहिए। पौषध तो आत्मा का औषध है, इससे आत्मशक्ति बढ़ती है। पौषध निवृत्ति प्रधान क्रिया है। प्रत्येक श्रावक श्राविका को प्रतिदिन जिनेश्वर परमात्मा की स्वद्रव्य से अष्ट प्रकारी पूजा अवश्य करनी चाहिए। स्वद्रव्य से उत्तम सामग्री पूर्वक परमात्मा की भावपूर्वक भक्ति करने से चारित्र मोहनीय कर्म क्षीण हो जाता है, जिससे चारित्र उदय में आता है। गीत गान पूर्वक परमात्मा की स्नात्र पूजा अवश्य पढ़ानी चाहिए। प्रतिदिन शक्य न हो तो कभी-कभी पढ़ानी चाहिए। प्रभु प्रतिमा पर उत्तम द्रव्यों का विलेपन करना चाहिए। ब्रह्मचर्य का स्थूल अर्थ है मैथुन का त्याग और सूक्ष्म अर्थ है आत्मरमणता। आत्मरमणता पाने के लिए दैहिक ब्रह्मचर्य का पालन करना चाहिए। ब्रह्मचर्य के पालन से मन पवित्र बनता है। अपनी शक्ति के अनुसार श्रावक को प्रतिदिन अवश्य दान करना चाहिए। अभय दान और सुपात्र दान को नहीं भूलना चाहिए। दीन-दुःखी, अनाथ व मूक प्राणी पर अनुकंपा करने से पुण्यानुबंधी पुण्य का बंध होता है। कर्मों को खपाने के लिए तप एक अमोघ उपाय है। तीर्थंकर परमात्मा ने भी इस तप धर्म का आचरण किया है। चातुर्मास दरम्यान अपनी शक्ति अनुसार तप धर्म की विशेष आराधना करनी चाहिए। साध्वी शीतल गुणा श्री ने कहा कि वर्षा ऋतु में जब पृथ्वी पर जीवों की उत्पत्ति बढ़ जाती है वही एक समय होता है जब साधुओं को जीवों की रक्षार्थ, एक स्थान पर चार माह व्यतीत करने होते हैं। उन चार माह में श्रावक भी अपने व्यापार आदि को कुछ विराम देकर धर्म ध्यान में प्रवृत्ति करते हैं। धन्य हो जाते हैं वहां के श्रावक जिस नगरी में 4 माह तक साधु रुक जाएँ। इस अवसर पर श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद जैन, महावीर संघवी ने बताया कि साध्वीवृंद की निश्रा में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित किए जायेंगे। गौतम कमल लब्धीतप जुलाई 11 से प्रारंभ होगा।

विभिन्न मंत्रों के जप से चातुर्मास की स्थापना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी पुण्ययशा जी ने बुधवार को चतुर्दशी को तेरापंथ भवन में अपनी सहवर्तिनी साध्वियों के साथ गुरु निर्देशित प्रारूप के अनुसार विभिन्न मंत्रों के जप से चातुर्मास की स्थापना की।

साध्वीश्री ने फरमाया कि चातुर्मास काल साधना का विशेष समय होता है। जप, तप, स्वाध्याय की त्रिवेणी में आध्यात्मिक स्नान कर अपनी आत्मा को निर्मल बनाने का शुभ अवसर है। अधिक से अधिक तपस्या आदि करने का भाव रखें। तपस्या न भी हो तो, सामायिक, मौन, रात्रि भोजन त्याग, सचित्त व जमीकंद का त्याग तो करना ही चाहिए। इन छोटे-छोटे नियमों का पालन करके भी निर्जरा का लाभ उठाया जा सकता है। नियमित रूप से सूत्र (आगम आधारित) का व्याख्यान सुनने से भी बँधे हुए कर्म कटते है। यह हमारा सौभाग्य है कि हमने भरतक्षेत्र की कर्मभूमि में मनुष्य रूप में जन्म लिया है। इसे सार्थक बनाने का एकमात्र मार्ग सत्य, अहिंसा एवं सम्यक्त्व है। अन्य साध्वियों ने जप, तप, स्वाध्याय के विभिन्न साधनों को संकलित कर एक सुमधुर गीतिका द्वारा प्रेरणा दी। तेरापंथ के संविधान 'मर्यादा पत्र' एवं हाजरी का वाचन साध्वियों द्वारा किया गया। कमलसिंह दुगड़ ने श्रावक समाज को श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन करवाया।

तुलुपारा होराटा समिति ने दक्षिण कन्नड़ का नाम बदलकर मेंगलूरु जिला करने की मांग की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु जिला तुलुपारा होराता समिति ने राज्य सरकार से दक्षिण कन्नड़ जिले का नाम बदलकर मेंगलूरु जिला करने का आग्रह किया है। समिति के नेता दयानंद कट्टालसर ने यहाँ आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कि समिति का गठन इस नाम परिवर्तन के लिए अभियान चलाने के लिए किया गया है और यह समावेशी, गैर-पक्षपाती है और इसमें कोई नामित पदाधिकारी नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह माँग इतिहास और पहचान से जुड़ी है। ऐतिहासिक रूप से, वर्तमान दक्षिण कन्नड़, उडुपी और कासरगोड के अविभाजित क्षेत्र को तुलु नाडु कहा जाता रहा है - यह शब्द राजनीतिक और सांस्कृतिक दोनों ही दृष्टि से महत्वपूर्ण है। कट्टालसर के अनुसार, तुलु नाडु का सबसे पहला साहित्यिक

संदर्भ तमिल संगम साहित्य अकानानुरु में मिलता है, जो लगभग 2,000 साल पुराना है। उन्होंने यह भी बताया कि कई राजवंशों जिनमें अलुपा, पल्लव, होयसल, विजयनगर शासक और केलाडी राजा शामिल हैं ने इस क्षेत्र को तुलु विषय, तुलु देश या तुलु राज्य कहा। विजयनगर काल के दौरान, यह क्षेत्र मेंगलूरु राज्य और बरकुरु राज्य में विभाजित था, जो एक प्रशासनिक केंद्र के रूप में मेंगलूरु के ऐतिहासिक महत्व को दर्शाता है। विदेशी विद्वानों ने भी ऐतिहासिक दस्तावेजों में मेंगलूरु का उल्लेख किया है।

उन्होंने बताया कि 1931 में, एस यू पनियादी ने एक जिला परिषद बैठक में जिले का नाम तुलु नाडु रखने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन कई सदस्यों ने उस समय भी मेंगलूरु नाम का सुझाव दिया था। कट्टालसर ने बताया कि दक्षिण कनारा और उत्तर कनारा जैसे नाम पुर्तगालियों और अंग्रेजों द्वारा औपनिवेशिक रूप से थोपे गए थे, जो बाद में दक्षिण कन्नड़ में बदल गए। उन्होंने जिले को स्थानीय मूल का नाम देने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि विजयनगर काल से ही मेंगलूरु राज्य इस क्षेत्र का ऐतिहासिक नाम रहा है, और जिले का नाम बदलकर मेंगलूरु करने का वर्तमान अभियान राजनीतिक नेताओं, सामाजिक विचारकों, तुलुवा और धार्मिक नेताओं की सामूहिक, निष्पक्ष मांग को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि जिलों का नाम उनके तालुका केंद्रों के नाम पर रखने के कई उदाहरण हैं, और चूँकि मेंगलूरु में पहले से ही एक तालुका है, इसलिए जिले का नाम बदलने में कोई कानूनी बाधा नहीं है। उन्होंने कहा कि इस नाम परिवर्तन के पक्ष में सांसदों, विधायकों और विधान पार्षदों का समर्थन एक सकारात्मक कदम है।

डीके जिले का नाम बदलकर मेंगलूरु करने पर विधायकों द्वारा संयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा: सांसद

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सांसद कैप्टन बृजेश चौटा ने जिला पंचायत में आयोजित जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के दौरान कहा कि दक्षिण कन्नड़ का नाम बदलकर मेंगलूरु जिला करने के लिए सभी विधायकों की ओर से एक संयुक्त प्रस्ताव जल्द ही प्रस्तुत किया जाएगा। उनका यह बयान बेलटांगडी के विधायक हरीश पूंजा के अनुरोध के जवाब में आया है।

विधायक पूंजा ने कहा कि दक्षिण कन्नड़ का नाम बदलकर मेंगलूरु जिला करने की लंबे समय से मांग चल रही है ताकि इसे बेंगलूरु जैसे शहर केंद्रित नामकरण के अनुरूप बनाया जा सके। स्थानीय लोगों ने केट्टीकल में अवैज्ञानिक जल निकासी कार्य पर चिंता व्यक्त की, जहाँ ऊँचाई वाले क्षेत्रों से पानी आवासीय क्षेत्रों में बह रहा है। सांसद चौटा ने उपायुक्त दर्शन के.वी. को सभी हितधारकों के साथ एक अलग

बैठक बुलाने का निर्देश दिया। एनएचएआई अधिकारियों ने कहा कि विशेषज्ञ रिपोर्ट में केबिन की दीवार बनाने और बेंच कटिंग करने की सिफारिश की गई है, और केबिन की दीवार दिसंबर तक पूरी हो जाएगी। सांसद ने एनएचएआई अधिकारियों को आगे का काम शुरू करने से पहले उपायुक्त से परामर्श करने का भी निर्देश दिया। वामनजूर में सर्विस रोड न होने का मुद्दा उठाया गया। एनएचएआई के अधिकारी ने मानसून के कारण हुई देरी का हवाला देते हुए कहा कि निर्माण कार्य के कारण कीचड़ हो जाएगा। सांसद चौटा ने देरी का एक कारण भूमि अधिग्रहण संबंधी मुद्दे और कोरगज्जा मंदिर के पास विवाद बताया, जो अब सुलझ गए हैं। काम जल्द ही फिर से शुरू होगा। अड्यार, फरंगीपेट और बीसी रोड सर्कल में राजमार्ग के पास अनधिकृत दुकानों पर चिंता व्यक्त की गई। सांसद चौटा ने एक सर्वेक्षण का निर्देश दिया और अवैध विक्रेताओं को हटाने में एसपी डॉ. अरुण से सहायता मांगी। पंपवेल के पास दुकानों में अस्वच्छ परिस्थितियों के बारे में एक शिकायत उठाई गई, जिस पर एमसीसी आयुक्त ने जवाब दिया कि संबंधित दुकानें लाइसेंस प्राप्त हैं।

विधायक डॉ. भरत वाई शेट्टी ने वाहन पंजीकरण दस्तावेजों के साथ कथित छेड़छाड़ और एक लग्जरी कार की कम कीमत की जांच की मांग की। यह पता चला कि 2013 में खरीदी गई और बाद में एक बैंक द्वारा जब्त की गई एक गाड़ी को पुराने दस्तावेजों का उपयोग करके उडुपी में नीलाम कर दिया गया और फिर से पंजीकृत कर दिया गया। उपायुक्त ने आरटीओ से विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा। सांसद चौटा ने कहा कि कर्नाटक को 4,500 इलेक्ट्रिक बसें मिलेंगी, जिनमें से 100 मेंगलूरु नगर निगम को आवंटित की जाएँगी। हालाँकि, भूमि अधिग्रहण एक बाधा बना हुआ है। उपायुक्त दर्शन ने कहा कि तीन स्थानों पंपवेल, मुदिपु और तिरुवैल को चुना गया है। कुछ विधायकों ने शहर से इसकी दूरी के कारण मुदिपु पर आपत्ति जताई थी।

कार्डियो फोबिया में वृद्धि, लोग चिंता को हृदय संबंधी समस्या समझ रहे

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु में मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने दिल के दौरे के डर से मनोचिकित्सकीय सहायता लेने वाले लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि देखी है। इस स्थिति को अब कार्डियोफोबिया के रूप में पहचाना जाने लगा है। मनोचिकित्सक अक्सर लोगों को याद दिलाते हैं कि 'हर बात को दिल पर न लें', यानी लोगों को ज्यादा सोचने या यह मानने से बचना चाहिए कि जो कुछ दूसरों के साथ होता है, वह उनके साथ भी हो सकता है। हालाँकि, विभिन्न क्षेत्रों में दिल के दौरे के मामलों की बढ़ती खबरों के साथ, आबादी का एक बड़ा हिस्सा यह चिंता करने लगा है कि कहीं उन्हें भी हृदय संबंधी लक्षण तो नहीं हो रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, इसके कारण मनोचिकित्सकों के पास आने वाले ऐसे मरीजों की संख्या बढ़ गई है जो इस तरह की शिकायतें करते हैं कि मुझे लगता है कि मुझे हृदय रोग के लक्षण हैं, मुझे क्या करना चाहिए? हृदय रोग विशेषज्ञों से स्वस्थ होने का प्रमाण पत्र मिलने के बावजूद, कुछ लोगों में यह डर बना रहता है। वे दूसरी और तीसरी राय लेते हैं, और जब वे भी उन्हें आश्वस्त नहीं कर पाते,

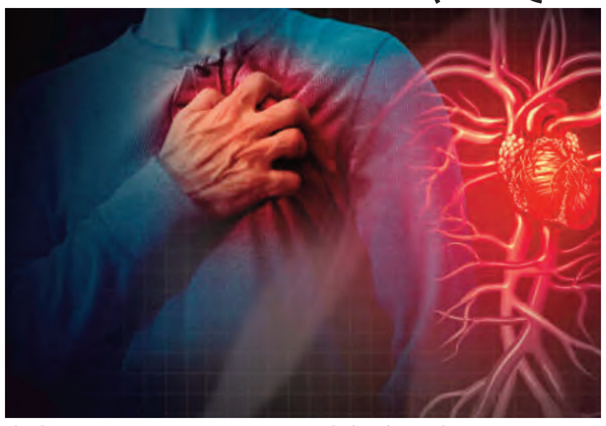

तो वे अंततः मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों की ओर रुख करते हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं, इस स्थिति को कार्डियोफोबिया कहा जाता है।

ये लोग अक्सर पूरी तरह से हृदय की जाँच करवाने और यह कहने के बाद भी संतुष्ट नहीं होते कि वे ठीक हैं। ऐसे मामले हाल ही में बढ़ रहे हैं। पहले, मनोचिकित्सक हफ्ते में एक या दो ऐसे मरीजों को देखते थे। अब, डॉक्टर रोजाना 2-3 ऐसे मामले देखने की रिपोर्ट करते हैं। कुछ मरीज तो पहले से अपॉइंटमेंट लेकर पड़ोसी जिलों से भी आ रहे हैं।

इनमें से ज्यादातर मरीज 30 45 आयु वर्ग के हैं। मनोचिकित्सक इस बात पर जोर देते हैं कि दवा से ज्यादा, इन लोगों को अपने आंतरिक डर पर काबू पाने में मदद के लिए भावनात्मक परामर्श की जरूरत होती है। वे आगे कहते हैं कि परिवार के सदस्य और दोस्त भी हिम्मत और भावनात्मक सहारा देने में अहम भूमिका निभाते हैं। वेनलॉक जिला अस्पताल के डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि कोविड-19 महामारी के दौरान भी ऐसा ही रुझान देखा गया था। उन्होंने कहा उस समय भी, कई लोग डर और चिंता के कारण मनोचिकित्सकों के पास गए थे, यह कहते हुए कि उन्हें कोविड के लक्षण हैं और उन्हें समझ नहीं आ रहा कि क्या करें। ऐसे मामले अब कम हो गए हैं, लेकिन हम कार्डियो फोबिया के रूप में इसी तरह का एक पैटर्न फिर से उभरता हुआ देख रहे हैं।

चातुर्मास जीवन जागरण का अवसर: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ राजाजीनगर बेंगलूरु में चातुर्मासार्थ विराजित उप प्रवर्तिनी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने अपने उद्बोधन में चातुर्मास को जीवन जागरण का अवसर बताया। उन्होंने कहा जिस प्रकार सूर्य की पहली किरण अंधकार को मिटाकर प्रकाश फैलाती है, उसी प्रकार चातुर्मास आत्मा में छिपे अज्ञान, आलस्य और प्रमाद को मिटाकर धर्म-जागरण से जीवन को आलोकित करता है। धर्म में प्रमाद नहीं करना चाहिए।

विशेषतः चातुर्मास में समय का एक क्षण भी प्रमादी न हो, क्योंकि यह जीवन क्षणभंगुर है कब कौन-सा पल अंतिम बन जाए, यह किसी को ज्ञात नहीं। साध्वी ने कहा, यह जीवन नदी और नाव के संयोग से अधिक कुछ नहीं है। नाव में बैठना जन्म है और उतरना मरण। बीच की यात्रा ही जीवन की असली परीक्षा है। जैसे नदी बहती है, वैसे ही जीवन भी अनवरत बहता है। आत्मा एक यात्री है, जो इस जीवन रूपी नदी को पार करने हेतु धर्मरूपी पतवार से ही पार जा सकती है। उन्होंने श्रोताओं को प्रेरित किया कि चातुर्मास को केवल समय नहीं, आत्म-जागरण की संभावना मानें। यह आत्मा की ओर मुड़ने का, जीवन को सार्थक बनाने का अनुपम अवसर है। इस अवसर पर मन, वचन और काया को धर्ममयी बनाना ही सच्ची आराधना है। इसके पूर्व में साध्वी उपमा ने स्तवन की प्रस्तुति दी और अंत में साध्वी निर्मला जी ने मांगलिक प्रदान किया।

मंगलवार से त्रिदिवसीय धर्मचक्र तप आराधना का शुभारंभ हुआ, जिसमें अनेक तपस्वियों ने बेला, तेला तप में प्रत्याख्यान लिए। इस अवसर पर जैन कॉन्फ्रेंस जीवन प्रकाश योजना के राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष रत्नीबाई मेहता, श्रीरामपुरम विजयनगर व अन्य संघों से पदाधिकारी सदस्यगण उपस्थित रहे। आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष रोशन नाहर, सहमंत्री राकेश दलाल, कोषाध्यक्ष प्रसन्न भलगट ने दिया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

भारत बंद का बेंगलूरु में लगभग कोई असर नहीं दिखा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत भर के विभिन्न ट्रेड यूनियनों द्वारा आहूत भारत बंद का बेंगलूरु में दैनिक जीवन पर बहुत कम असर पड़ा है क्योंकि कर्नाटक की राजधानी में परिवहन सेवाएँ सामान्य रूप से चल रही हैं।

10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों (सीटीयू) के गठबंधन ने विभिन्न सरकारी नीतियों का विरोध करते हुए बंद का आह्वान किया था। कुछ परिवहन यूनियनों ने बंद का समर्थन किया है, वहीं बेंगलूरु में बेंगलूरु मेट्रोपॉलिटन ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (बीएमटीसी) और कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) दोनों की बसें सामान्य रूप से चल रही हैं। बसों के आवागमन या समय में भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। बेंगलूरु ट्रैफिक पुलिस (बीटीपी) ने एक एडवाइजरी जारी की थी क्योंकि सुबह हजारों प्रदर्शनकारियों के फ्रीडम पार्क के पास इकट्ठा होने की आशंका थी। परामर्श में कहा गया है, अपनी माँगों को उजागर करने के लिए विभिन्न संगठनों द्वारा सुबह 8 बजे फ्रीडम पार्क में एक विरोध प्रदर्शन आयोजित किया गया है। इसमें लगभग 5,000 लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। चूँकि फ्रीडम पार्क और उसके आसपास यातायात जाम होने की संभावना है, इसलिए लोगों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने के लिए सूचित किया जाता है। जेसीटीयू के तत्वावधान में विभिन्न ट्रेड यूनियनों के सदस्यों ने बुधवार को सरकार की मजदूर-विरोधी, किसान-विरोधी और राष्ट्र-विरोधी, कॉर्पोरेट-समर्थक नीतियों का विरोध' करने के लिए आहूत भारत बंद के जवाब में हुब्बल्ली में एक मार्च में भाग लिया। इसी प्रकार संगठनों ने मैसूरु समेत अन्य जिलों में भी रैली निकाली।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com